रांची, मंगलवार | 26 अगस्त 2025 | वर्ष-26, अंक-204, पृष्ठ-12 | भाद्रपद शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

हरतालिका तीज की शुभकामनाएं

ॐ नमः शिवाय शान्ताय करणत्रय हेतवे।
निवृत्य ध्वान्तसंसार ज्योतिषे ज्ञानरूपिणे।।

विदेश मंत्रालय का हस्तक्षेप : भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की पहल से 19 में से 17 मजदूर सुरक्षित स्वदेश लौटे।

कैमरून भेजने वाली कंपनी : मजदूरों को ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड कंपनी में बिजली ट्रांसमिशन का काम करने भेजा गया था।

सोशल मीडिया अपील : मजदूरों ने वीडियो संदेश जारी कर केंद्र और राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई थी।

कैमरून में फंसे बोकारो-हजारीबाग के 17 मजदूरों की हुई स्वदेश वापसी

रांची (आईएएनएस)

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे झारखंड के 19 में से 17 मजदूरों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हो गई है। ये मजदूर बोकारो और हजारीबाग जिले के रहने वाले हैं। सोमवार को सभी अपने घर पहुंच गए। बताया गया है कि दो अन्य मजदूरों की वापसी 26 अगस्त को होगी। ये मजदूर एक एजेंसी के जरिए कैमरून में बिजली ट्रांसमिशन का काम करने वाली ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड कंपनी में मजदूरी करने ले जाए गए थे। इस कंपनी ने उनका चार महीने का वेतन रोक रखा था। वेतन बंद होने से उनके सामने खाने-पीने और अन्य बुनियादी जरूरतों का संकट खड़ा हो गया था। मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर केंद्र एवं झारखंड सरकार से हस्तक्षेप और वतन वापसी कराने की गुहार लगाई थी। झारखंड सरकार के श्रम विभाग ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय को पूरे मामले से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया था।

दो मजदूरों की आज होगी वतन वापसी

मंत्रालय ने अफ्रीकी देश में स्थित दूतावास की मदद से मजदूरों की बकाया मजदूरी का भुगतान और उनकी स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराई है। सोमवार को घर लौटे मजदूरों में बोकारो के प्रेम टुडू, सिबोन टुडू, सोमर बेसरा, पुराण टुडू, रामजी हांसदा, विरवा हांसदा एवं महेन्द्र हांसदा और हजारीबाग के आघनू सोरेन, अशोक सोरेन, चेतलाल सोरेन, महेश मरांडी, रामजी मरांडी, लालचंद मुर्मू, फूलचंद मुर्मू, बुधन मुर्मू, जिबलाल मांझी, छोटन बासके और राजेंद्र किस्कू शामिल हैं। दो मजदूर हजारीबाग के फूलचंद मुर्मू और बोकारो के बबलू सोरेन 26 अगस्त को लौटेंगे। विदेशों में मजदूरों के फंसने का यह कोई पहला मामला नहीं है। पहले भी कई बार अधिक वेतन के लालच में मजदूर विदेश जाकर मुश्किल हालात में फंस चुके हैं, जिनकी वापसी के लिए लंबी प्रक्रिया अपनानी पड़ी थी।

राहुल गांधी से जुड़े मामले में हाईकोर्ट में अब दो सप्ताह बाद सुनवाई

रांची। राहुल गांधी के द्वारा दाखिल कवैशिंग याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार को न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट में सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के अधिवक्ता की ओर से बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद की तारीख निर्धारित की है। झारखंड पर्यटन राहुल गांधी पर चाइबासा के प्रताप कुमार ने केस दर्ज करवाया था. जिसे पहले रांची कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था।

शेष पेज 11 पर

पीएम मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था।

(देश विदेश पेज देखें)

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र की हंगामेदार शुरुआत

सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग उठी

विपक्ष का सदन के अंदर-बाहर प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

रांची । झारखंड विधानसभा का पूरक मानसून सत्र के दौरान सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। रिम्स 2 और सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले को सदन के भीतर भाजपा विधायकों ने जोरदार हंगामा किया। प्रश्नकाल की शुरुआत होते ही विपक्ष नारेबाजी करने लगा। इसके बाद बढ़ते हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को दोपहर 12.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। दोपहर 12.30 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन यह कार्यवाही भी 15 मिनट ही चल सकी। सदन के भीतर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। वे अपनी जगह छोड़ कर चेयर के सामने आ गए। वहीं पक्ष भी वेल तक आ गया। विपक्ष जहां सूर्या हांसदा एनकाउंटर पर हंगामा करता रहा। वहीं पक्ष ने संविधान बदलने को लेकर विपक्ष को आड़े हाथों लिया। काफी शोर शराबे के बीच वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने एजी की रिपोर्ट पेश की। इसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

पुनः कार्यवाही शुरू होने पर सदन के दूसरे सत्र में बजट के कटौती प्रस्ताव पर गढ़वा विधायक एसएन तिवारी ने अपनी बात रखी। जहां उन्होंने शुरुआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन का उदाहरण देते हुए सूर्या हांसदा एनकाउंटर के मामले को उठाया। कहा कि वे जीवन भर आदिवासियों के बारे चिंता करते रहे। इधर गोड्डा में आदिवासी का एनकाउंटर हुआ है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा सदन में शिबू सोरेन की तुलना सूर्या हांसदा से करना सही नहीं है। वह आपराधिक छवि का व्यक्ति था। इस तुलना को स्पंज किया जाए। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वह राजनीति व्यक्ति थे।

शेष पेज 11 पर

भाजपा विधायकों ने किया सदन का बायकॉट

इस दौरान बीजेपी विधायक वेल तक आकर हंगामा करते रहे। बढ़ते हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को 3.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद सदन की पुन: कार्यवाही शुरू होने पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा-भाजपा एजेंसियों की मदद से पूरे देश में राज करना चाहती है। 130वां संशोधन लाकर पूरे संविधान को समाप्त करना चाहती है। भाजपा के कई विधायक और सांसद दागी है, पहले वो इस्तीफा देने को तैयार हो जाए। हमलोग समर्थन करेंगे। भाजपा बिहार में भी यही करना चाह रही है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विपक्ष को कहा कि केंद्र में आपकी सरकार है। आप खुद ही सीबीआई जांच करवा लीजिए। बीजेपी सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले पर राजनीतिक ड्रामा कर रही है।

शेष पेज 11 पर

पक्ष ने भी संविधान संशोधन का किया विरोध

इधर, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही सदन की सीढ़ियों पर भाजपा ने प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रिम्स 2 और सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार मामले को छिपा रही है। उन्होंने सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग की। वहीं रिम्स 2 जमीन मामले पर कहा कि जहां ग्रामीण खेती करते हैं। जिस जमीन की रसीद किसानों के नाम है, वहां रिम्स 2 बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हम इसका विरोध सदन के बाहर भी करेंगे और भीतर भी करेंगे। वहीं पक्ष ने भी केंद्र में हुए संविधान संशोधन का विरोध किया।

सीएम ने कन्वेंशन सेंटर का किया निरीक्षण, कहा

निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर की उपयोगिता की कार्य योजना बनाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का स्थल निरीक्षण किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कन्वेंशन सेंटर से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत वर्ष 2018 में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था, परन्तु बीच में ही इस परियोजना को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस परियोजना के तहत 5 हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाले कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाना था।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में इस निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर की उपयोगिता राज्य हित में बेहतर तरीके से हो सके, इस निमित्त एक बेहतर कार्य योजना बनाएं। मौके पर मंत्री, नगर विकास एवं आवास सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, सीईओ स्मार्ट सिटी सूरज कुमार, जीएम स्मार्ट सिटी राकेश नंदकुलियार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी ने दिया जवाब, कहा-

दबाव कितना भी हो नहीं झुकेगा भारत

एजेंसी । अहमदाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में 5400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। यहां जनसभा में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के टैरिफ के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोला। टैरिफ को लेकर पीएम मोदी कहा दुनिया में आज आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है। सब कोई अपना फायदा करने में लगा है। हम सब कुछ देख रहे हैं। सरकार लघु उद्यमियों, किसानों, पशु पालकों का अहित नहीं होने देगी। दबाव कितना ही क्यों न हो, हम झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है।

दुनिया में आज आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है

शेष पेज 11 पर

हरतालिका तीज आज महिलाएं दिनभर निर्जला और निराहार रहेंगी

रांची। हरतालिका तीज व्रत मंगलवार को है। व्रत का पारण बुधवार को होगा। सोमवार को तीज व्रत करने वाली सुहागिन महिलाओं ने नहाय-खाय का अनुष्ठान किया। मंगलवार को दिनभर निर्जला और निराहार रहेंगी। रात में भगवान की पूजा होगी। महिलाएं अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु, अच्छी सेहत, सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखेंगी।

झारखंड में 31 अगस्त तक होगी बारिश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड को अभी मानसून की बारिश से राहत मिलने वाली नहीं है. गरज-चमक के साथ 31 अगस्त तक वर्षा-वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग की ओर से दी गई है. मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी कर दिया है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थिति मौसम केंद्र ने कहा है कि 26 से 28 अगस्त तक झारखंड में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवाओं के साथ वज्रपात होने की संभावना है। मौसम विभाग ने झारखंड के लिए जारी मौसम की चेतावनी में कहा है कि 26 अगस्त, 27 अगस्त और 28 अगस्त को आंधी-तूफान के साथ कहीं-कहीं वर्षा और वज्रपात होगी. हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है. दैनिक मौसम पूर्वानुमान में मौसम केंद्र ने कहा है कि मानसून ट्रफ इस समय झारखंड से गुजर रहा है, जिसका असर आने वाले दिनों में यहां के मौसम पर दिखेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, 29 अगस्त को झारखंड के दक्षिण-पूर्वी (पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और पूर्वी सिंहभूम)

26, 27 और 28 अगस्त को वज्रपात और तूफान की आशंका

शेष पेज 11 पर

इंडिया

सोशल मीडिया से फैलता राजनीति का बारूद

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

सबसे तेज और बिना एडिटिंग बिना रोक टोक के सोशल मीडिया आंददायक उत्तेजक साधन बना हुआ है साथ ही भ्रामक जहर फैलाने का माध्यम भी सस्ते स्मार्ट फोन और फ्री डाटा के साथ सूचना क्रांति का एक और हमला हुआ तो इसे किसी ने वैसा खतरा नहीं बताया जैसा अभी सोशल मीडिया रूप ले चुका है । आज देश के किसी भी हिस्से में कोई भी मामूली घटना सनसनी बनकर कब देश विदेश में फैल जाएगी कोई नहीं जानता ।किसी भी घटना को मोबाइल में क़ैद करते अनगिनत हाथ कब उसे लाइव या अपनी समझ से किस रूप में फैला देंगे कोई नहीं जानता ।अनेक ऐसे मामलों में निहित स्वार्थ में झूठी और नफरत फैलाने वाली बातें जानबूझकर फैलाई गईं जिससे दंगे फ़साद हुए ।इसके भयंकर कुपरिणाम अभी आने शेष हैं जिससे ऐसा भ्रम फैलेगा कि मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगेंगे। पढ़ा लिखा परिपक्व वर्ग इसे व्हॉट्सएप यूनिवर्सिटी बोलकर गंभीरता से नहीं लेता पर भारत का एक बहुत बड़ा वर्ग जो बहुत पढ़ा -लिखा या मानसिक रूप से परिपक्व नहीं है वह झूठी गढ़ी हुई या फोटोशॉप की हुई तस्वीरों या आधुनिक कृत्रिम मेधा द्वारा तैयार सोशल मीडिया सामग्री को सच मान लेता है और उसपर चर्चा भी करता है उसे फैलाता है ।जाति,धर्म,राजनीति और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर आधारित ये यह जहर तेज़ी से समाज में फैल रहा है जिसमें कहीं धर्म संकट में है तो कहीं मजहबी पहचान खतरे में है ।इतिहास भूगोल की झूठी जानकारी और चरित्र हनन के हजारों फोटो,वीडियो इंस्टा,फेसबुक,रील और यूट्यूब के अलावा व्हॉट्सएप के माध्यम से विभिन्न राजनैतिक पार्टियों,धार्मिक उन्माद फैलाने वाले षड्यंत्रकारियों से लेकर देश के दुश्मनों द्वारा फैलाई जा रही हैं जिससे समाज के अंदर एक जहरीला बारूद फैलता जा रहा है जिसे बस किसी घटना की माचिस का इंतजार है और जिस दिन ये आग लगेगी उस दिन नफरत का दावानल कहां तक पहुंचेगा कहना मुश्किल है। इस आग को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की ताक में पहले देश के दुश्मन रहा करते थे पर इससे भेदभाव फैलाकर या अपना पक्ष उज्ज्वल बताकर चुनाव जीतने की दौड़ में अनेक राजनैतिक दल भी शामिल हो गए हैं। इसका प्रमाण है अनेक जातीय धार्मिक दंगों की रिपोर्ट। झारखंड जैसा साफ़ सुथरा राज्य भी अब जातीय धार्मिक पहचान के रंग में रंगता जा रहा है ।गांव से लेकर सुदूरवर्ती दुर्गम इलाकों तक में झंडों से लेकर जातीय धार्मिक पोशाक और पर्व त्योहारों में शक्ति प्रदर्शन और उसके वीडियो एक प्रतिस्पर्द्धा का रूप ले चुके हैं ।झारखंड के अनेक गांवों में आपसी सौहार्द और सद्भावना के बजाय बातचीत में छींटाकशी से लेकर पलामू सहित माओवाद प्रभावित जिलों में अगड़े पिछड़े,धर्म और जातीय विद्वेष फैलाकर राजनीति चमकाने के संगठित प्रयास अभियान का रूप ले चुके हैं। सिंहभूम,पलामू,गुमला और माओवाद प्रभावित अनेक जिलों के सुदूरवर्ती गांवों में सरकारी गाड़ी सुरक्षा कारणों से भले ना घुस पाए पर समाज सेवा,चिकित्सा और जागरूकता के नाम पर विशिष्ट कोड अंकित वाहनों का प्रवेश धड़ल्ले से होता है ।माओवादी, जातीय और धार्मिक संगठनों के अलावा राजनैतिक गतिविधियों वाली कुछ गाड़ियां नियमित रूप से घूमती है ।कुछ संदिग्ध स्वयंसेवी संस्थाओं के बारे में चर्चा है कि वे गांवों से प्राप्त आंकड़ों को विकास कार्यों के अलावा विदेशों तक पहुंचाती हैं जिनकी जांच से बहुत से खुलासे हो सकते हैं । भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय की तरफ से फैक्ट फाइंडिंग वेबसाइट भी चलाई जा रही है जिसमें झूठी खबरों और चित्र या वीडियो की जानकारी तुरंत मिल जाती है ।इसी प्रकार रिवर्स सर्च की सुविधा गूगल प्रदान करता है जिससे इसकी जानकारी आसानी से मिल जाती है ।संदिग्ध लोगों से सोशल मीडिया में दोस्ती करने और मैसेज फॉरवर्ड करने से भी बचना चाहिए।

झारखंड विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश, कई गंभीर आपत्तियां

रांची (आईएएनएस)

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सदन में पेश हुई । वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुपालन प्रतिवेदन में साफ कहा गया है कि करोड़ों रुपए की लागत से ली गई कई योजनाओं का आम जनता को कोई लाभ नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, पथ निर्माण विभाग ने सड़क चौड़ीकरण की एक योजना पर 19.15 करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन कार्यपालक अभियंता और भू-अर्जन पदाधिकारी के बीच समन्वय की कमी से रकम बर्बाद हो गई। इसी विभाग ने दामोदर और गवई नदी पर दो पुलों के लिए 15.09 करोड़ रुपए खर्च किए। पुल तो बन गए, लेकिन पहुंच पथ का निर्माण नहीं हुआ, क्योंकि जमीन अधिग्रहण ही नहीं किया गया। नतीजा यह कि इस पुल का कोई उपयोग नहीं हो पाया।

सीएजी ने बोकारो के चंदनकियारी प्रखंड में ग्रामीण विकास विभाग की एक योजना में 5.09 करोड़ रुपए की बर्बादी पकड़ी। इस राशि से बनी मॉल जैसी इमारत आज तक इस्तेमाल ही नहीं हुई। यही नहीं, विभाग ने वेब आधारित अकाउंट प्रबंधन प्रणाली पर 1.77 करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन यह प्रणाली अब तक काम ही नहीं कर रही है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने 2014 में 16 शीतगृह और छंटाई केंद्रों पर 3.67 करोड़ रुपए खर्च किए। लेकिन, एक दशक गुजरने के बाद भी इनमें काम शुरू नहीं हुआ।

शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महाधिवक्ता की पुस्तक का किया लोकार्पण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में महाधिवक्ता राजीव रंजन द्वारा लिखित पुस्तक बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग देवघर ए टच ऑफ द डिवाइन (दिव्यता का स्पर्श) पुस्तक का विधिवत लोकार्पण किया। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महाधिवक्ता राजीव रंजन को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ज्ञात हो कि इस पुस्तक में बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की ऐतिहासिकता, प्राचीनता, पौराणिकता, धार्मिक आस्था सहित सांस्कृतिक तथा वैधानिक तत्वों पर विशद चर्चा की गई है। पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महाधिवक्ता राजीव रंजन, सचिव अरवा राजकमल, मुख्यमंत्री के वरीय आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव, अपर महाधिवक्ता अच्युत केशव, राजकीय अधिवक्ता मनोज कुमार उपस्थित थे।

जीएसआई के नव-पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री करेंगे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), जो भारत की खनिज अन्वेषण एवं भूवैज्ञानिक अनुसंधान की अग्रणी संस्था है जो कुजू स्थित फील्ड प्रशिक्षण केंद्र के नव-पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन होने जा रहा है। केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्रा दुबे परिसर का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में जीएसआई के महानिदेशक असित साहा एवं वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, मीडिया प्रतिनिधि, प्रशिक्षु भूवैज्ञानिकों एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। क्षेत्र प्रशिक्षण केंद्र ,कुजू , जीएसआई की प्रशिक्षण संरचना का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो विशेष रूप से कोयला अन्वेषण, तलछटी भूविज्ञान, अनुक्रम स्तरी करण तथा संसाधन मूल्यांकन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। हाल ही में इस केंद्र को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नव परिवर्तित रूप दिया गया है, जिसमें सुसज्जित व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन हॉल, आवासीय परिसर, तथा पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना शामिल हैं। यह केंद्र न केवल जीएसआई के नव नियुक्त भूवैज्ञानिकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों एवं उद्योग विशेषज्ञों के लिए भी अध्ययन एवं अनुभव का एक उत्कृष्ट मंच है। इस उद्घाटन समारोह का उद्देश्य न केवल इस नवपरिवर्तित केंद्र को राष्ट्र को समर्पित करना है, बल्कि देश की खनिज आत्मनिर्भरता की दिशा में जीएसआई की प्रतिबद्धता को दोहराना भी है।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में मनी श्रीकृष्ण की छठी व नंदोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में नंदोत्सव एवं भगवान की छठी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। यह दिव्य भव्य आयोजन भजन जागरण, संगीतमय नृत्य- नाटिका, आलौकिक श्रृंगार एवं महाप्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के लिए एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव लेकर आया। महोत्सव की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण के अलौकिक श्रृंगार दर्शन से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बाल गोपाल के छठी पूजन के विशेष दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कोलकाता से पधारे कलाकारों ने संगीतमय नृत्य-नाटिका के माध्यम से- सांवरिया झंझट बड़े अपार,काला कृष्णा गोरा कृष्ण की लीला,नरसिंह अवतार की लीला, नंद उत्सव, महारास एवं जीवन प्रसंगों को अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। भगवान श्रीकृष्ण के नंदोत्सव को दर्शाते हुए नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की भजन पर जब कलाकारों ने नृत्य किया, तो सम्पूर्ण वातावरण कृष्णमय हो गया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, विशाल जालान,नवल अग्रवाल, मनीष जालान, नंदकिशोर चौधरी,विष्णु सोनी, मनीष सोनी, पवन पोद्दार, सुनील पोद्दार, ज्ञानचंद शर्मा, विद्या देवी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, शोभा जालान, सुनीता अग्रवाल, के अलावे बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने यूनिसेफ की सराहना करते हुए कहा

किशोरों में मानसिक परिवर्तन को लेकर सावधान रहने की जरूरत

- कार्यशाला का उद्देश्य किशोरों में बढ़ रही मानसिक बीमारी पर लगाम लगाने के लिए पॉलिसी बनाने का आग्रह करना था

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एक बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 11% किशोर मानसिक रोग से ग्रसित हैं। इस समस्या का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन और मनोविकृति है।

यूनिसेफ ने झारखंड विधानसभा परिसर में एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य किशोरों में बढ़ रही मानसिक बीमारी पर लगाम लगाने के लिए पॉलिसी बनाने का आग्रह करना था।

किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एक आम बात है, लेकिन इसका समाधान संभव है। किशोरों को अक्सर शैक्षणिक तनाव, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों, हिंसा और स्कूलों एवं समुदायों में मनो-सामाजिक समर्थन की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य के आसपास फैली व्यापक भ्रांतियां इन चुनौतियों को और गहरा कर देती हैं।

समाधान की दिशा में कदम

यूनिसेफ की प्रमुख कनीनिका मित्रा ने कहा कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम आवश्यक है। इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने और सरकार का सहयोग करना आवश्यक है। सरकार और यूनिसेफ के संयुक्त प्रयास से किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान संभव है।

स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने यूनिसेफ की सराहना करते हुए कहा कि किशोरों में मानसिक परिवर्तन को लेकर बहुत ही सावधान रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार यूनिसेफ को हरसंभव मदद देगी और 40 हजार सहिया बहनों की सहायता भी प्रदान करेगी।

विस्थापन और पुनर्वास आयोग का शीघ्र होगा गठन, बन रही नियमावली

- विधायक रोशन लाल चौधरी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर आया सरकार का वक्तव्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भू-अर्जन से विस्थापित व्यक्ति/ कुटुंब/ समुदाय के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण हेतु 25 जुलाई 24 को मंत्री परिषद की बैठक में झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन निर्णय लिया गया है। आयोग के सुचारू रूप से संचालन हेतु झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के (गठन कार्य एवं दायित्व) नियमावली 2025 का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। नियमावली प्रारूप सक्षम स्तर से अनुमोदन हेतु प्रक्रियाधीन है। राज्यसरकारने विधायक रोशन लाल चौधरी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर यह वकतव्य दिया है। उन्होंने आज झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण के माध्यम से राज्य सरकार से विस्थापन पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन आयोग का गठन करने कीमांग का प्रस्ताव लाया। उन्होंने सदन में अपने प्रस्ताव में कहा कि राज्य में भू- अर्जन व विस्थापन अधिनियमों में भू- अर्जन, विस्थापन, पुनर्वास मुआवजा भुगतान की नीति अलग-अलग रहने के कारण राज्य के मूल निवासी आदिवासियों के विस्थापन के बाद उचित पुनर्वास, फिरसे बसाने, मुआवजा भुगतान भी अलग-अलग होता है। उन्होंने कहा कि 2024 के जुलाई में राज्य कैबिनेट की हुई बैठक में 90 दिन में विस्थापन आयोग का गठन करने के निर्णय लिया गया, बावजूद अब तक विस्थापन आयोग का गठन नहीं हो पाया है। जिसके कारण विस्थापन के पश्चात एक दो पीढ़ी के बाद विस्थापितों के परिवार को स्थिति दयनीय हो जा रही है। विस्थापितों के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए विस्थापन, पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन नीति को समरूप करते हुए विस्थापन, पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन आयोग का गठन करने का निर्णय लिया गया है। परंतु एक वर्ष से अधिक बीत जाने के बाद अब तक आयोग नहीं हो पाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले बजट सत्र में जब इस मामले को हमने उठाया था तो सरकार ने 90 दिनों के भीतर आयोग के गठन करने की बात भी कही थी। अब डेढ़ सौ दिन से ज्यादा हो रहा है।

राहुल गांधी की मेहनत और संघर्ष देश में लाएगा बदलाव : डॉ इरफान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वोट अधिकार यात्रा के दौरान झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बिहार के पूर्णिया में कांग्रेस आलाकमान राहुल गांधी से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान डॉ. अंसारी ने अपने विभागों की विस्तृत रिपोर्ट और कार्यों की जानकारी राहुल गांधी को सौंपा। वहीं कहा कि आपके मार्गदर्शन और प्रेरणा से मैं विभागीय जिम्मेदारियों को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ निभा रहा हूं। परिणामस्वरूप आज झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था सहित अन्य विभागों में व्यापक सुधार हो रहे हैं और जनता तथा पार्टी-सरकार दोनों की वाहवाही मिल रही है। डॉ. अंसारी ने कहा कि राहुल गांधी का संघर्ष, समर्पण और जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता किसी मिसाल से कम नहीं। वे दिन-रात बिना थके-हारे आम जनता के बीच जाकर उनके सुख-दुख को साझा करते हैं। यह कार्य कोई साधारण इंसान नहीं कर सकता। राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, वहां अपार जनसैलाब उमड़ पड़ता है। लोगों की आंखों में सिर्फ एक उम्मीद है – राहुल गांधी जी। उनसे हर पल सीखने को मिलता है। मैं मानता हूँ कि अगर मैं उनके जैसा एक प्रतिशत भी बन पाऊं तो यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य होगा।" उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी की लोकप्रियता और जनता का अपार समर्थन देख भाजपा की नींद उड़ चुकी है। उनकी बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। देश में परिवर्तन की आंधी चल पड़ी है और राहुल गांधी जी की मेहनत व संघर्ष कभी बेकार नहीं जाएगा। इस देश में बदलाव निश्चित है।

अवैध होर्डिंग्स पर चला बुलडोजर, सदर अस्पताल के पास पांच हटाए गए

रांची। शहर में अवैध तरीके से लगाए जा रहे होर्डिंग्स के खिलाफ रांची नगर निगम ने आज बड़ी कार्रवाई की। निगम की बाजार शाखा की टीम सुबह से ही पुरुलिया रोड इलाके में निकली और वहां अवैध होर्डिंग्स की जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम को सदर अस्पताल के पास कई अवैध होर्डिंग्स लगे मिले। निगम कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 5 बड़े होर्डिंग्स को काटकर पूरी तरह हटा दिया। कार्रवाई के वक्त मौके पर नगर प्रबंधक और बाजार शाखा की टीम मौजूद रही। निगम अधिकारियों का कहना है कि ये होर्डिंग्स बिना अनुमति के लगाए गए थे। ऐसे होर्डिंग्स न सिर्फ शहर की सुंदरता बिगाड़ते हैं, बल्कि कई बार ट्रैफिक बाधित करने और हादसों का कारण भी बन जाते हैं। रांची नगर निगम ने साफ कहा है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज होगा।

चोरों ने 24 घंटे में ही बदल डाला टेम्पो का रंग, 3 चोर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रात्री अल्कापुरी रोड न- 05, थाना सुखदेवनगर जिला राँची के पास घर के बाहर लगे एक हरे रंग की पियागो टेम्पो जिसका रजि० नं0 JH01BU1764 किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ली गयी थी। घटना के घटित होने से वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के संज्ञान लिये जाने तथा पुलिस अधीक्षक, नगर रांची के नेतृत्व में अविलब कांड का उद्यभेदन करने का दिशा निर्देश दिया गया। तत्काल घटना की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात अपराधकर्मियों के विरुद्ध तकनिकी साक्ष्य एकत्रित करते हुए कांड को उद्दभेदित किया गया है। छापामारी दल का नेतृत्व पदाधिकारी पुलिस कृष्णा कुमार साहू, पु०नि० सह थाना प्रभारी, सुखदेवनगर थाना, राँची के नेतृत्व में किया गया जिसमें कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त 1. निरंजन कुमार साव, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता श्रीकांत साय, पता संगड़ीगढ़ा ब्लॉक नं०-12, मकान नं0-12, स्थायी पता पिस्का मोड, शारदा बैटरी गली, शांति नगर थाना सुखदेवनगर जिला रांची 2. अनिल कुमार उर्फ बाला, उम्र करीब 20 वर्ष, पिता महेन्द्र राम, पता खलारी करकटा, महाबीर चौक, विश्रामपुर थाना खलारी, जिला रांची बर्तमान पता बोडेयाँ, चिरौदी, सरना टोली, थाना बरियातु जिला रांची 3. रिषु गिरी उर्फ बीशु गिरी, उम्र करीब 24 वर्ष, पिता राजु गिरी, पता रघुनाथ परसोनी, थाना खेम्पा, जिला देवरिया (उ० प्र०) वर्तमान पता सुबोध सिंह के मकान मे किरायेदार, बोडैयां, चिरौदी, थाना बरियातु जिला रॉची को विधिवत गिरफ्तार कर उनके निशानदेही पर कांड में चोरी गयी उपरोक्त हरे रंग की टैम्पु (जिसका रंग बदल कर काला कर दिया गया है) को कांड उद्दभेदित होने के 24 घंटों के अंदर उद्दभेदित करते हुए खुंटी जिला से बरामद कर विधिवत जारी सूची बनाकर जप्त किया गया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

बरामद समानो की सूची
कार्ड में चोरी गयी एक पियागो टैम्पु,ऑटो चलाने का परमीट का छायाप्रति, कुल-4,550/- रुपया।

न्यूज बॉक्स

संविधान में प्रस्तावित 130वां संशोधन समय की मांग : धर्मेंद्र तिवारी

रांची। संविधान में प्रस्तावित 130वां संशोधन को लेकर जहां विपक्षी दल विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं झारखंड प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) ने इसे समय की मांग बताया है। प्रदेश के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि विपक्ष केवल जनता को गुमराह कर रहा है और केंद्र सरकार पर जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए स्वयं को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों का संरक्षक बताने की कोशिश कर रहा है, जबकि हकीकत यह है कि अधिकांश भ्रष्ट नेता सिर्फ अपने और अपने परिवार को बचाने की जुगत में लगे हैं। श्री तिवारी ने कहा कि आज राजनीति का दुर्भाग्य यह है कि लगभग 90 प्रतिशत नेता भ्रष्टाचार की जकड़न में हैं। वे किसी भी तरह ऐसा कानून नहीं चाहते जिसमें वे खुद फंस जाएं। भ्रष्टाचार को ये लोग अपना अधिकार समझ चुके हैं। यही कारण है कि 80 प्रतिशत से अधिक पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री जांच के घेरे में होने के बावजूद सत्ता का आनंद उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस संशोधन का विरोध केवल इसलिए कर रहा है ताकि भविष्य में होने वाली जांच से बच सके और जेल जाने की नौबत न आए। नेताओं का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे जेल में रहकर भी सरकार चलाना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं और इस्तीफा देने से इनकार करते हैं। जनता दल (यूनाइटेड) का स्पष्ट मत है कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत की दिशा में इस संशोधन का पारित होना अत्यंत आवश्यक है। देश की जनता पारदर्शी और जवाबदेह राजनीति चाहती है, न कि भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली व्यवस्था।

हिंदपीढ़ी में युवक की गोली मारकर हत्या में शामिल आरोपी ने किया सरेंडर

रांची। हिंदपीढ़ी में साहिल नाम के युवक की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी अमन राजा ने सोमवार को सरेंडर कर दिया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम लगातार अमन राजा की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी दबिश से परेशान होकर अरमान ने सोमवार को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूर्व पार्षद असलम को जेल से निकलते ही गिरफ्तार कर फिर से जेल भेज दिया था। उल्लेखनीय है कि बीते दस अगस्त को हिंदपीढ़ी में साहिल की गोली मारकर हत्या करने के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था। हिंदीपीढ़ी ग्वाला टोली में उपद्रव की स्थिति बन गयी थी। कुछ उपद्रवियों ने अरमान के घर में घुसकर तोड़फोड़ की। आगजनी भी की। अमन सोसाइटी सामुदायिक हॉल में भी उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की और कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। बुलेट मोटरसाइकिल में आग लगा दी। सैकड़ों कुर्सियों और शीशे को तोड़ डाला था। मृतक के परिजनों ने पूर्व पार्षद के भाई पर हत्या में शामिल होने का शक जताया है। साहिल की हत्या करने के बाद से अरमान फरार हो गया था।

चैंबर ने ईस्टर्न टेक संगोष्ठी 2025 को राज्य के उद्योगों के लिए बड़ा अवसर बताया

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की उद्योग उप समिति की बैठक सोमवार को चैंबर भवन में आयोजित हुई। बैठक में मंगलवार को दीपाटोली कैंट स्थित केरकेट्टा ऑडिटोरियम में भारतीय सेना की पूर्वी कमान, एसआईडीएम और सीआईआई द्वारा आयोजित ईस्टर्न टेक संगोष्ठी 2025 को राज्य के उद्योगों के लिए बड़ा अवसर बताया गया। सदस्यों ने कहा कि यह भारतीय सेना और उद्योग जगत के बीच साझेदारी के नए अध्याय की शुरुआत है। बैठक में एसआईडीएम के अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी कि किस प्रकार राज्य की स्थानीय उद्योग इकाइयों को रक्षा क्षेत्र से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के डिफेंस उपक्रमों से झारखंड की एमएसएमई इकाइयां किस प्रकार जुड़कर लाभान्वित हो सकती हैं।

नगड़ी आंदोलनकारियों को भाड़े का बताने पर आजसू का पलटवार

खुद भाड़े पर बिहार जाकर भीड़ जुटा रहे इरफान : प्रवीण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केन्द्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा नगड़ी में आंदोलन करने वाले आदिवासी–मूलवासी ग्रामीणों को भाड़े का बताने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। श्री प्रभाकर ने कहा कि इरफान अंसारी खुद भाड़े पर बिहार जा कर राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में भाड़े की भीड़ जुटाने का कार्य कर रहे हैं। इसी कारण उन्हें नगड़ी में आन्दोलन कर रही आदिवासी–मूलवासी जनता भाड़े की नज़र आ रही है। श्री प्रभाकर ने कहा कि रिम्स 2 नगड़ी में बनाने का पुनः बयान देकर स्वास्थ्य मंत्री ने आंदोलनकारी आदिवासी–मूलवासी जनता और गुरुजी शिबू सोरेन का अपमान किया है क्योंकि गुरुजी ने स्वयं ग्रामीणों को खेत जोतने कहा था। श्री प्रभाकर ने कहा कि हेमंत सरकार चुन चुन कर वही कार्य कर रही है, जिसका विरोध हमेशा स्व शिबू सोरेन ने किया था। श्री इरफान को जानकारी होनी चाहिए कि इसी नगड़ी की जमीन बचाने के लिए शिबू सोरेन ने आंदोलन किया था, लेकिन इरफान और उनकी कांग्रेस पार्टी गुरुजी के द्वारा किये गये आन्दोलन के विपरीत कार्य करके स्व शिबू सोरेन का अपमान कर रही है । श्री प्रभाकर ने कहा कि झामुमो–कांग्रेस को जब वोट की आवश्यकता होती है तो इन्हें आदिवासी–मूलवासी और जल, जंगल, जमीन की याद आती है। सरकार बनते ही ये लोग आदिवासी–मूलवासी का शोषण करने लग जाते हैं।

सांसद कला महोत्सव रांची लोकसभा क्षेत्र के 125 स्कूल के 50 हजार से अधिक बच्चे ले रहे हैं भाग, संजय सेठ बोले

पेंटिंग महोत्सव का उद्देश्य बच्चे जवानों के पराक्रम को जानें

- पीएम के 75वें जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा तक चलेगा महोत्सव
- नरेंद्र मोदी को भेंट की जाएगी बेहतर पेंटिंग्स

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सांसद कला महोत्सव जहां हजारों बच्चों ने ऑपरेशन सिंदूर और मोदी जी के सैन्य प्रेम पर अपनी चित्रांकन प्रतिभा की प्रस्तुति कागजों पर की। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर इस कार्यक्रम का आगाज किया गया है। सांसद कला महोत्सव के नाम से आयोजित इस कार्यक्रम के पेंटिंग कार्निवल में रांची लोकसभा क्षेत्र के 125 से अधिक स्कूल भाग ले रहे हैं। इसमें 50 हजार से अधिक बच्चे अपने चित्रांकन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 में जन्मदिन पर होने वाले सेवा पखवाड़ा तक चलेगा। इस महोत्सव में रांची लोकसभा क्षेत्र के रांची, हटिया, कांके, खिजरी, ईचागढ़ और सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विद्यालय भाग ले रहे हैं। इस बाबत रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची के चार स्कूलों में आयोजित होने वाले पेंटिंग प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए सच्चिदानंद स्कूल डोरंडा ,ब्रिजफोर्ड स्कूल धुर्वा, स्वामी विवेकानंद स्कूल, जीडी गोयंका स्कूल, इस प्रतियोगिता में ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैन्य बलों ने जो शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। उसे रांची के बच्चों अपनी पेंटिंग के माध्यम से बहुत ही शानदार स्वरूप दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से सांसद कला महोत्सव का आयोजन देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के द्वारा आयोजित की गई है प्रधानमंत्री के सैन्य प्रेम और ऑपरेशन सिंदूर पर उमड़ा चित्रकारिता कि कागजों पर बच्चों ने जो रंग भरे हैं। वह भारत के सुनहरे और मजबूत भविष्य का रंग है ब्रिज फोर्ट के बच्चों द्वारा भारतीय सेवा के सौर्य और साहस से जुड़ी ओजस्वी सांस्कृतिक प्रस्तुति दिल को छूने वाले प्रस्तुति की गई प्रतिभागी बच्चों को उत्साह वर्धन के साथ देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ऐसे पांच बच्चों जिन्होंने सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग कि उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। इस अवसर पर देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सांसद पेंटिंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है इस पेंटिंग महोत्सव का मुख्य उद्देश्य हमारे बच्चे अपने देश के वीर जवानों के शौर्य और पराक्रम को जाने अपनी वीर सैनिकों के बारे में जाने इसका मुख्य उद्देश्य यही है श्री सेठ ने बच्चों से कहा हमारे देश के बच्चे विकसित भारत 2047 के ब्रांड एंबेसडर हैं। आप कोई भी कम करो नेशन फर्स्ट के भाव से करो उन्होंने बच्चों द्वारा की गई पेंटिंग की सराहना की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन तक चलेगा, जिसमें रांची लोकसभा क्षेत्र के 8वीं से 12वीं तक के 50 हजार से अधिक बच्चे अपनी सहभागिता निभाएंगे। इसके प्रथम चरण में विद्यालय स्तर पर महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें पांच अच्छे प्रतिभागियों का चुनाव किया जाएगा। उसके बाद सभी विद्यालयों से चयनित पाच प्रतिभागियों की एक प्रतियोगिता अलग से कराई जाएगी। यहां से चयनित बेहतर पेंटिंग्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किया जाएगा। महोत्सव में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। बेहतर पेंटिंग करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इतने लंबे समय तक और भव्य तरीके से मनाया जाने वाला पहला पेंटिंग कार्निवल है, जिसमें उत्साहपूर्वक बच्चे शामिल हो रहे हैं।

एलिवेटेड कॉरिडोर की पिलर ऑपरेटेड सोलर लाइट आखिर जली

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में सर्विस रोड पर पिलर ऑपरेटेड सोलर लाइट लगाए गए थे। ओटीसी ग्राउंड से राजभवन तक लगाए गए ये लाइटें काम नहीं कर रही थी क्योंकि सोलर प्लेट लाइट के ठीक ऊपर लगाया था और सोलर प्लेट तक सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच रहा था। राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र ने सोलर लाइट लगी है सोलर है लापता नाम से खबर प्रकाशित की थी। खबर का असर हुआ और सभी पिलर ऑपरेटेड सोलर लाइट जलने लगे हैं क्योंकि अब सोलर प्लेट को ऊपर सूर्य प्रकाश मिलने वाले जगह पर लगाया गया है और लाइट तक वायर जोड़ा गया है। एलिवेटेड कॉरिडोर की पिलर ऑपरेटेड सोलर लाइट अब आखिर जल पड़ी है जिससे स्थानीय लोगों में संतोष है।

एलिवेटेड कॉरिडोर में फैली है गंदगी

नगर निगम का डंपर एलिवेटेड कॉरिडोर पर ही करता है गंदगी डंप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वर्षों के इंतजार के बाद राजधानी का रातु रोड जाम मुक्त हुआ है। एलिवेटेड कॉरिडोर बनने से पिस्का चौक से कचहरी चौक की दूरी मिनटों में तय की जा रही है। रिम्स जैसे बड़े अस्पतालों तक पहुंचने में जहां एंबुलेंस को भी रातु रोड से पार होने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ती थी वहीं अब बड़े आराम से फ्लाईओवर का इस्तेमाल कर बिना जाम के एंबुलेंस पहुंच रही है। विकास हुआ तो रातु रोड जाम मुक्त हुआ मगर निगम पुराने ढर्रे पर ही चल रहा है। वही पुराने अंदाज में कचरा तो बटोर लिया जाता है मगर ओवर कचरा लोड गाड़ी जो त्रिपाल से ढकी भी नहीं होती है सारे रास्ता कचरा गिराते जाती है। ऐसा ही वाक्या रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में देखने को मिला। एलिवेटेड कॉरिडोर में गंदगी फैल रही है और नगर निगम की डंफर एलिवेटेड कॉरिडोर से है गंदगी डंप करना शुरू कर देती है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने गृह मंत्री को तेलंगाना पर कार्रवाई करने को कहा

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। वहीं तेलंगाना में मारवाड़ी गो बैक के विरुद्ध कार्रवाई के लिए आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि मारवाड़ी समाज एक बहुत ही सहनशील, मेहनती, विनम्र समाज है और पुरे विश्व में फैल कर उद्योग एवं व्यापर लगाकर उस प्रदेश के आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है। सामान्यतः मारवाड़ी समाज को धर्मभीरु एवं मानव जाति की सेवा के लिए जाना जाता है। पूरे देश में जितनी धर्मशालाएं, अस्पताल, पनशाला आदि हैं वे मारवाड़ी समाज के द्वारा निर्मित हैं। समाज और देश की आर्थिक विकास में मारवाड़ियों के योगदान को भुला नहीं जा सकता है। देश की जीडीपी में इनका बड़ा योगदान है। आज जितने भी बड़े उद्योग हैं वे या तो मारवाड़ियों के हाथ में हैं या तो गुजरातियों के हाथ में। समाज रिस्क लेना जानता हैं और अथक मेहनत करता है। सबसे बड़ी बात है कि जिस प्रदेश में ये जाते हैं वहीं के होकर रह जाते हैं। वहां की भाषा सभ्यता, संस्कृति में अपने आप को ढाल लेते हैं और उस क्षेत्र के विकास के साथ साथ वहां के गरीबों के उत्थान में भी सक्रिय रहते हैं । देश की आजादी की लड़ाई में भी स्व. जमनालाल बजाज, राममनोहर लोहिया, घनश्याम दास बिरला समेत सैंकड़ों मारवाड़ियों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष योगदान दिया था। ऐसे समाज के विरुद्ध तेलंगाना राज्य में मारवाड़ी, गुजराती एवं जैन समाज के विरुद्ध गो बैक के नारे लगाना और उनके प्रतिष्ठानों में तोड़ फोड़ करना असहनीय है। इससे पूरे समाज में भारी रोष व्याप्त है। ऐसा लगता है कि इन सब के पीछे राज्य सरकार का अप्रत्यक्ष रूप से पूरा समर्थन है | ऐसे में आग्रह है कि ऐसे में तेलंगाना के मुख्यमंत्री से इन आन्दोलनकारियों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने का दवाब बनाएं अन्यथा पूरे देश के मारवाड़ी, गुजराती एवं जैन समाज के लोग आन्दोलन करने पर मजबूर हो जाएंगे।

खाटू नरेश का किया गया केसर चंदन तिलक शृंगार

नवीन मेल संवाददाता

रांची । हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में आज बाबा श्याम का केसर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। दोपहर के बाद मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में मंदिर के आचार्य के साथ अनुपम किया गया। प्रातः 5:00 बजे मंदिर के पट खुले । इसके पश्चात 5:30 बजे की मंगला आरती की गई। दोपहर 12:15 बजे के विश्राम आरती के बाद दरबार के पट लगा दिए गए । अध्यक्ष गोपाल मुरारका ने केसर एवं गुलाबजल के मिश्रण से बाबा श्याम का चंदन अपने कर कमलो से घिस कर तैयार किया। ज्ञातव्य है कि जन्माष्टमी के महास्नान तत्पश्चात अमावस्या महास्नान के बाद से ही बाबा श्याम भक्तों को श्यामल रूप में दर्शन दे रहे थे। आज भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की द्वितीया के अवसर पर बाबा श्याम का अद्भुत केसर तिलक श्रृंगार किया गया। कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब तुलसीदल रजनीगंधा जिप्सी पीला गेंदा मोती माला की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम को सजाया गया । नवीन पोशाक बागा पहनकर रूह गुलाब का मसाज किया गया। इसके बाद पंचमेवा का भोग लगाया गया जो भक्तों के बीच प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। 5:30 बजे के उपरांत केसर चंदन तिलक श्रृंगार का दिव्य दर्शन मंदिर में सैकड़ो भक्तों ने किया।

मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ 26 अगस्त को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में संध्या 4:30 बजे के बाद संगीतमय श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का 168 वा पाठ किया जाएगा। सुनील मोदी आशा मोदी अपने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे। राजेश ढांढनीया पिंटू पूजन एवं ज्योत कार्य की सभी तैयारियां पूर्ण करवाएंगे।

सेल-एमटीआई में सतर्कता क्षमता निर्माण पर कार्यक्रम

रांची। केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 अभियान अवधि के अंतर्गत तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज सेल-एमटीआई में शुरू हुआ। इस महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण पहल में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी संगठनों के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। यह कार्यक्रम सीवीसी द्वारा संरचित प्रशिक्षण के लिए सुझाए गए दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सीधे ध्यान केंद्रित करता है: 'जाँच और रिपोर्ट' तथा 'आरोप-पत्र तैयार करना'। ये क्षेत्र प्रतिभागियों को प्रभावी सतर्कता कार्य के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। आज सुबह आयोजित मास्टर प्रशिक्षकों के कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट व्यक्तियों और गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही, जिनमें ए. के कनौजिया, अपर सचिव, सीवीसी बानी ब्रत रॉय, पूर्व संयुक्त सचिव, सीवीसी एसएन गुप्ता, सीवीओ, सेल; सीवीसी के अपर सचिव, श्री कनौजिया ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के विषय - सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" पर प्रकाश डाला और समावेशी एवं सहभागी सतर्कता को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया।

न्यूज बॉक्स

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यालय का उद्घाटन 27 को

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन ने बताया है कि श्री गणेश चतुर्थी पर 27 अगस्त को सांय 4 बजे हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन के परिसर में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यालय का शुभ उद्घाटन मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी भागचंद पोद्दार के द्वारा किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर सबों से उपस्थित रहने की अपील की है। उक्त जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

गणेशोत्सव आस्था, भक्ति और उल्लास का पर्व : संजय सर्राफ

- गणेश चतुर्थी पर्व 27 अगस्त को

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता सह झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने कहा कि गणेश चतुर्थी पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। भाद्रपद पक्ष मे शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणपति बप्पा का अवतरण हुआ था। इसलिए हर वर्ष इसी तिथि पर गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। जिसे विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। यह उत्सव 10 दिनों तक यानी अनंत चतुर्दशी तक चलता है अनंत चतुर्दशी के दिन पवित्र नदी या घर में ही पानी के टब में गणपति बप्पा का विसर्जन किया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से आरंभ हो रही है, जो 27 अगस्त को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक है। ऐसे में उदया तिथि अनुसार गणेश उत्सव 27 अगस्त से आरंभ होगा। गणेश चतुर्थी भारत में सबसे व्यापक रूप में मनाया जाने वाला त्यौहारों मे से एक है। जिसे 10 दिनों तक चलने वाले विस्तृत अनुष्ठानों और भव्य उत्सव द्वारा चिन्हित किया जाता है ज्ञान और समृद्धि के हाथी के सिर वाले देवता भगवान गणेश को समर्पित यह वार्षिक हिंदू त्योंहार गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है 10 दिवसीय उत्सव जिसे विनायक चतुर्थी एवं गणेशोत्सव के रूप में भी जाना जाता है।

श्री श्याम महोत्सव 28 से

रांची। श्री श्याम मंडल का 58 वां चार दिवसीय वार्षिक श्री श्याम मोहत्सव 28 से 31 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के आयोजन श्री श्याम मंडल द्वारा निर्मित अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित होगा। विगत 3 माह से मंडल के सैकड़ों सदस्य विभिन्न उप - समातियों के माध्यम से महोत्सव की तैयारियों में समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं । मंदिर परिसर की साफ सफाई व रंग रोगन का कार्य पूर्ण हो चुका है। पूर्ण मंदिर के साज सज्जा के लिए कोलकाता के कुशल कारीगरों का जत्था पूर्ण तन्मयता के साथ कार्य में जुटे हुए हैं ।

राधा–कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

संस्कार भारती रांची महानगर द्वारा राधा–कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों के मन में सांस्कृतिक चेतना का संचार करना तथा भारतीय परंपरा एवं कला से जुड़ाव को सुदृढ़ करना रहा। प्रतियोगिता में दो आयु वर्ग – 2 से 4 वर्ष तथा 5 से 7 वर्ष – के बच्चों ने राधा–कृष्ण का रूप धर कर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। निर्णायक मंडल में डॉ. सुशील कुमार अंकन, सुजाता मजूमदार और विश्वनाथ प्रसाद सम्मिलित थे।

परिणाम इस प्रकार रहे –

2 से 4 वर्ष वर्ग: कविता शंकर (प्रथम), दक्ष पाठक (द्वितीय), राधवी पाठक (तृतीय), रेयांश सिन्हा (चतुर्थ), आद्या कक्कड़ (पंचम)।

5 से 7 वर्ष वर्ग: आकांक्षा जाना (प्रथम), आद्य गुप्ता (द्वितीय), तृषि मालाकार (तृतीय), अविसा अलीन मिंज (चतुर्थ), अयांश अन्थोनी लकड़ा (पंचम)।

आज / कल

किशोरावस्था सबसे महत्वपूर्ण : अभियान निदेशक

- राज्य भर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हर महीने मनाया जाएगा उमंग दिवस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। किशोर-किशोरियों में स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड की ओर से पहली बार उमंग दिवस की शुरुआत की जा रही है। राज्य भर के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रत्येक माह के पहले शनिवार को इस दिवस का आयोजन होगा।

इस कार्यक्रम की तैयारियों, जागरूकता और समन्वय को लेकर सोमवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कन्सल्टेशन की शुरुआत हुई।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में एनएचएम के विभिन्न कोषांगों के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, परामर्शी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, अर्श काउंसलर, पियर एजुकेटर, शिक्षा विभाग, जेएसएलपीएस, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि और डेवलपमेंट पार्टनर्स शामिल हुए।

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि किशोरावस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दौर है। इसी समय पर अच्छे और बुरे रास्ते की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि बीमार होने से बेहतर है कि किशोर स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर निरोग रहें।

गोंदा डैम में काम करने वालों का वेतन भुगतान नियमित नहीं

तीन महीने में होता है एक महीने का भुगतान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपर बाजार, किशोरगंज, मोरहाबादी के कुछ भाग, राजभवन, मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड दोनों साइड, रिनपास में गोंदा डैम से जलापूर्ति होती है। यहां जलापूर्ति करने के लिए नियमित रूप से गोंदा डैम में मशीन चलाने के लिए शिफ्ट के अनुसार आउटसोर्सिंग में काम करने वाले कर्मी कार्यरत रहते हैं। पांच से छ की संख्या में काम करने वाले कर्मियों से काम तो पूरा लिया जाता है लेकिन वेतन समय से नहीं दिया जाता है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि तीन महीने में एक महीने का वेतन दिया जाता है। इस संबंध में राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता ने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गोंदा रांची के एसडीओ शुभम उपाध्याय से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित प्रखंड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित

संगीता महली व बालक वर्ग में दीपक होरो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

नवीन मेल संवाददाता

● वहीं कक्षा नौवीं से 12 वीं के बीच मेजर ध्यानचंद के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

लापुंग। लापुंग के प्रखंड संसाधन केंद्र में बीपीओ लीलावती तिर्की की देखरेख में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रखंड स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर कक्षा तीन से पांचवीं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता में स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन विषय पर कार्यक्रम के दौरान बालिका वर्ग में राजकीय मध्य विद्यालय की छात्रा संगीता महली तथा बालक वर्ग में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जातालोया के छात्र दीपक होरो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा छह से आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के बीच ओलंपिक इतिहास एवं ओलंपिक में भारत की उपलब्धि विषय पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय लालगंज की छात्रा रीतु कुमारी एवं बालक वर्ग में राजकीय उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय चंपाडीह के छात्र महेंद्र लोहरा ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा नौवीं से 12 वीं के बीच मेजर ध्यानचंद के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा सूरजमणी मुंडा हिंदी एवं पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग की छात्रा रीत कुमारी ने अंग्रेजी में भाषण देकर सभी को खूब प्रभावित किया जबकि राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया की छात्रा राशि कुमारी ने भी दमदार प्रदर्शन किया। वहीं बालक वर्ग में पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग के छात्र सूरज उरांव एवं राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया के छात्र सूरज उरांव के बीच जबर्दस्त टक्कर रहीं।

मांडर में क्रूस जुलूस का आयोजन

हर 25 वर्षों में होता है यह धार्मिक समारोह

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर पल्ली में रविवार को हर 25 वर्षों में आयोजित होने वाला क्रूस जुलूस (क्रूस जुबली) बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह धार्मिक आयोजन रोम से आए पवित्र क्रूस के स्वागत और उसकी यात्रा को लेकर किया गया, जो कुडू और चान्हो होते हुए मांडर पल्ली तक लाया गया। क्रूस यात्रा के दौरान सोसई गांव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे मार्ग में भक्तिभाव और अनुशासन का माहौल बना रहा। सोसई से मांडर पल्ली तक क्रूस को विशेष श्रद्धा भाव से लाया गया। यह आयोजन ख्रीस्तीय धर्म में आस्था, शांति, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभा पति नवीन टोप्पो, मांडर पल्ली के फादर बिपिन कंडुलना, फादर चोन्हास, फादर सुधीर सहित सिस्टर अलेक्सया बेक, नेल्सन तिर्की आदि मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

मेंहदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मांडर। प्रखंड स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एक दूसरो को मेंहदी लगाकर अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया एवं सुन्दर, आकर्षक और मनमोहक मेंहदी एक दुसरे के हाथों में लगाई गई। इस प्रतियोगिता को देखते हुए संस्थान की शैक्षणिक सचिव सह-प्राचार्या डॉ॰ दीपाली पराशर ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, इनकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है। यह महाविद्यालय विद्यार्थियों को पाठक्रम के अलावा पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के उचित अवसर देती है, ताकि उनमें पठन कौशल के अलावा अन्य कौशल को विकसित किया जा सके। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रशिमी टोपनो,(दयानन्द हाउस) द्वितीय स्थान समा परवीन (विवेकानन्द हाउस) एवं तृतीय स्थान रितीका राज श्री (श्रद्वानन्द हाउस) ने प्राप्त किए।

रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया के सभी परियोजनाओं में देगा धरना

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा की बैठक डकरा स्थित कार्यालय में की गई। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगनसिंह भोगता ने की। बैठक में एनके एरिया के रैयत विस्थापितों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि रैयत विस्थापितों ने कोयला खदान चलाने में प्रबंधन को हर संभव सहयोग दिया है। अपनी जमीन भी दी ताकि आश्वासन के अनुसार रोजगार, नौकरी, मुआवजा और अन्य सुविधाएं मिल सकें। लेकिन इसके विपरीत सीसीएल प्रबंधन का रवैया अब भी पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। कई बार समस्याओं को लेकर वार्ता हुई, मगर प्रबंधन द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं दिखी है। स्थिति को देखते हुए मोर्चा ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया है। इस कड़ी में सबसे पहले सभी परियोजनाओं में धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। बिगनसिंह भोगता ने कहा कि बिना संघर्ष कभी भी रैयत विस्थापितों को अधिकार नहीं मिला है, इसलिए सभी विस्थापित अपने हक व अधिकार के लिए एकजुट होकर आंदोलन के लिए तैयार हो जाएं और आगामी धरना-प्रदर्शन को सफल बनाएं। संचालन एरिया सचिव जगरनाथ महतो ने किया। बैठक में जालिम सिंह, रामलखन गंझु, विनय खलखो, नरेश गंझु, अमृत भोगता, मुकद्दर लोहरा, प्रभाकर गंझु, प्रकाश महतो, दामोदर गंझु, राजेंद्र उरांव, शिवनारायण लोहरा, सुनील यादव, श्यामजी महतो, रवि उरांव, विनय उरांव, भरत महतो, प्रभु गंझु, चंदू मुंडा आदि उपस्थित थे।

यूकेएस इंटर महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मिली निःशुल्क पाठ्य पुस्तक

खलारी। उत्तरी कर्णपुरा श्रमिक इंटर महाविद्यालय, डकरा के 49 छात्र-छात्राओं को 'मां शारदे एजुकेशन सोसाइटी' की ओर से निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य मित्रजीत सिंह ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की पढ़ाई सुगम बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इस अवसर पर स्थानीय प्रबंध समिति के सदस्य शैलेश प्रसाद, डीपी सिंह, कृष्णा चौहान, पिंकू सिंह, शिक्षाविद् प्रदीप सिंह, विनोद सिंह और पप्पू सिंह ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों को पुस्तकें भेंट कीं। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने का संदेश दिया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों ने इस सहयोग के लिए संस्था और महाविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षकों में बीबी तिवारी, चंदा बानो, रूपा रानी, कोमल कुमारी और मीना कुमारी भी शामिल थीं।

डीआरडीओ की दो दिवसीय समीक्षा बैठक का हुआ शुभारंभ

रांची। एयरोडायनैमिक्स पैनल, एरोनॉटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड, डीआरडीओ की दो दिवसीय समीक्षा बैठक का शुभारंभ सोमवार को बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में हुआ। इस कार्यक्रम की मेजबानी स्पेस इंजीनियरिंग एंड रॉकेट्री विभाग ने की। विभागाध्यक्ष एवं संस्थान संयोजक डॉ. प्रियंक कुमार ने सभी पैनल सदस्यों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में डिस्टिंग्विश्ड साइंटिस्ट एवं एयरोडायनैमिक्स पैनल के चेयरमैन डॉ जी. बालु ने रक्षा प्रौद्योगिकी में एयरोडायनैमिक्स की महत्त्वपूर्ण भूमिका तथा अन्य विषयों के साथ इसके एकीकरण पर प्रकाश डाला। कुलपति बीआईटी मेसरा प्रो. इंद्रनील मन्ना ने अंतर्विषयक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया और संस्थान से राष्ट्रीय रक्षा प्राथमिकताओं की दिशा में अधिक केंद्रित शोध कार्य करने का आह्वान किया।

एआरएंडडीबी सचिव डॉ एसके पांडेय ने बोर्ड की दृष्टि प्रस्तुत की, प्रमुख शोध क्षेत्रों पर प्रकाश डाला तथा अकादमिक जगत और शोध संस्थानों के लिए उपलब्ध वित्तपोषण अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ बीडी द्वारी द्वारा लिखित भौतिकी विषयक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। उद्घाटन सत्र का समापन बीआईओ मेसरा के रजिस्ट्रार डॉ सुदीप दास द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह पैनल आगामी दो दिनों तक अपनी समीक्षा बैठक जारी रखेगा, जिसमें चल रहे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा तथा भविष्य के शोध दिशाओं की पहचान की जाएगी।

बीएम बिड़ला हार्ट हॉस्पिटल का प्रयास लाया रंग

79 वर्षीया महिला का दोबारा हुई ओपन-हार्ट सर्जरी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कोलकाता स्थित बीएम बिड़ला हार्ट हॉस्पिटल में टीएवीआई के प्रमुख डॉ. जॉय शोम के नेतृत्व में चिकित्स्कों की एक टीम द्वारा किए गए सफल चिकित्सीय प्रयास से एक उच्च-जोखिम वाले वाल्व-इन-वाल्व जीएवीआई ने एक 80 वर्षीय महिला को वापस जीवनदान दिया। 79 वर्षीया महिला का मेडिकल इतिहास में एक अहम सुराग छिपा था। 2013 मे, बेंगलुरु में बायोप्रोस्थेटिक (ऊतक) वाल्व के साथ उनकी महाधमनी वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी हुई थी। ऊतक वाल्व उम्र बढ़ने के साथ खराब होते हैं। जब वे खराब हो जाते हैं तो हृदय तेज़ी से काम करना बंद कर सकता है। स्थानीय डॉक्टरों को यही संदेह था। इकोकार्डियोग्राम से पता चला कि पुराना वाल्व खराब हो गया था, जिससे उन्हें हार्ट फेलियर की स्थिति में धकेल दिया गया। 79 साल की उम्र में, दोबारा ओपन-हार्ट सर्जरी कराना बेहद जोखिम भरा था। परिवार को टीएवीआई (ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन) करवाने की सलाह दी गई। यह एक न्यूनतम इनवेसिव "वाल्व-इन-वाल्व" प्रक्रिया है जो खराब हो रहे ऊतक वाल्व के अंदर लगाई जा सकती है। संक्रमण ठीक होने के बावजूद, टीएबीआई ने स्वयं असामान्य तकनीकी बाधाएं खड़ी कीं। पहले किया गया सर्जिकल वाल्व छोटा था, जिसका मतलब है कि हमें एक उपयुक्त आकार का ट्रांसकैथेटर वाल्व लगाने के लिए संभवतः उसकी रिंग को तोड़ना होगा। उसके पैरों की धमनियों में गंभीर परिधीय संवहनी रोग था। दाहिनी धमनी अनुपयोगी थी, बाईं धमनी तंग और टेढ़ी थी। उसकी कोरोनरी धमनियां नीचे की ओर थीं, जिससे नए वाल्व द्वारा अवरुद्ध होने का खतरा बढ़ गया था। ये सभी समस्याएं एक नियमित टीएवीआई को असंभव बना सकती हैं। वाल्व बॉक्स खोलने से पहले ही योजना में हर जोखिम से बचाव करना था। कैथ लैब के अंदर, कोरियोग्राफी सावधानीपूर्वक की गई। पैर की धमनियों का आकलन और विशेष तारों से सुरक्षा करने के बाद, बाईं ओर संवहनी पहुँच सुनिश्चित की गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितंबर को डालसा की तैयारी जोरों पर

अधिक से अधिक वादों का निस्तारण ही लक्ष्य : निशांत

नवीन मेल संवाददाता

● राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को रांची व्यवहार न्यायालय में होना सुनिश्चित हुआ है

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को रांची व्यवहार न्यायालय में होना सुनिश्चित हुआ है। लोक अदालत की प्री-काउंसलिंग की बैठकें जारी हैं, जो कि 12 सितम्बर तक चलेगी डालसा की तैयारी जोरों पर हैं। इसी के मद्देनजर आज डालसा हॉल, रांची में एमएसीटी के जज निशांत कुमार की अध्यक्षता में इंशुरेश कंपनी के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गयी। इस बैठक में एमएसीटी जज निशांत कुमार, डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर समेत इंश्योरेंश कंपनी के प्रतिनिधि, अधिवक्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे। पीओ,एमएसीटी निशांत कुमार ने कहा कि इंश्योरेंश से संबंधित वादों का लिस्ट तैयार करें, नोटिस का तामिला कराकर या दूरभाष के माध्यम से वादकारियों को सूचित करें, ताकि अधिक-से-अधिक वादों का निस्तारण हो सके और पीड़ित या पीड़िता को लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत जो कि 13 सितंबर 2025 को आयोजित होगी, उक्त लोक अदालत में अधिक-से-अधिक वादों का निस्तारण करना ही हमलोगों का लक्ष्य है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हैं कि आप अपने क्षेत्र में, कार्यालय में पोस्टर-बैनर लगायें, लोगों को जागरूक करें और इंशुरेंश से संबंधित लंबित वादों को बेंच के समक्ष रखें। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए पूर्व में ही व्यवहार न्यायालय रांची के न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायिक दंडाधिकारियों, पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों, नोडल पुलिस पदाधिकारियों एवं पीएलवी के साथ बैठकें की जा चुकी है। सभी बैंक व इंशुरेंश कंपनियों के साथ बैठकों का दौर जारी है। डालसा सचिव ने कहा कि वादकारियों का कोई भी सुनहनीय वाद न्यायालय में लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वादकारी अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे समय व धन की बचत होगी। राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं विवाह से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

रांची। सामाजिक संस्था समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से दलादली रिंग रोड स्थित आइडियल इंटरनेशनल स्कूल में एक दिवसीय स्व भगवती देवी केडिया शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता में स्कूल के कई छात्र - छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर स्कूल कि निर्देशिका डॉ शुंबुल आलम, प्राचार्या मिस मंजु बग्गा, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, जे एस सी ए के आजीवन सदस्य राजीव रंजन,रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी,स्कूल के एडमिस्ट्रेटर प्रणय सिंह, नदिया आलम समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी ने संयुक्त रूप से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से स्कूल कि शिक्षिका न।दिया आलम,खेल शिक्षक अभिजीत तिर्की और कर्मचंद भगत जी भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार है : प्रथम पुरस्कार - अनुकल्प तिग्गा (कक्षा 08) द्वितीय पुरस्कार - नूर आसीफा (कक्षा 07) तृतीय पुरस्कार - यूसुफ(कक्षा 09) रहे।

इंटर के अनुबंधकर्मियों के स्थायी नियोजन की मांग

रांची। झारखंड के विभिन्न अंगीभूत कॉलेजों में वर्षों से अनुबंध पर कार्य कर रहे शिक्षकेतर कर्मचारियों ने अपनी सेवा स्थायी करने की मांग को लेकर आवाज बुलंद की है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और परिश्रम के साथ पुस्तकालयाध्यक्ष, कंप्यूटर ऑपरेटर, नामांकन सहायक, प्रयोगशाला सहायक, लेखपाल, सफाईकर्मी, माली और इलेक्ट्रीशियन जैसे विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं, इसको देखते हुए उनका स्थायी नियोजन होना चाहिए। इनका आरोप है कि नई शिक्षा नीति-2020 लागू होने के नाम पर उनकी सेवाओं को समाप्त किया जा रहा है। जबकि, पूर्व की शिक्षा नीतियों (1968 और 1986) में किसी भी कर्मचारी को बेरोजगार नहीं किया गया था।

धूमधाम से होगी श्री जानकीरमन मंदिर खलारी में दुर्गापूजा महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। खलारी के श्रीजानकी रमन मंदिर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक श्रद्धा और धूमधाम से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन होगा। इसे लेकर रविवार को मंदिर प्रांगण में आमजनों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अरविन्द सिंह ने की। बैठक में बीते वर्ष के पूजा समिति के अध्यक्ष रंजनसिंह बिट्टू व सचिव अवधेश यादव को पुनः अध्यक्ष व सचिव का दायित्व दिया। समिति के अन्य पदाधिकारियों में संरक्षक जिप सदस्य सरस्वती देवी, मिथलेश सिंह, अरविंद सिंह, राजनसिंह राजा, सत्येंद्र सिंह, बीएन पांडेय, अमरभूषन सिंह, शशिकुमार सिंह, सुशील अग्रवाल, राजेशसिंह मिंटू, दिनेशपांडेय घंटु, अरुण चौरसिया, पृथ्वी सिंह, विवेका सिंह, शिवू तुरी, पप्पू खां, पिंटू सिंह, पंकज मिश्रा, गोपाल सिंह, ललन सिंह, गुड्डू सिंह, रंजन सिंह, नंदकिशोर मिस्त्री, विक्की सिंह, अध्यक्ष रंजन सिंह बिट्टू, उपाध्यक्ष सूरजप्रधान मुंडा, कन्हैया झा, संजय कामत, सोनू सिंह, राजेश वर्मा, राजेन्द्र प्रसाद, भोला यादव, सचिव अवधेश यादव, सह सचिव बीरू सिंह, राजा गुप्ता, अशोक रावत, सुनील रावत, पवन चन्द्रवंशी, युगेश्वर राम, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रसाद, समर सेन, पूजा व्यवस्थापक नागेंद्रप्रसाद सिन्हा, श्रीकांत शर्मा, सुरक्षा निगरानी व्यवस्था धीरज बहादुर, मनीष भुइयां, तुलसी बढ़ई, बजरंगी साव आदि मौजूद थे।

ब्राह्मकुमरीज पाठशाला सेवा केंद्र सिल्ली में 18 वीं पुण्यतिथि मनाई गई

दादी प्रकाशमणि ब्रह्माकुमारी की यात्रा व नेतृत्व अद्वितीय रहा है

● ब्रह्मा बाबा के दिव्य संदेशों व अनुभवों से प्रभावित होकर अपना पूरा जीवन आध्यात्मिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया जिसका नेतृत्व और सेवा दादी जी 1969 से 2007 तक ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका रहीं

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। ब्राह्मकुमरीज पाठशाला सेवा केंद्र सिल्ली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया सभी ने स्वर्गीय ब्रह्माकुमारी दादी प्रकाशमानी 18 वीं पुण्यतिथि के शुभ अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित की उसके बाद केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी मीणा बहन ने दादी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताई की दादी प्रकाशमणि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की दूसरी मुख्य प्रशासिका थीं, जिनकी जीवन यात्रा और नेतृत्व अद्वितीय रहा है. उनके व्यक्तित्व की अनेक विशेषताएं संस्था, समाज और विश्व में प्रेरणा का स्रोत बनीं। वही जीवन परिचय दादी प्रकाशमणि का जन्म 1922 में हैदराबाद सिंध (अब पाकिस्तान) में हुआ, उनका लौकिक नाम रमा था. उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ओम मंडली (ब्रह्माकुमारी संस्था) का परिचय पाया और ब्रह्मा बाबा के दिव्य संदेशों व अनुभवों से प्रभावित होकर अपना पूरा जीवन आध्यात्मिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया जिसका नेतृत्व और सेवा दादी जी 1969 से 2007 तक ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका रहीं. उनके नेतृत्व में संस्था ने 1 देश से बढ़कर 120 देशों में विस्तार किया, और 5000+ सेवा केंद्र बनाए उन्होंने शिक्षा, गीता पाठशालाएँ, राजयोग केंद्रों की स्थापना और विस्तार किया निस्वार्थ सेवा और अत्यंत स्नेह, सभी ब्राह्मण परिवार के लिए मार्गदर्शक रही गहन आध्यात्मिक तपस्या, श्रीकृष्ण व शिव बाबा के प्रति प्रेम और आस्था महिलाओं का नेतृत्वः एक महिला प्रधान संस्था में शक्तिशाली नेतृत्व दिया, जब समाज में महिलाओं को कम महत्व थे जिनके अनेक देशों में शांति के संदेश का प्रचार किया। दसरी दिल से सेवा की भावना और टीम को विश्वास, प्रेम और आज्ञाकारिता से चलाना उनके नेतृत्व में ब्रह्माकुमारी संस्था लौकिक व पारलौकिक स्तर पर शक्तिशाली बनी दादी प्रकाशमणि की सादगी, मधुरता, और उच्च आध्यात्मिकता आज भी लाखों ब्रह्माकुमारियों के लिए प्रेरणा है। दादी प्रकाशमणि का जीवन एक आदर्श वटवृक्ष की तरह है, जिसकी छाया आज भी विश्वभर में आध्यात्मिक जागृति और शांति का संदेश फैलाती है।

खलारी बाजारटांड़ में धूमधाम से होगी दुर्गा पूजा व छठ पूजा

रंजीत सिंह समिति के अध्यक्ष सचिव बने अभिषेक सिंह

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। खलारी बाजारटांड़ में इस वर्ष भी पारंपरिक श्रद्धा और धूमधाम के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव व छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। बाजारटांड़ शिव मंदिर परिसर में आमजनों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्रीकांत सिंह ने की। बैठक में दोनों पर्व के सफल आयोजन के लिए सर्वसम्मति से समिति का गठन किया गया। नवनिर्वाचित समिति में रंजीतकुमार सिंह को अध्यक्ष, भोला केशरी को कार्यकारी अध्यक्ष, रोहित गुप्ता, सोनू साव और अभिषेक शर्मा को उपाध्यक्ष, अभिषेक सिंह (विक्की) को सचिव एवं सत्यदेव वर्मा, महेश झा, विजय सोनी, रौशन साहू, सरजू गुप्ता को सहसचिव बनाया गया है। कोषाध्यक्ष दायित्व विष्णु गोयल, रविप्रकाश शर्मा व राहुल गुप्ता को सौंपा गया। संरक्षक मंडल में बलरामप्रसाद सोनी, नागदेव सिंह, वंशी अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, अनिल गुप्ता, जानकी साव, मोनू रजक, आशा देवी, रमानाथ सिंह, संजय प्रसाद, गौतम थापा, गुड्डू सिंह, संजय गुपता, मुरली प्रसाद, ज्ञानचंदप्रसाद गुप्ता, शशि गुप्ता, विनोद सिंह, रामवृक्ष साव, पुष्पेन्द्र सिंह, सुनील भारती, रवीन्द्र गिरि, उदय सिंह शामिल किए गए हैं। बैठक में उपस्थित लोगों ने पूजा की तैयारियों को लेकर चर्चा की और इस वर्ष उत्सव को और भी बेहतर तरीके से आयोजित करने का संकल्प लिया।

यूरिया संकट व भारी वर्षा से फसल को हुआ नुकसान किसान परेशान

बीस सूत्री अध्यक्ष ने कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

● कई जगहों पर किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो चुकी है। ऐसे हालात में यूरिया की किल्लत ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं

रामगढ़। दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह जिला प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश ने सोमवार को झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से भेंट कर जिले के किसानों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रामगढ़ जिले के किसान इस समय अत्यंत कठिन परिस्थिति से गुजर रहे हैं। जिले में यूरिया की भारी किल्लत हो गई है, जिसके कारण किसानों को खुले बाज़ार में 500 से 600 रुपये प्रति बोरी की ऊँची दरों पर खाद खरीदना पड़ रहा है। खेती की लागत बढ़ने से किसानों पर आर्थिक बोझ और अधिक बढ़ गया है। इसके अलावा, लगातार हुई भारी वर्षा ने जिले की अधिकांश खेती को गहरा नुकसान पहुँचाया है। धान, मकई और अन्य फसलें जलभराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति से प्रभावित हुई हैं। कई जगहों पर किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो चुकी है। ऐसे हालात में यूरिया की किल्लत ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सुधीर मंगलेश ने मंत्री से मांग की है कि जिले में तत्काल पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराया जाए ताकि किसानों को ऊँचे दाम पर खाद खरीदने की मजबूरी से बचाया जा सके। भारी वर्षा से प्रभावित किसानों को शीघ्र सर्वेक्षण कर उचित राहत एवं मुआवज़ा प्रदान किया जाए। कृषि विभाग किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर वैकल्पिक उपाय व सहयोग सुनिश्चित करे।सुधीर मंगलेश ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं, लेकिन आज उनकी स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है। यदि सरकार ने तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए तो जिले के हजारों किसान कर्ज़ और संकट के जाल में फँस सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि कृषि मंत्री किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र समाधान निकालेंगी।

कृषि तकनीकी सूचना भवन में आधुनिक फसल सर्वेक्षण को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के कृषि तकनीकी सूचना भवन में कृषक, कृषक मित्र, सर्वेयर और पदाधिकारियों को डीजीटल कार्ड सर्वेयर (आधुनिक फसल सर्वेक्षण) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक चिन्ताहरण पाठक ने उपस्थित लोगों को प्रशिक्षण देते हुए डीसीएस का ऐप डाउनलोड कराया । साथ ही आईडी और पासवर्ड बनाने के तरीके बताए । सर्वेक्षण को लेकर बताया कि सिंचित/ असिंचित भूमि का सर्वे के साथ साथ फसल लगे या नहीं लगे हुए भुमि स्थलों का सर्वे किया जाना है। ताकि किस जगहों पर कौन सी फसल लगाने से किसानों को अधिक लाभ हो। मौके पर कृषक मित्र कार्तिक महतो, विनोद प्रसाद, भीम महतो, बालेश्वर सिंह, सरयु प्रसाद, परमेश्वर प्रसाद साहू, सावित्री देवी, अनुज कुमार, मुन्ना प्रसाद, संजीव कुमार, मुंशी पासवान, विकास कुमार, अजय कुमार, बंटी कुमार, विक्की कुमार, मंजूर आलम, रोहित टुडू समेत आदि लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

लघु उद्योग भारती ने दिव्यांग बालिका को दिया व्हील चेयर

रामगढ़। जन्म से दिव्यांग 12 वर्षीय दिव्यांग अंजलि कुमारी को ट्राइसाइकिल देकर लघु उद्योग भारती ने उसके जीवन में खुशहाली ला दी । चाय की दुकान चलाकर अपना जीवन यापन करने वाले अनिल कुमार और अनिता देवी की यह बेटी है ।पिता अनिल कुमार ने लघु उद्योग भारती के प्रति आभार जताते हुए बताया अंजली जन्म से ही दिव्यांग है वह बोल भी नहीं सकती, तथा चलने फिरने में असमर्थ है । अब इस ट्राइसाइकिल से उसे बहुत मदद मिल जाएगी । इस दिव्यांग बालिका की जानकारी मिलने पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश राजगढ़िया व रोहित पंसारी ने संज्ञान लेते हुए उस के आवास पर पहुंच कर दिव्यांग बालिका को ट्राइसाइकिल दी ।इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष सरदार मनमोहन सिंह लाम्बा ने कहा कि इस दिव्यांग बालिका के विषम जीवन को सुगम बनाने का छोटा सा प्रयास है यह ट्राइसाइकिल । दिव्यांगता मुक्त भारत की परिकल्पना ही हमारे संगठन का उद्देश्य है। लघु उद्योग भारती के जिला सचिव वरुण बगड़िया ने कहा हमारा संगठन दिव्यांगों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर है कोई भी दिव्यांग जिसे ट्राइसाइकिल की जरूरत हो वो होटल शिवम इन्न में आकर प्राप्त कर सकता है। मौके पर निरंजन महतो, अनिल कुमार, अनिता देवी तथा लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी मौजूद थे।

बरकट्ठा प्रखंड में स्थापना दिवस पर विहिप की बैठक, कमेटी का किया गया गठन

बरकट्ठा। प्रखंड के बरकनगांगो पंचायत में विहिप-बजरंग दल प्रखंड द्वारा विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस सह बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष भागीरथ प्रसाद ने की जबकि संचालन मंत्री सत्यम भारती ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांत सह मंत्री मनोज पोदार तथा मुख्य वक्ता प्रांत संत संपर्क प्रमुख सह विभाग सेवा प्रमुख विनय सिंह मौजूद रहे। जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, प्रखंड मार्गदर्शक मंडली के रामचंद्र चौधरी समेत कई पदाधिकारी व सैकड़ों धर्मप्रेमी शामिल हुए। बैठक में हिंदू संस्कृति को जीवंत रखने, समाज को संगठित करने, धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने व जरूरतमंद हिंदुओं की सहायता जैसे कई संकल्प लिए गए। साथ ही पंचायत स्तर पर पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें गौरा मुसम्मत को दुर्गावाहिनी संयोजिका, ईश्वर प्रसाद वर्णवाल को अध्यक्ष, कैलाश ठाकुर को उपाध्यक्ष, विजय सिंह को मंत्री/संयोजक, गंगाधर महतो को सहमंत्री, अशोक कुमार को सह संयोजक, बद्री पंडित को सत्संग प्रमुख, मनकांतन सिंह को मिलन प्रमुख एवं विजय प्रसाद को प्रचार प्रसार प्रमुख बनाए गए। बैठक की अंतिम में उपस्थित धर्मप्रेमियों ने हिंदुत्व की रक्षा की शपथ ली। इस मौके पर रंजीत कुमार,तुलसी प्रसाद,मनोज कुमार,बिनोद प्रसाद,धीरज गुप्ता, मनोज यादव, इंद्रदेव मोदी, अजय प्रसाद, रामचंद्र सिंह, महादेव यादव, दुलारचंद पासवान, मणिलाल महतो, रामचंद्र पंडित, जगदीश पंडित समेत सैकडों धर्म प्रेमियों ने सशरीर भाग लिया।

पत्रकार सुरक्षा व फर्जी प्राथमिकी को लेकर जेजेए ने डीजीपी को सौंपा तीन सूत्री मांग पत्र

बरही । पत्रकार सुरक्षा को लेकर मुखर रहे भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के झारखंड इकाई झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने प्रदेश के डीजीपी अनुराग गुप्ता को पत्र लिखकर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा नियमों के अनुपालन सुनिश्चित करवाने की मांग किया है. प्रदेश अध्यक्ष संपूर्णानंद भारती मांग पत्र जारी करते हुए डीजीपी से झारखंड में पत्रकारों के साथ हो रहे असुरक्षा, झूठे प्राथमिकी, पुलिस प्रशासन के असहयोगात्मक रवैए की चर्चा करते हुए हो रहे पुलिसिया कारवाई की निंदा की है. पत्र में पत्रकार तीर्थनाथ आकाश व उनके सहयोगी के द्वारा खबरों को कवरेज देने पर अनावश्यक रूप से हिरासत में लेने की निंदा करते हुए, सुधार की मांग किया है. पत्र में यह भी मांग किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के मौखिक आदेश को प्रदेश के पुलिस अधिकारियों अनुपालन करने के लिए निर्देश की मांग किया है. जेजेए प्रदेश अध्यक्ष श्री भारती ने अपने पत्र में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हवाला देते हुए कहा है कि पत्रकार भीड़ का हिस्सा नहीं होता है. वह कार्य के लिए स्वतंत्र है. सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत सभी राज्य के गृह सचिव व डीजीपी को इस संबध में आदेश अनुपालन करने का निर्देश जारी किया है. जिसके अनुसार किसी भी पत्रकार पर बदले की भावना से किया गया कारवाई पुलिस को दंडित या निलंबित करवा सकता है.

शारदीय दुर्गा पूजा समिति के गठन को लेकर हुई बैठक, समाजसेवी धीरेंद्र पाण्डेय बने अध्यक्ष

बरकट्ठा। प्रखंड के ग्राम बेलकप्पी स्थित शिव मंदिर प्रांगण में शारदीय दुर्गा पूजा को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पाण्डेय व संचालन चंदन पांडे ने की। बैठक में सर्वसम्मति से पूजा समिति का पूर्ण गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए धीरेंद्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष दुलारचंद पाण्डेय, सचिव बिरेंद्र पाण्डेय, कोषाध्यक्ष विकास कुमार पाण्डेय, उप कोषाध्यक्ष ज्ञानदीप पाण्डेय तथा उप-सचिव मिथिलेश पाण्डेय का चयन हुआ। बैठक में धूमधाम से पूजा मनाने का निर्णय लिया। साथ ही मंदिर की मरम्मत, चालान निर्माण, रंग-रोगन तथा पार्वती मंदिर निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया। संरक्षक मंडली में तेज नारायण पाण्डेय, अनुज पाण्डेय, राजकुमार पाण्डेय, सुरेश पाण्डेय, नंदलाल तिवारी, हीरालाल सोनी, सुरेश नायक, हुलास नायक, आदित्य पाण्डेय, कैलाश नायक एवं पुरुषोत्तम पाण्डेय को शामिल किया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जितेंद्र रवानी, भुवनेश्वर सोनी, रंजीत पांडेय, प्रदीप पांडेय, राहुल पांडेय, महेश राणा एवं तरुण पांडेय को चयनित किया गया।

विद्या मंदिर का विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा के भैया बहनों के द्वारा विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त करने पर वंदना सभा मे सभी भैया बहनों को सम्मानित किया गया।यह प्रतियोगिता 23 अगस्त को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिनगांव रांची में आयोजित किया गया था। जिसमें रजरप्पा विद्यालय से तीनों वर्गो में विज्ञान, संगणक, संस्कृति बोध, संस्कृत, वैदिक गणित, त्वरित भाषण एवं मूर्तिकला विषयों से गायत्री कुमारी,उषा कुमारी एवं नितेश कुमार सिन्हा आचार्य दीदी जी के नेतृत्व में 29 प्रतिभागी शामिल हुए थे। प्रतियोगिता में संगणक किशोर वर्ग में हर्ष झा, माधवी पांडे, शिवम कुमार प्रथम स्थान, वैदिक गणित बाल वर्ग में महेंद्र कुमार, शुभम भट्टाचार्य, दीपक कुमार प्रथम स्थान, त्वरित भाषण तरुण वर्ग में आराध्या सेंगर प्रथम, मूर्तिकला किशोर वर्ग में अंकित करमाली द्वितीय स्थान प्राप्त किए वहीं विज्ञान तरुण वर्ग में दीपिका कुमारी, रजनी कुमारी,सुनिधि रंजन तृतीय एवं अंग्रेजी शिशु वर्ग में निशा गोराई, काव्या बक्शी, प्रणीता कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की। इस अवसर पर प्राचार्य उमेश प्रसाद ने विजेता प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

ज्ञात हो कि उक्त विजेता प्रतिभागी भैया-बहन प्रांतीय प्रश्न प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। सभी सफल भैया बहनों को विद्यालय के अध्यक्ष ललन कुमार राय, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, सीएसआर नोडल अधिकारी आशीष झा सहित सभी आचार्य एवं दीदी जी ने बधाई दी एवं आगे होने वाले प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

एसपी ने जिले में अपराध को लेकर पदाधिकारियों के साथ की बैठक

लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

● सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर वाहन चेकिंग करने करने कर निर्देश दिया

रामगढ़। सोमवार को एसपी अजय कुमार द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय रामगढ़ स्थित सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें एसपी द्वारा पुलिस पदाधिकारियों को कोर्ट से संबंधित मामलों, खुफिया तंत्र का प्रयोग करने, लंबित कांडों, अतिसंवेदनशील कांडों (हत्या, पोक्सो, आगजनी, नक्सल, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, एनडीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी इत्यादि) की समीक्षा की गई । समीक्षा के क्रम में टीएसपीसी/पीएलएफआई के सक्रिय सदस्यों का प्रोफाईल तैयार करने, संवेदनशील कांडों में जेल से बाहर निकले अभियुक्तों का सत्यापन कर निगरानी रखने / चोरी, गृहभेदन एवं डकैती के कांडों का उद्भेदन करने, प्रत्येक दिन थाना/ओपी प्रभारी द्वारा थाना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ मॉर्निंग मीटिंग कर टास्किंग करने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही जन शिकायत के प्राप्त मामलों पर अविलम्ब कार्रवाई करने, लंबित सम्मन, वारंट, कुर्की, पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन, पीजी पोर्टल, आयोग से संबंधित मामलों, लंबित मालखाना का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने, महिला उत्पीड़न (पोक्सो एवं बलात्कार) के मामलों को 2 माह के अन्दर निष्पादन करने, सड़क सुरक्षा से संबंधित उपायों एवं जागरूकता अभियान चलाने, दागियों, गिरोह के सदस्यों का सत्यापन करने, सीसीटीएनएस अन्तर्गत आआएफ-1 से 7 फॉर्म को अद्यतन करने, दुकानदारों से अनुरोध कर धारा-144 सीआरपीसी या 163 बीएनएसएसएए का उपयोग करते हुए दुकानों के सामने सीसीटीबी कैमरा लगवाने, हिट एण्ड रन मामलों के पीड़ितो को ससमय मुआवजा दिलवाने, डायल 112 में प्राप्त होने वाले शिकायतों का स-समय निपटारा करने, गिरफ्तार आरोपियों के फिंगर प्रिंट को एनएएफआइएस पर अपडेट करने, पुराने मामलों में आरोपियों को स-समय अदालत में उपस्थित कराने, अस्पतालों की सुरक्षा, न्यू क्रिमिनल ला के तहत इ साक्ष्य एप का उपयोग, यातायाता नियमों का पालन करने हेतु जागरूकता अभियान चलाकर आमजनता को जागरूक करने, जुआ, अवैध शराब, गंजा के विरूद्ध सघन छापमारी कर कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया। सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर वाहन चेकिंग करने तथा आसूचना संकलन करते हुए चोरी, लूट, गृहभेदन एवं डकैती के कांडों को अंजाम देने वाले गिरोह के संबंध में जानकारी एकत्रित करते हुए साक्ष्य के अधार पर गिरफ्तार करने साथ ही थाना/ओ०पी० क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर निगरानी रखते हुए सुरक्षा मुहैया कराने, अद्यतन सक्रिय अपराधकर्मियों के विरूद्ध सी०सी०ए० की कार्रवाई करने, एन०डी०पी०एस० के काण्डों में राज्य से बाहर जाकर गिरफ्तारी करने तथा जप्त डोडा/गांजा को माननीय न्यायालय से आदेश प्राप्त कर विनष्टिकरण करने, थाना में आने वाले आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने उनके शिकायतों को गंभीरता से सुनने एवं उसका त्वरित गति से निराकरण करने, महत्वपूर्ण कांडों का प्रभार स्वयं थाना प्रभारी को ग्रहण करने तथा अपराध गोष्ठी में थाना में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी को साथ लाने हेतु निर्देश दिया गया ।

महिला को अपनी पुश्तैनी जमीन बचाने के लिए खानी पड़ रही दर-दर की ठोकरें

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम शिलाडीह निवासी एक गरीब हरिजन महिला को अपनी पुश्तैनी जमीन बचाने के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। मामला कोलेश्वरी देवी पति सुरेश भुईया का है। उनका आरोप है कि पंचायत मुखिया निजाम अंसारी समेत गांव के कुछ दबंग लोग उनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर चारदीवारी खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। कोलेश्वरी देवी ने बताया कि वर्ष 1974 में सरकार द्वारा भूमिहिन होने के कारण उनके दादा-ससुर पोखन भुईया के नाम से मौजा बनवारी, खाता संख्या 123, प्लॉट संख्या 1357, रकबा 1 एकड़ 05 डिसमिल जमीन नन्दोबस्ती पर्चा से आवंटित की गई थी। उक्त जमीन की विधिवत जमाबंदी दर्ज है और सीएनटी एक्ट के तहत इसकी बिक्री संभव नहीं है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बीते 19 जुलाई को पंचायत के मुखिया निजाम अंसारी, अख्तर अंसारी, थाना चौकीदारनी मेहरून निशा, अकबर अंसारी व उनकी पत्नी समेत कई लोग लाठी-डंडा लेकर पहुंचे और जबरन चारदीवारी बनाने लगे।

मोबाइल छिनतई का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र की पुलिस ने मोबाइल छिनतई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान डामोडीह कटकमदाग निवासी राजकुमार राम, पिता दीपक राम के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से छिने गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 256/25 दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि टाटीझरिया निवासी बबीता देवी, पति कमल राम, झंडा चौक के पास मार्केटिंग करने आई थीं। उसी दौरान आरोपी ने उनके हाथ से मोबाइल छीनकर भागने का प्रयास किया। लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जीत का लहराया परचम

नवीन मेल संवाददाता

● हमें बहुत खुशी हुई कि आप योग में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अगले स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी

रामगढ़। विगत रविवार को रामगढ़ जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल रामगढ़ में हुआ।इस आयोजन में रामगढ़ जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र -छात्राओं ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के गणित विभाग के खुशी कुमारी, बीपीएड(बीपीईएस) के प्रिया कुमारी और डिप्लोमा योगा के शुभम वर्मा ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से स्वर्ण पदक जीता।इस प्रतियोगिता में सभी छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन था ,जहां उन्होंने अपनी योगा तकनीकों और शारीरिक संतुलन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा आपका प्रयास सराहनीय हैं। हमें बहुत खुशी हुई कि आप योग में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अगले स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार,गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वी के पाण्डेय ने अच्छे प्रदर्शन के लिए राधा गोविंद विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी।

पिता-पुत्र को ट्रक ने कुचला,अस्पताल में तोड़ा दम

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग के चौपारण में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में पिता-पुत्र दोनों की मौत हो गई। एक्सीडेंट के बाद गुस्साए लोगों ने चौपारण रोड ही जाम कर दिया। चौपारण चतरा मोड़ के पास आक्रोशित भीड़ ने शव को बीच सड़क पर रखकर प्रदर्शन भी किया। घटना बीती रात की बताई जा रही है। घटना की डिटेल जानकारी के अनुसार, पिता मो.जमाल पिता तुराब मियां (55 वर्ष) और पुत्र मो.नौशाद(20 वर्ष) बीती रात चतरा रोड स्थित बिगहा के समीप पहुंचे ही थे कि एक ट्रक ने दोनों को चपेट में ले लिया हादसा इतना भयानक था कि दोनों पिता-पुत्र बुरी तरह से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां दोनों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पिता की मौत रात 10 बजे चौपारण में, पुत्र की मौत आरोग्यम में रात 2 बजे हुई है।

खेल मे बढ़ावा

28 अगस्त से जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का होगा शुभारंभ

जिले भर से 3600 खिलाड़ी होंगे शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। खेलो झारखंड जिला स्तरीय प्रतियोगिता 2025 को लेकर सोमवार को सीएम एसओई गर्ल्स स्कूल रामगढ़ में जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, एपीओ कुमार राज ने जिले के सभी विद्यालय में कार्यरत शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं संबंधित खेल के तकनीकी पदाधिकारियों के साथ खेलो झारखण्ड प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें आगामी 28 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ एवं सिद्धू कान्हू मैदान में किये जाने पर चर्चा की गई । इस प्रतियोगिता में खो खो, कबड्डी, एथलेटिक्स ,फुटबॉल, ताइक्वांडो, रस्सा

क़ुस्सी , जूडो, वूशु, वॉलीबॉल सहित कई खेल को शामिल किया गया है। जिसमें जिले भर से अंडर 14/17/19 वर्ग के बालक/बालिका वर्ग के लगभग 3600 खिलाड़ी शामिल होंगे। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर मुख्य आयोजन समिति, पंजीयन एवं पुरस्कार वितरण समिति, ज्यूरी ऑफ अपील समिति, मंच संचालन एवं उद्घोष समिति, मीडिया सेल, खेल मैदान एवं उपकरण समिति, चिकित्सा समिति, भोजन समिति का गठन किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने सभी समितियों के नोडल एवं तकनीकी पदाधिकारियों को आयोजन से संबंधित कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेलो झारखंड प्रतियोगिता विद्यालय के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा मंच है जहां से प्रतिभावान खिलाड़ीयो को आगे बढ़ने का अवसर मिलता हैं। उन्होंने कहा कि जिले के सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की कड़ी मेहनत के कारण इतना बड़ा आयोजन शिक्षा विभाग सफल आयोजन कर रहा है। जिससे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई खिलाड़ीयो बेहतर प्रदर्शन कर विजेता बन रहे हैं। इस वर्ष भी रामगढ़ जिला के कई खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर खेल का प्रदर्शन करेंगे। मौके पर जिला के सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक उपस्थित थे।

सिमडेगा कृषि कार्यालय में जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला-2025 का आयोजन

जीराफूल चावल एवं उरद दाल की प्रोसेसिंग व वैल्यू एडिशन के जरिए सिमडेगा की बनाएं पहचान : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला कृषि कार्यालय, सिमडेगा में जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त कंचन सिंह एवं उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी उपस्थित रहे। वहीं जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, जिला परिषद सदस्य शांति बाला केरकेट्टा सहित जिला मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो, सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रनियर खलखो, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, एलडीएम पदाधिकारी भी शामिल हुए।सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा कर्मशाला शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कर्मशाला के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो ने सभी अतिथियों का पौधा भेंटकर स्वागत किया।जिला कृषि पदाधिकारी ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार ने किसानों के कल्याण और कृषि के समग्र विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित कर रही है। जिले एवं प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर इन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचानी होगी, ताकि अधिक संख्या में किसान लाभान्वित हो सकें।उन्होंने मिलेट मिशन योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा किसानों को मोती अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष लाभ दिया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु 31 अगस्त तक किसानों को जागरूक करते हुए रजिस्ट्रेशन करने की अपील की गई। साथ ही उन्होंने सरकार की टपक सिंचाई योजना के बारे में भी बताया, जो अनुदान पर उपलब्ध है और किसानों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। जिला कृषि पदाधिकारी ने उपस्थित किसानों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया और उन्हें वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर खेती में अधिक उत्पादन लेने हेतु प्रेरित किया। सिमडेगा उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने खरीफ कर्मशाला में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य किसानों को खरीफ मौसम में बेहतर उत्पादन हेतु वैज्ञानिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने खरीफ फसलों की बुआई, उनकी देखरेख तथा रोगों की पहचान और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

आधी से अधिक एंबुलेंस खराब, उपायुक्त ने एक सप्ताह में मरम्मत का दिया निर्देश

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले की एंबुलेंस सेवाओं की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई।बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में कुल 13 एंबुलेंस हैं, जिनमें से 8 खराब अवस्था में हैं और मरम्मत हेतु गैराज भेजी गई हैं, जबकि केवल 5 एंबुलेंस फिलहाल संचालित हो रही हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी खराब एंबुलेंस की मरम्मति एक सप्ताह के भीतर हर हाल में पूरी कराई जाए। साथ ही बिना नंबर की चल रही एंबुलेंस को शीघ्र नंबर आवंटित कराने की भी बात कही।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि मरम्मत के बाद एंबुलेंस को प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध कराया जाए। सेवई स्वास्थ्य केंद्र को चालक सहित एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने तथा कोलेबिरा से एक एंबुलेंस को लचरागढ़ स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित करने का भी आदेश दिया गया।बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों के रखरखाव व प्रबंधन हेतु मुख्यमंत्री अस्पताल संचालक एवं रखरखाव योजना से प्राप्त राशि की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि यह राशि एक सप्ताह के भीतर सभी स्वास्थ्य केंद्रों को हस्तांतरित कर दी जाए और इसका उपयोग सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने सभी एंबुलेंस व चालकों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने और प्रत्येक चालक का मोबाइल नंबर संबंधित एमओआईसी के पास उपलब्ध रखने का भी निर्देश दिया।

बानो व लचरागढ़ में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो और लचरागढ़ क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार वर्षा से प्रखंड की प्रमुख नदियां और नाले उफान पर हैं। कोयल नदी, देवनदी, सोय नदी, पांगुर झरिया नाला, उन्नीकेल और मालगो नदी सहित अन्य जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।बारिश से कर्रादमाइर, गेनमेर टोंगरी और जामुडसोया गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। ये गांव पंचायत और प्रखंड मुख्यालय से कट चुके हैं। ग्रामीणों को छोटे-बड़े कार्यों के लिए जान जोखिम में डालकर नदी-नाले पार करने को मजबूर होना पड़ रहा है।लचरागढ़ में भारी बारिश से कई इलाकों में जलजमाव हो गया है, वहीं घरों में पानी घुस जाने से लोगों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। कई स्थानों पर सड़कें कीचड़ से भर गई हैं। लचरागढ़ मेन रोड से पडुरू टोली होते मिशन जाने वाले रास्ते में कीचड़ के कारण स्कूली बच्चों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। बताया गया कि उक्त मार्ग से एक कॉलेज, तीन हाई स्कूल और तीन मध्य विद्यालय के लगभग पाँच हजार बच्चे प्रतिदिन गुजरते हैं। बारिश और कीचड़ से बच्चों की यूनिफॉर्म तक खराब हो जा रही है।इसके अलावा जलडेगा मोड़ से कुलकुलिया अंबा तक की सड़क भी कीचड़ से दलदल में बदल गई है। मोहल्लों में नालियों की कमी के कारण वर्षा और घरों का पानी सीधे सड़कों पर बह रहा है।ग्रामीण विष्णु साहू ने जलडेगा मोड़ से धर्मशाला होते हुए कुलकुलिया अंबा तक सड़क निर्माण की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि घनी आबादी वाले इस इलाके में लोगों और बच्चों को रोजाना भारी दिक्कत झेलनी पड़ती है। इस संबंध में उपायुक्त को आवेदन देकर शीघ्र सड़क निर्माण की मांग की गई है।

वायएमसीए रांची में कराटे प्रशिक्षण एवं सम्मान समारोह संपन्न

सिमडेगा। वायएमसीए रांची में रविवार को एकदिवसीय कराटे प्रशिक्षण तथा बेल्ट एवं सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रशिक्षक विमल आनंद नाग ने सीनियर कराटे मास्टर्स को काता का विशेष प्रशिक्षण दिया।समारोह के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया कराटे-डो फेडरेशन के महासचिव नंदजी प्रसाद थे। उन्होंने सफल कराटे मास्टर्स को बेल्ट और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। इसी क्रम में सिमडेगा के कराटे मास्टर राम नायक (ब्लैक बेल्ट, 5वीं डिग्री) को नेशनल रेफरी और जज A ग्रेड का सर्टिफिकेट दिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नंदजी प्रसाद ने कहा कि कराटे न केवल आत्मरक्षा का उत्तम साधन है बल्कि यह एक उत्कृष्ट खेल भी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बहुत जल्द राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को भी वही सुविधाएं दी जाएंगी जो वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को मिल रही हैं।

केरसई में दिनदहाड़े चोरी, 1.65 लाख नकद व सोने-चांदी के जेवरात पार

केरसई। केरसई थाना क्षेत्र के साहु चौक में रविवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। अज्ञात चोरों ने स्थानीय निवासी सचिन कुमार के घर का ताला तोड़कर लाखों की संपत्ति चुरा ली।मिली जानकारी के अनुसार घटना दोपहर 11 बजे से 1 बजे के बीच घटी। उस समय घर के सदस्य सचिन कुमार अपनी पत्नी और पुत्र के साथ केरसई चौक स्थित दुकान पर थे। इसी दौरान चोरों ने घर में रखे लगभग 1,65,000 रुपये नकद, सचिन कुमार के गले का सोने का हार, उनकी पत्नी का सोने का हार, चांदी की पायल सहित रोजाना उपयोग में आने वाले अन्य छोटे आभूषण चुरा लिए।घटना की सूचना मिलते ही केरसई थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घर का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने संदिग्धों की तलाश में सर्च अभियान भी चलाया है।इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग दिनदहाड़े हुई चोरी से चिंतित हैं और पुलिस से शीघ्र चोरों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

शहरों में प्रेशर हॉर्न बजाने वालों की अब खैर नहीं, होगी कार्यवाही

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह के निर्देशानुसार सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बाखला के द्वारा पुलिस लाइन के समीप छोटे एवं बड़े वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया गया।चेकिंग अभियान के दौरान कुल 43 वाहनों के कागजातों की जांच की गई।जिनमें 36 छोटे बड़े वाहनों से कुल 1,01,750 रुपये का जुर्माना किया गया।वाहन जांच के दौरान वाहनों के दस्तावेज, हेलमेट,सीट बेल्ट,प्रेशर हॉर्न इत्यादि की जांच की गई। जिन वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगा था उन सभी वाहनों पर जुर्माना किया गया।मौके पर सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई।

जंगली हाथियों से हुए नुकसान पर 101 ग्रामीणों को मिला मुआवजा

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय स्थित वन विभाग कार्यालय परिसर में सोमवार को जंगली हाथियों द्वारा किए गए नुकसान के एवज में ग्रामीणों को मुआवजा राशि प्रदान की गई।जानकारी के अनुसार वन विभाग ने कुल 101 ग्रामीणों के बीच 14 लाख 99 हजार 840 रुपये का भुगतान किया। मुआवजा पाने वालों में एक मृतक ननकु नायक के परिजन और एक घायल भी शामिल हैं। वहीं अधिकांश ग्रामीणों को मकान, फसल और भंडारित अन्न की रक्षक प्रशांत भारती, कुलदीप बाड़ा, संदीप आइंद समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। ग्रामीणों ने मुआवजा राशि मिलने पर राहत की सांस ली, लेकिन साथ ही उन्होंने प्रशासन से हाथियों के आतंक पर स्थायी रोकथाम के उपाय करने की भी मांग की।

बारिश ने बढ़ाई मूर्तिकारों की परेशानी

- पूजा के दो दिन पूर्व भी नहीं तैयार हुई भगवान गणेश की मूर्ति
- गैस की आग से मूर्तियों को सूखा रहे बंगाल से आए कारीगर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। लगातार हो रही बारिश जहां जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है, वहीं इसने बंगाल से आए मूर्तिकारों की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। गणेश पूजा 27 अगस्त से शुरू होनी है, लेकिन अब तक सिमडेगा में भगवान गणेश की मूर्तियां पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी हैं।मिट्टी से बनी मूर्तियां नमी के कारण सूख नहीं पा रही हैं, जिस वजह से उनमें रंग-रोगन और सजावट का काम अधूरा है। समय की कमी को देखते हुए मूर्तिकारों ने गैस बर्नर की आग के सहारे मूर्तियों को सुखाने का तरीका अपनाया है।मूर्तिकार वरुण चित्रोधर ने बताया कि गैस की आग से मूर्तियों को सुखाने में खर्च बढ़ गया है और फिनिशिंग भी प्रभावित हो रही है, लेकिन पूजा से पहले मूर्ति तैयार करना प्राथमिकता है।स्थानीय श्रद्धालु उम्मीद जता रहे हैं कि मूर्तिकार किसी भी तरह समय पर मूर्तियां तैयार कर देंगे, ताकि गणेश महोत्सव का आयोजन धूमधाम से हो सके।

बानो थाना में आज शांति समिति की बैठक

बानो। बानो थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि बैठक दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि आगामी गणेश पूजा और करमा पूजा को लेकर बैठक बुलाई गई है। इसमें पूजा समितियों के सदस्य, जनप्रतिनिधि, मुखिया, विभिन्न सरकारी संस्थानों के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण शामिल होंगे। थाना प्रभारी ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी त्योहारों को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है।

सदन में विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी की दो टूक

सिमडेगा। कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने सोमवार को विधानसभा के सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से जिले से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। विधायक ने कहा कि कोलेबिरा ही नहीं, पूरे सिमडेगा जिले के लोग लंबे समय से बालू की समस्या से जूझ रहे हैं। आम लोग अपने निजी निर्माण कार्य नहीं करा पा रहे हैं जबकि संवेदक किसी तरह व्यवस्था कर सरकारी योजनाओं को पूरा कर रहे हैं।विधायक के सवाल पर सरकार की ओर से बताया गया कि जिले में पांच बालू घाट एवं पांच भंडारण अनुज्ञप्ति धारक हैं। इसके अलावा कैटेगरी-2 में 16 में से 7 का एकरारनामा निष्पादित किया गया है तथा एक को पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त है। हालांकि वर्तमान में एनजीटी मामले के कारण बालू उठाव बंद है।शिक्षा के प्रश्न पर विधायक ने पूछा कि क्या हर विधानसभा क्षेत्र में डिग्री महाविद्यालय खोले जाएंगे और कोलेबिरा महाविद्यालय में कब से पढ़ाई शुरू होगी। जवाब में सरकार ने कहा कि कोलेबिरा डिग्री कॉलेज बनकर तैयार है और वर्ष 2026-27 शैक्षणिक सत्र से पठन-पाठन प्रारंभ होगा। भवन निर्माण निगम द्वारा तैयार भवन विश्वविद्यालय को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया जारी है।

व्यवस्था जिले में फिलहाल 42 चिकित्सक कार्यरत हैं

पीएचसी-सीएचसी में अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे जांच सुविधा उपलब्ध कराएं: विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने विधानसभा सत्र के माध्यम से जिले के अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति कराने की मांग की है। साथ ही प्रत्येक पीएचसी और सीएचसी में अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। सत्र के माध्यम से विधायक ने सरकार से पूछा है कि क्या जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी, पीएचएससी में चिकित्सक, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी एवं आईसीयू की अनुपलब्धता एवं आधुनिक मशीनों की कोई व्यवस्था नहीं रहने से चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। इस कारण गर्भवती महिलाएं, गंभीर रोगी एवं बच्चों को इलाज कराने में भारी परेशानी हो रही है। इस पर सरकार द्वारा बताया गया कि सदर अस्पताल में पीआईसीयू वार्ड, एसएनसीयू वार्ड संचालित है। सदर अस्पताल में ओटी भी संचालित है। जहां गर्भवती महिलाओं का समुचित इलाज किया जा रहा है। साथ ही दस बेड आईसीयू संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावे 15वें वित्त आयोग के तहत आवश्यकतानुसार मशीन उपकरण कराने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावे आशव्यक मशीन एवं उपकरण भी उपलब्ध है। माह जुलाई में एनएचम के तहत छह विशेषज्ञ चिकित्सक का पदस्थापना किया गया है। जिले में फिलहाल 42 चिकित्सक कार्यरत हैं। वहीं ठेठईटांगर रेफर अस्पताल में एनबीएसयू वार्ड संचालित है। जहां बच्चों का समुचित इलाज किया जा रहा है। इसके अलावे सभी संस्थानों में लेबर रुम भी बना है।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

सिमडेगा। हाथी प्रभावितों के बीच मुआवजा वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किए जाने पर विधायक भूषण बाड़ा ने वन विभाग पर कड़ा आक्रोश जताया है।विधायक ने कहा कि परंपरा रही है कि ऐसे अवसरों पर स्थानीय विधायक, पंचायत प्रतिनिधि व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रहती है तथा उनके माध्यम से ही लाभुकों को राशि वितरित की जाती है। इससे न केवल पारदर्शिता बनी रहती है, बल्कि ग्रामीणों का भरोसा भी मजबूत होता है। उन्होंने वन विभाग पर आरोप लगाया कि कई बार जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी जाती, जो नियम विरुद्ध और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत है।विधायक ने स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विभाग को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा।गौरतलब है कि सोमवार को सिमडेगा वन क्षेत्र प्रमंडल कार्यालय परिसर में हाथी प्रभावितों के बीच मुआवजा राशि का वितरण किया गया। इस दौरान 28 लाभुकों को कुल 2,79,580 रुपये तथा कुरडेग वन क्षेत्र के प्रभावितों को 9,43,658 रुपये की राशि दी गई। इसमें घर टूटने, फसल नुकसान और हाथियों के हमले में मृत परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एक भी जनप्रतिनिधि उपस्थित नहीं था।

न्यूज बॉक्स

बड़घमा गांव में लगातार बारिश के कारण किसान का गिरा मकान

कुरडेग। प्रखंड के बैघमा गांव में लगातार बारिश के कारण रविवार शाम में एक ग्रामीण का कच्चा मकान का दीवार ढह गया जिससे घर के लोग बाल बाल बचे। घर का मालिक प्रेमन्त एक्का ने बताया कि घर की दीवार कच्ची ईंट से बनी थी और छत एस्बेस्टस लगा है।लगातार बारिश से कच्ची दीवार कमजोर हो गई थी।रविवार की देर शाम मकान का एक तरफ की दीवार ढह गई। उन्होंने बताया कि जिधर दीवार गिरी ,उसी दीवार के नजदीक घर के सदस्य सोते थे। जिस समय दीवार गिरी तब लोग नहीं सोये थे। घर का छत को बांस लगाकर बचाया गया है। प्रेमन्त एक्का ने प्रशासन से मदद मांगी है ताकि बरसात के मौसम में राहत मिल सके ।

सड़क हादसे में 36 वर्षीय युवक की मौत

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक सड़क दुर्घटना में 36 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना पहान टोली मोड़ के समीप हुई।मिली जानकारी के अनुसार बरवाडीह कंडरडेगा निवासी सुनील डांग (पिता अलेक्ज़िन्दर मुंडा) सड़क किनारे खड़े होकर अपने साथी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुनील डांग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों व परिजनों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोलेबिरा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही कोलेबिरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में मृतक के पिता के बयान पर कोलेबिरा थाना में कांड संख्या 72/2025 दर्ज कर लिया गया है।

बानो प्रखंड में हाथियों का कहर, स्कूल का मध्याह्न भोजन खा गए जंगली हाथी

बानो। बानो प्रखंड में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात एक जंगली हाथी ने जीयूएमएस स्कूल पुकैदा में घुसकर गोदाम की खिड़की तोड़ दी और बच्चों के लिए रखे गए मध्याह्न भोजन के चावल को खा गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रंथु साहू ने बताया कि हाथी द्वारा चावल खाने से बच्चों के मध्याह्न भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। विद्यालय में फिलहाल भोजन की व्यवस्था बाधित हो गई है, जिससे बच्चों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।इस संबंध में बीपीएम विकास कुमार से जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा आवेदन एवं गोदाम का फोटो उपलब्ध कराए जाने पर पुनः मध्याह्न भोजन के लिए चावल की आपूर्ति कर दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों के भोजन में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का झुंड अक्सर गांवों में पहुंचकर फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन अब स्कूलों पर भी इसका असर दिखने लगा है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि हाथियों के आतंक को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

तीन युवक सड़क दुर्घटना में घायल

बानो। बानो प्रखंड के ग्राम पबुड़ा टोंगरी टोली के तीन युवक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। घटना सोमवार देर शाम रामजड़ी के पास हुई, जब उनकी मोटरसाइकिल की सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से सीधी टक्कर हो गई।दुर्घटना में अमृत कंडुलना, आशीष टेटे (15) और संदीप कंडुलना (25) घायल हो गए। आशीष और संदीप का दाहिना पैर टूट गया है, जबकि अमृत कंडुलना को हल्की चोटें आई हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो लाया गया, जहां चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोरंजन कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर रूप से घायल आशीष टेटे और संदीप कंडुलना को बेहतर इलाज के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर बानो थाना के एसआई शंकर बाखला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। घायलों ने बताया कि जिस दूसरी मोटरसाइकिल से टक्कर हुई, उसका चालक भी घायल हुआ है, लेकिन उसका इलाज कहां हो रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

भूषण बाड़ा ने विधानसभा सत्र में उठाया बदहाल नेटवर्क का मुद्दा

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा विधानसभा के अल्प सूचित प्रश्न के तहत बदहाल नेटवर्क व्यवस्था का मामला उठाया है। साथ ही नेटवर्क विहिन सभी गांवों में जल्द से जल्द नेटवर्क व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। विधायक के सवाल पर सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। साथ ही जल्द दुरुस्त कराने का निर्देश दिया है। विधायक ने सरकार से पूछा है कि डिजिटल इंडिया के इस युग में भी सिमडेगा जिला आज भी डिजिटल सुविधाओं से कोसों दूर है। यहाँ इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की स्थिति अत्यंत खराब है। जिससे जिले के छात्र, शिक्षक, किसान, व्यापारी और आम नागरिक भारी परेशानी झेल रहे हैं। विशेषकर छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई का अवसर नहीं मिल पा रहा है। कई पंचायतों और ग्रामीण इलाकों में तो मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह ठप रहता है, जिससे लोग डिजिटल सेवाओं से वंचित हैं। विधायक ने जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों में मोबाइल टावर की संख्या बढ़ाने, पुराने टावरों को दुरुस्त कर हाई स्पीड इंटरनेट सेवा बहाल करने, डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सरकारी सेवाओं को ग्रामीण स्तर तक पहुँचाने के लिए एक विशेष कार्य योजना लागू कराने की भी मांग की है। विधायक को सरकार द्वारा बताया गया कि सिमडेगा के कुल 451 गांवों में से मात्र 96 गांवों में मोबाईल नेटवर्क की समस्या है। इस संबंध में टेलिकॉम कंपनियों को इन सभी स्थानों में मोबाईल टावर अधिष्ठाप्न कराने का आवश्यक दिशा निर्देश दिया है।

डिजिटल पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने सीओ से किया शिष्टाचार भेंट

प्रज्ञा केंद्र संचालकों के लिए शीघ्र ही कार्यशाला का किया जाएगा आयोजन : सीओ

नवीन मेल संवाददात

बरही । नव पदस्थापित अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल सिंह प्रखंड के सभी डिजिटल पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालक ने शिष्टाचार भेंट किया. इस दौरान संचालकों ने सीओ को गुलदस्ता देकर स्वागत किया. साथ हीं अपने कार्य और होने वाले परेशानियों से अवगत कराया. सीओ ने संचालकों की परेशानियों को समझते हुए शीघ्र ही कार्यशाला आयोजित करवाने के आश्वासन दिए. उन्होंने कहा कि आपसी कॉर्डिनेशन के साथ सभी अंचल कर्मी और प्रज्ञा केंद्र संचालक कार्य करें. किसी भी प्रकार के परेशानी होने पर उन्हें सूचित करें. अंचल कार्यालय से हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन किया जायेगा. सीओ से मुलाकात करनेवालों में बरही पूर्वी वीएलई चंदन गुप्ता, बरही पश्चिमी वीएलई मोती सिंह, कोनरा वीएलई जयदीप कुमार सिन्हा, करसो वीएलई प्रभात कुमार सिंह, रसोईया धमना वीएलई नितेश कुमार, खोड़ाहर वीएलई पप्पू एक्का, पंचमाधव वीएलई बिरेंद्र कुमार, करियातपुर वीएलई गणेश यादव, गौरिया करमा वीएलई नईम अंसारी, विजैया वीएलई नान्हू यादव, दुलमहा वीएलई मनीष कुमार, भंडारों वीएलई राजेश कुमार आदि शामिल थे. मौके पर कंप्यूटर ऑपरेटर सहोदर पासवान, जीवलाल पासवान इत्यादि भी शामिल थे.

आपदा प्रभावितों को त्वरित राहत प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीसी

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जिला आपदा प्रबंधन समिति की विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आपदा प्रभावित नागरिकों को योजनाओं का त्वरित लाभ उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जैसे ही किसी आपदा की सूचना मिले, तत्काल राहत एवं सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने प्रखंड स्तर पर समितियों के गठन पर जोर देते हुए कहा कि इससे आपदा पीड़ितों तक समय पर सहायता पहुंचाना आसान होगा। उन्होंने विशेष रूप से वज्रपात से होने वाली क्षति का उल्लेख करते हुए कहा कि नागरिकों को इससे बचाव के लिए जागरूक करना अनिवार्य है। मौसम विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान को समय पर प्रसारित करने और वज्रपात से बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। साथ ही, उपायुक्त ने सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई और कहा कि सर्पदंश से मृत्यु होने पर परिजनों को 4 लाख की मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाती है। इसकी जानकारी आम लोगों तक पहुँचाने हेतु अधिकारियों को व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

न्यूज बॉक्स

मध्य विद्यालय बरसोत में साइकिलों का हुआ वितरण मुखिया हुए शामिल

बरही । मध्य विद्यालय बरसोत में कक्षा आठ के 60 विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण किया गया. वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय मुखिया मोतीलाल चौधरी थे. साइकिल वितरण झारखंड सरकार के कल्याण कोष से कक्षा 8 के कुल 60 विद्यार्थियों के बीच संपन्न हुआ. जिसमे 33 छात्र एवं 27 छात्राऐं शामिल थे. जानकारी के अनुसार कक्षा में 8 में कुल 64 विद्यार्थी हैं जिसमे सामान्य श्रेणी के 4 विद्यार्थी शामिल हैं. जिन्हे बाद में जिला कल्याण कोष से साइकिल उपलब्ध करवाए जाएंगे. वितरण कार्यक्रम प्रधानाध्यापक शशि भूषण की अगुवाई में आयोजित किया गया. मुखिया ने विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम में समाजसेवी सुजीत कुमार सहित शिक्षक चंद्रशेखर भगत, अमरनाथ प्रधान, जानकी रविदास बृजेंद्र रविदास, आशा लता, सुशीला कुमारी, मुनमुन शर्मा, तनु कुमारी एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनोज प्रसाद कुशवाहा सहित एवं वर्ग 8 के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन जगदीश प्रसाद ने किया जिसका समापन प्रधानाध्यापक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया.

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत स्कूल में बच्चों को दवा खिलाई गई

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत बच्चों एवं आमजन को दवा खिलाने का कार्यक्रम चलाया गया।इस दौरान डिवाइन पब्लिक स्कूल में निदेशक आईपी भारती की उपस्थिति में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सभी बच्चों को फाइलेरिया की दवा खिलाई गई। वहीं आवासीय कस्तूरबा विद्यालय चलकुशा में आयुष डॉक्टर जसीम की देखरेख में छात्राओं को दवा दी गई। इसके अलावा ब्लॉक कार्यालय और थाना परिसर में भी लोगों को दवा खिलाई गई। दवा वितरण अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ सहिया दीदी आशा देवी, उर्मिला देवी, कुंती देवी, प्रतिमा चौधरी, मंजू देवी, सोनाली देवी, शिवानी देवी, देवंती देवी, सहिया साथी रीना देवी, सुलोचना देवी, एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र कुमार, मनिंदर कुमार, बीटीटी नरोत्तम कुमार एवं प्रकाश पंडित सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग समेत आयुष चिकित्सक डॉ. जसीम अख्तर ने लोगों से अपील की कि सभी लोग समय पर फाइलेरिया की दवा का सेवन अवश्य करें ताकि इस बीमारी से बचाव हो सके।

श्रीरामचरितमानस नवाह्नम पाठ महायज्ञ की तैयारी शुरू

22 सितंबर को भव्य कलश यात्रा, नौ दिनों तक होगा रामायण पाठ व प्रवचन

लोहरदगा। श्रीरामचरितमानस नवाह्नम पाठ महायज्ञ समिति की बैठक ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में कार्यकारी अध्यक्ष अशोक पोद्दार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष महायज्ञ को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत 22 सितंबर 2025, नवरात्र के प्रथम दिन सुबह 7:30 बजे पावर गंज देवी मंडप से भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगी। यह यात्रा केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के नेतृत्व में निकलेगी, जिसमें आधुनिक एवं पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ झंडे-पताके भी शामिल रहेंगे। महायज्ञ के दौरान वृंदावन से पधारी प्रसिद्ध कथा वाचक साध्वी श्री कुमारी शिवांजलि जी अपने पांच सहयोगियों के साथ नौ दिनों तक भक्तिमय प्रवचन व भजन प्रस्तुत करेंगी। वहीं व्यास इंद्र शंकर झा जी अपने नौ सहयोगियों संग संगीतमय रामचरितमानस पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। संरक्षक ओम प्रकाश सिंह ने सभी सनातनी संगठनों से अपील की कि इस नवरात्रि महायज्ञ के हर कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दें। उन्होंने कहा कि शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना से सभी कार्य सफल होते हैं। बैठक का संचालन सचिव अजय मित्तल ने किया। उन्होंने बताया कि जिम्मेदारियों के बंटवारे एवं अगली तैयारियों पर चर्चा के लिए अगली बैठक 7 सितंबर को होगी। बैठक में ओम प्रकाश सिंह, अशोक पोद्दार, अजय मित्तल, मुरलीधर अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, दीपक सर्राफ, डॉ. कुमुद अग्रवाल, मिथुन तामेड़ा, मोहन दुबे, अजय पंकज आदि मौजूद थे।

आदर्श महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गणितीय व सांख्यिकीय सम्मेलन का हुआ समापन

शिक्षाविदों व शोधकर्ताओं से मिली उपलब्धि : कुलपति

नवीन मेल संवाददाता

- इस दिन 42 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। ब्राज़ील के प्रो. जोसे आर. सी. पिक्वेरा एवं प्रो. सर्जियो माटोस (साओ पाउलो विश्वविद्यालय) ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अंगीभूत आदर्श महाविद्यालय, राजधनवार, गिरिडीह में "अंतरराष्ट्रीय गणितीय एवं सांख्यिकीय मॉडलिंग सम्मेलन का सफल आयोजन 23 एवं 24 अगस्त 2025 को किया गया। यह दो दिवसीय सम्मेलन देश-विदेश के प्रतिष्ठित शि दों, शोधकर्ताओं एवं उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी से एक ऐतिहासिक शैक्षणिक उपलब्धि सिद्ध हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. डॉ. सी. बी. शर्मा कुलपति विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में दक्षिण अफ्रीका की प्रिटोरिया विश्वविद्यालय के प्रो. ओलुफेमी एडेतुंजी ने मुख्य वक्ता के रूप में गणित एवं सांख्यिकी की भूमिका को साइबर सुरक्षा, औद्योगिक अनुकूलन तथा सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए अपने विचार रखे। -उन्होंने कहा कि विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं उद्योग विशेषज्ञों द्वारा ही यह सफलता मिली है। स्वागत भाषण सम्मेलन अध्यक्ष एवं आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. बिमल कुमार मिश्रा ने दिया। मंच पर विशेष रूप से डॉ. गोविंद झा, गणित विभागाध्यक्ष, विनोबा भावे विश्वविद्यालय तथा डॉ. ललिता राणा, विश्वविद्यालय की सिंडिकेट सदस्य उपस्थित रहीं। विशेष आकर्षण रहा "बी. एन. मिश्रा स्मृति वैदिक गणित सत्र", जिसमें दिल्ली के डॉ. राकेश भाटिया ने वैदिक गणित की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा जटिल समस्याओं को सरल बनाने की इसकी अद्भुत विधियों पर व्याख्यान दिया। इस सत्र को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों ने विशेष रूप से सराहा। पहले दिन आमंत्रित वक्ताओं में प्रो. डॉ. पी. के. साहू (बीआईटीएस पिलानी, हैदराबाद परिसर), प्रो. डॉ. रंजीत कुमार उपाध्याय (आईआईटी-आईएसएम धनबाद), डॉ. अविक डे (मलाया विश्वविद्यालय, मलेशिया), प्रो. आर. टी. गोस्वामी तथा डॉ. सप्तऋषि चटर्जी (एडमस विश्वविद्यालय) शामिल रहे। इस दिन 42 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

पानी की किल्लत से नाराज लोगों ने सुदामडीह फायर पैच में कामकाज किया ठप

धनबाद। झरिया एएसपी कोलियरी क्षेत्र के लोग बरसात के मौसम में पानी की गंभीर किल्लत झेल रहे हैं. गुस्साए लोगों ने सुदामडीह स्थित फायर पैच के सामने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया. प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए फायर पैच का कामकाज ठप करा दिया. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछले करीब 20 दिनों से वे पानी की घोर किल्लत झेल रहे हैं. लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन केवल दबंग लोगों को टैंकर से पानी उपलब्ध करा रहा है. आम लोगों को नजरंदाज किया जा रहा है. स्थानीय निवासी प्रभात कुमार सिंह ने कहा कि तीज जैसे पर्व पर भी उन्हें पानी का संकट झेलना पड़ा. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने समस्या के समाधान के लिए त्वरित कदम नहीं उठाया तो आंदोलन तेज किया जायेगा. आंदोलन में जीतेंद्र सिंह, कमला आचार्य, मो. इलियास, बमबम, अशोक, दिलीप रवानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे.

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त की समीक्षा बैठक

चिकित्सकों पैरामेडिकल स्टाफ और चिकित्सीय उपकरणों की स्थिति पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज 25 अगस्त को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष (एचओडी) शामिल हुए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता तथा चिकित्सीय उपकरणों की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "जिलेवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागों की आवश्यकताओं का आकलन कर आवश्यक चिकित्सीय उपकरणों और संसाधनों की विस्तृत सूची शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जा सके। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि उपलब्ध उपकरणों और संसाधनों का बेहतर रखरखाव और व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि मरीजों को अधिकतम लाभ मिल सके और किसी भी स्तर पर कमी महसूस न हो। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में चिकित्सकों के साथ-साथ पैरामेडिकल स्टाफ,नर्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी संख्या और दक्षता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक के दौरान विभागाध्यक्षों ने अपने विभागों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और आवश्यकताओं की जानकारी उपायुक्त को दी। उपायुक्त ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन हेतु हर संभव प्रयास करेगा।

पुलिस ने मवेशी चोरी में प्रयुक्त वाहन किया जब्त, चालक गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र में मवेशी चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं. इन्हें रोकने के लिए पुलिस की कड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है. इसी कड़ी में सोमवार को पचम्बा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी. थाना प्रभारी राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस ने मवेशी चोरी में प्रयुक्त एक चारपहिया वाहन को जब्त कर लिया. वाहन चालक जकीउद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया.

पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के मवेशी कारोबारियों व ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है. थाना प्रभारी ने बताया कि मवेशी चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा.

दुर्व्यवहार को लेकर शिक्षकों व जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

भरनो (गुमला)। प्रखंड के अपग्रेड प्लस टू हाई स्कूल तुरीअम्बा मे सोमवार क़ो स्कूल के शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया,उक्त बैठक भरनो में बीते शनिवार को आयोजित खेलो झारखण्ड प्रीतियोगिता के दौरान बीआरसी कार्यालय के बीपीओ सूरज लकड़ा द्वारा स्कूल के दो विद्यार्थियों से दूरव्यवहार करने क़ो लेकर प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव और पंचायत के मुखिया बिनीता एक्का की अध्यक्षता में बैठक किया गया,बैठक में कक्षा 11वीं के विद्यार्थी किसन कन्हैया दास और सुनील उरांव ने सबकी उपस्थिति में बताया की खेलो झारखण्ड प्रतियोगिता के अंतिम दिन हॉकी खेल के बारे में जब बीपीओ सूरज लकड़ा से हमलोग पूछने गए कि सर हमलोगों का हॉकी खेल कब होगा इस बात पर बीपीओ महोदय ने हम दोनों बच्चों क़ो फटकार लगाते हुए कहा कि शराब पीकर आए हो क्या रे,जैसा तुम्हारे स्कूल का हेडमास्टर और शिक्षक हैं,वैसा ही तुम लोग भी हो ,इस बात पर स्कूल के सभी शिक्षक आक्रोषित हो गए हैं और इस मामले को लेकर स्कूल परिसर में सोमवार क़ो स्कूल के एचएम बलवीर तिग्गा द्वारा बैठक बुलाकर प्रमुख पारसनाथ, मुखिया बिनीता एक्का,पंचायत समिति सदस्य जहांगीर आलम,उपमुखिया ललकू उरांव,एसएमसी अध्यक्ष सीताराम महतो के समक्ष उक्त बातों क़ो रखा गया।

विभाग स्तरीय गणित विज्ञान मेला उम्दा प्रदर्शन

35 भैया बहनों में 16 बने विजेता विद्यालय प्रबंधन ने किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

बरही । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरगंडा गिरिडीह में आयोजित विभाग स्तरीय गणित विज्ञान मेला संस्कृति महोत्सव में भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही के भैया बहनों ने उम्दा प्रदर्शन किया. प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय ने बताया कि उनके विद्यालय से 12 भैया व 23 बहनों मिलाकर कुल 35 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था. जिसमे कुल 16 भैया बहन विजेता बने. प्रतियोगिता में हजारीबाग, गिरिडीह और चतरा के कुल 380 भैया बहनें शामिल हुईं थी. इस प्रतियोगिता में उनके विद्यालय के दो समूह के लिए 2 को प्रथम, 3 को द्वितीय और 3 को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है. सभी विजेताओं को सोमवार को विद्यालय प्रबंधन ने सम्मान समारोह आयोजित कर प्रमाण पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया है. प्रधानाचार्य ने बताया कि यह सम्मान विद्यालय के आचार्य-आचार्या के समर्पण और मेहनत का परिणाम है. सम्मान कार्यक्रम की शुरुआत प्रबंधन समिति के कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, साहू समाज के पदेन मुखिया सह पदेन सदस्य सुरेश साहू व प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया. अतिथियों का परिचय आचार्य राजू और धन्यवाद ज्ञापस्ब प्रभारी प्रधानाचार्य प्रिंस रवि शंकर विद्यार्थी ने किया.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने निर्वाचन विभाग,रांची से आए उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी,ईवीएम श्री देव दास दत्ता के साथ सोमवार को ईवीएम वेयरहाउस,कोलघट्टी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस की विधि-व्यवस्था से संबंधित सभी आवश्यक पहलुओं की गहन जांच की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमति मां देव प्रिया से प्राप्त की तथा कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति और उनके रख-रखाव का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके अलावा उपायुक्त ने वेयरहाउस में तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक की जांच की तथा अग्निशमन यंत्रों एवं सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता की भी बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा सभी उपकरणों की नियमित जांच एवं रख-रखाव सुनिश्चित की जाए।

ट्रैफिक पुलिस ने चलाया जांच अभियान, दर्जनों वाहनों का काटा चालान

धनबाद। धनबाद की ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को विनोद बिहारी चौक समेत शहर के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया. अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई. इस दौरान पुलिस ने हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रिपल लोडिंग, ब्लैक शीशा, वाहन के कागजात और अन्य जरूरी नियमों की जांच की. नियम तोड़ने वाले दर्जनों वाहन चालकों का चालान काटा गया. ट्रैफिक इंस्पेक्टर लव कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है.

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–47 / 2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 11.09.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 12.09.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.09.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of "B" Type Qtr. No. -1923 (F. Fl.) in Sector -2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	4,75,600.00	750.00	10000.00	1 Month
2	Renovation of "A" Type Qtr. No. -382 in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,01,000.00	750.00	6500.00	1 Month
3	Renovation of CDOHC Type Qtr. No. -660 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	6,80,500.00	1250.00	14000.00	1 Month
4	Remaining work of E Type Qtr. No. -E-193 at Sector -2, Dhurwa, Ranchi	46,96,400.00	5000.00	94000.00	3 Months
5	Renovation of Damaged Boundary Wall at T.A. Residence Dindayal Nagar, Booty Road, Morabadi, Ranchi	9,17,600.00	1250.00	18500.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 360360 Building(25-26)D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

यदि स्वयं में विश्वास करना और अधिक विस्तार से पढ़ाया और अभ्यास कराया गया होता, तो मुझे यकीन है कि बुराइयों और दुःख का एक बहुत बड़ा हिस्सा गायब हो गया होता। - **स्वामी विवेकानंद**

संपादकीय

गेमिंग के नाम जुआ पर रोक

22 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग के प्रोत्साहन और विनियमन अधिनियम, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिली। यह कानून वास्तविक धन आधारित गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है और साथ ही ई-स्पोर्ट्स व सामाजिक गेमिंग को बढ़ावा देने के लिए ढांचा तैयार करता है। भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग 2024 में 3.7 अरब डॉलर का था, जिसमें 1,900 कंपनियों में 1.3 लाख से अधिक लोग काम कर रहे थे। लगभग 59.1 करोड़ गेमर्स के साथ (जो वैश्विक गेमिंग आबादी का 20 फीसदी है) भारत दुनिया का सबसे बड़ा गेमिंग बाजार बन चुका है। इस कानून के तहत वास्तविक धन वाले गेम्स पर प्रतिबंध से इस उद्योग की दिशा बदल जाएगी। कानून ऑनलाइन गेमिंग की तीन श्रेणियों में स्पष्ट अंतर करता है। पहला, पूर्ण प्रतिबंधः सभी वास्तविक धन वाले गेम्स जिनमें पैसे या दांव लगाकर धन लाभ की उम्मीद की जाती है, अब अवैध हैं। इसमें फैंटेसी स्पोर्ट्स, पोकर, रम्मी जैसे लोकप्रिय प्रारूप शामिल हैं। दूसरा, प्रोत्साहनः ई-स्पोर्ट्स को वैध खेल के रूप में मान्यता दी गई है। सरकार इस श्रेणी के लिए प्रशिक्षण अकादमियां, वित्तीय प्रोत्साहन और नियामक तंत्र स्थापित करेगी। और तीसरा, विनियमनः अन्य वैध डिजिटल गेम्स के लिए एक केंद्रीय प्राधिकरण बनाया जाएगा, जो गेम्स को वर्गीकृत करेगा, शिकायतें सुनेगा और अनुपालन सुनिश्चित करेगा। कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। पहली बार अपराध करने पर तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना, बार-बार अपराध करने पर पांच साल तक की कैद और दो करोड़ रुपए का जुर्माना निर्धारित किया गया है। विज्ञापन उल्लंघन पर 50 लाख रुपए तक का दंड लगाया जा सकता है। सरकार इस प्रतिबंध के पीछे सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं का तर्क देती है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच कर्नाटक पुलिस ने 32 आत्महत्याओं को ऑनलाइन जुए के नुकसान से जोड़ा है। तमिलनाडु ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण ने भी ऐसे मामलों को चिह्नित किया है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 45 करोड़ भारतीय ऐसे गेम्स खेलते हैं और कई परिवार वित्तीय नुकसान से बर्बाद हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गेमिंग डिसऑर्डर को चिकित्सकीय समस्या माना है। सरकार का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य हानि, पारिवारिक कर्ज और आत्महत्याओं जैसे सामाजिक नुकसान आर्थिक लाभ से कहीं बड़े हैं। इसके अलावा, जांच एजेंसियों ने पाया कि कुछ प्लेटफॉर्म आतंकवाद वित्तपोषण, मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध संचार के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। ऑफशोर प्लेटफॉर्म घरेलू नियमन से बाहर थे और बड़े पैमाने पर धन देश से बाहर भेज रहे थे। इस प्रतिबंध का आर्थिक नुकसान भी होगा। वर्ष 2024 में वास्तविक धन वाले गेम्स से 85.7 फीसदी यानी 3.2 अरब डॉलर का राजस्व आया। 2029 तक इस उद्योग के 9.1 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। अब यह सब संकट में है। आईटी सचिव एस. कृष्णन के अनुसार, इससे सरकार को सालाना 15,000–20,000 करोड़ रुपए जीएसटी का नुकसान होगा। कुल कर हानि 20,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। उद्योग निकायों का कहना है कि दो से चार लाख नौकरियां दांव पर हैं और 25,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गेमिंग डिसऑर्डर को चिकित्सकीय समस्या माना है। सरकार का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य हानि, पारिवारिक कर्ज और आत्महत्याओं जैसे सामाजिक नुकसान आर्थिक लाभ से कहीं बड़े हैं।

'दिशोम गुरु शिबू सोरेन : आदिवासी अस्मिता और भारत रत्न की बहस'

भारत रत्न केवल एक अलंकरण या सम्मान नहीं है, यह उस व्यक्तित्व की स्वीकृति है जिसने अपने जीवन से राष्ट्र की दिशा और दशा को बदलने का प्रयास किया हो। जब झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी समाज के जननायक शिबू सोरेन के नाम पर भारत रत्न देने की चर्चा होती है, तो यह बहस एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती। यह बहस उन करोड़ों आदिवासियों की भी है जिनकी पहचान, जिनकी अस्मिता और जिनकी लड़ाई सदियों से चली आ रही है। शिबू सोरेन का जीवन इसी संघर्ष और इसी जद्दोजहद का प्रतीक है। दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का जीवन असाधारण संघर्ष और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। 11 जनवरी 1944 को हजारीबाग जिले (वर्तमान रामगढ़) के नेमरा गाँव में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता। उनके पिता की हत्या जमींदारों और माफियाओं ने कर दी थी। उस घटना ने एक बालक के मन में अन्याय के खिलाफ आग जलाई और वही आगे चलकर उन्हें समाज का नेता बना गई। जल, जंगल और ज़मीन पर आदिवासियों का अधिकार हो, यह उनका पहला और अंतिम सपना रहा। इसी सपने ने उन्हें आंदोलनकारी बनाया जिनसे लोग उन्हें गुरुजी और दिशोम गुरु कहने लगे। दिशोम एक संथाली शब्द है, जिसका अर्थ होता है, "देश या समाज" और गुरु का अर्थ होता है, "मार्गदर्शक"। यानी दिशोम गुरु का अर्थ होता है, देश या समाज का मार्गदर्शक। सचमुच वे आदिवासी समाज के मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि उनकी चेतना के प्रतीक भी बन गए। उनका संघर्ष केवल चुनाव जीतने या हारने तक सीमित नहीं था। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की और आदिवासी समाज को संगठित किया। उन दिनों आदिवासी आवाज़ें अक्सर दबा दी जाती थीं, लेकिन गुरुजी ने उन्हें संसद से लेकर सड़क तक गूंजाया। उन्होंने जल, जंगल और ज़मीन की लड़ाई को जनांदोलन का रूप दिया। जब 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ, तो यह केवल भौगोलिक नक्शे का बदलाव नहीं था, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता का ऐतिहासिक क्षण था। उस क्षण के सूत्रधारों में सबसे बड़ा नाम शिबू सोरेन का था।

झारखंड बनने के बाद भी उनका संघर्ष रुका नहीं। वे चाहते थे कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ यहां के लोगों को मिले। उन्होंने बार-बार यह बात कही कि अगर झारखंड की मिट्टी, कोयला और खनिज देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत कर सकते हैं, तो यहां का युवा बेरोज़गार क्यों रहे और यहां का किसान बदहाल क्यों हो। उनकी इसी सोच में हमेशा एक आम आदमी की पीड़ा झलकती थी। यही कारण है कि मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे ऊँचे पदों पर पहुँचने के बाद भी उनका आचरण बेहद सादा और सरल रहा। गांव-देहात के लोग आज भी उन्हें अपने जैसा मानते हैं। अगर भारत रत्न की मांग की बात करें तो, भारत रत्न उन व्यक्तित्वों को दिया जाता है जिन्होंने राजनीति, समाज, साहित्य या विज्ञान के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी हो। अगर इसी कसौटी पर शिबू सोरेन को देखें, तो उनका योगदान किसी भी मायने में कम नहीं है। उन्होंने आदिवासी समाज को मुख्यधारा की राजनीति में पहचान दिलाई। उन्होंने उस समुदाय को यह भरोसा दिया कि उनकी आवाज़ दिल्ली तक पहुँच सकती है और वे भी भारत के भविष्य को दिशा दे सकते हैं। यह योगदान किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को और समावेशी बनाने का प्रयास है। यह सही है कि शिबू सोरेन का राजनीतिक जीवन विवादों से अछूता नहीं रहा है। उन पर आरोप लगे, मुकदमे चले और उन्हें कठिन समय का सामना करना पड़ा था। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि उनकी विरासत इन विवादों से कहीं बड़ी है। उनका असली मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि उन्होंने अपने समाज को क्या दिया और देश की राजनीति को किस दिशा में मोड़ा। अगर केवल विवाद ही किसी की पहचान होते, तो भारत रत्न पाने वाले कई अन्य नेताओं को यह सम्मान कभी नहीं मिलता। इतिहास ने हमेशा यह माना है कि किसी व्यक्ति की सम्पूर्ण यात्रा उसके जीवन के छोटे-छोटे विवादों से कहीं बड़ी होती है। शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग केवल झारखंड की मांग नहीं है। यह पूरे देश के आदिवासी समाज की आवाज़ है। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं होगा, बल्कि यह उस पूरे समुदाय का होगा जिसने सदियों तक शोषण और उपेक्षा झेली है। यह सम्मान उन्हें यह भरोसा देगा कि उनकी पहचान और उनकी संस्कृति को देश सर्वोच्च स्तर पर मान्यता देता है। जैसे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर पिछड़ों और वंचितों की राजनीति को राष्ट्रीय मान्यता दी गई। उसी तरह शिबू सोरेन को भारत रत्न देना आदिवासी राजनीति और अस्मिता की राष्ट्रीय मान्यता होगी। यह केवल झारखंड की जीत नहीं होगी, बल्कि पूरे भारत की आत्मा को समृद्ध करने वाला कदम होगा। आज झारखंड के गांव-गांव में यह चर्चा है कि क्या दिशोम गुरु को भारत रत्न मिलेगा? लोगों का मानना है कि अगर ऐसा हुआ तो यह केवल एक सम्मान नहीं होगा, बल्कि यह आदिवासी गौरव का पर्व होगा। यह उन युवाओं के लिए प्रेरणा होगी जो संघर्ष के रास्ते पर चल रहे हैं। यह उन किसानों के लिए सुकून होगा जो अपनी जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। और यह उन महिलाओं के लिए विश्वास होगा जो अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर देखना चाहती हैं। भारत रत्न तभी सार्थक होगा जब वह देश की विविधता और संघर्षशीलता को समाहित करे। शिबू सोरेन को यह सम्मान देना केवल झारखंड की जीत नहीं होगी, बल्कि यह पूरे भारत की आत्मा को समृद्ध करेगा। यह दिखाएगा कि हमारे नायक केवल महानगरों और सत्ता केंद्रों से नहीं, बल्कि गांवों और जंगलों से भी उठते हैं। शिबू सोरेन ने हमें यह सिखाया कि न्याय और समानता की लड़ाई कभी व्यर्थ नहीं जाती है। अगर उन्हें भारत रत्न दिया जाता है, तो यह न केवल इतिहास के साथ न्याय होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त संदेश भी होगा कि भारत की आत्मा हर गांव, हर पहाड़ी और हर जंगल में बसती है, और वही आत्मा भारत रत्न कहलाने को हकदार है।

आज की **बात**

देवेन्द्र कुमार नयन
देवघर, झारखंड

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

समान अवसर व सख्त कानून से घटेगा अपराध

समाज की शांति और सुरक्षा तब तक सुनिश्चित नहीं हो सकती जब तक अपराधों पर प्रभावी अंकुश न लगे। आज की वास्तविकता यह है कि अपराधों की बढ़ती घटनाएं आम नागरिकों की नींद हराम कर रही हैं। समाचार पत्रों के पन्ने हत्या, बलात्कार, लूट, अपहरण और साइबर अपराध जैसी खबरों से भरे रहते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या अपराध केवल कानून-व्यवस्था की समस्या है या समाज और मानसिकता से भी गहराई से जुड़ा हुआ मुद्दा। सच्चाई यही है कि अपराध नियंत्रण केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे समाज का साझा दायित्व है। कानून और व्यवस्था अपराध रोकने के लिए पहली शर्त है। यदि पुलिस बल मजबूत, प्रशिक्षित और आधुनिक तकनीकों से लैस हो तो अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई संभव है। लेकिन वास्तविकता यह है कि कई बार पुलिस भ्रष्टाचार, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण अपना दायित्व ठीक से नहीं निभा पाती। जरूरत है कि पुलिस तंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनता-हितैषी बनाया जाए। साथ ही, जांच में आधुनिक वैज्ञानिक और डिजिटल तरीकों का उपयोग बढ़ाया जाए ताकि अपराधियों को बच निकलने का अवसर न मिले। न्यायपालिका की भूमिका भी उतनी ही अहम है। भारत की अदालतों में लाखों मामले वर्षों से लंबित पड़े हैं। जब किसी अपराधी को समय पर सजा नहीं मिलती, तो कानून का भय समाप्त हो जाता है और अपराधी और दुस्साहसी हो जाते हैं। त्वरित और सख्त न्याय ही अपराध रोकने का सबसे कारगर साधन है। यदि अदालतें मामलों का निपटारा तय समय सीमा में करें और अपराधियों को कठोर दंड मिले, तो यह संदेश समाज में जाएगा कि कानून से बच निकलना असंभव है। लेकिन केवल कानून और न्याय से अपराध समाप्त नहीं होते। इनके पीछे सामाजिक और आर्थिक कारण भी गहराई से जुड़े हैं। बेरोजगारी, गरीबी, असमानता और अवसरों की कमी, व्यक्ति को अपराध की ओर धकेलते हैं। एक भूखा और बेरोजगार युवा अपराध के रास्ते पर चलने के लिए अधिक मजबूर होता है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह रोजगार के अवसर पैदा करे, शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाए और गरीब तबके को मुख्यधारा से जोड़े। यदि हर नागरिक को समान अवसर मिले, तो अपराध की प्रवृत्ति अपने आप घटेगी। शिक्षा का महत्व अपराध रोकने में सबसे गहरा है। केवल किताबों का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों और युवाओं को नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों से भी परिचित कराना होगा। यदि विद्यालयों में नैतिक शिक्षा और नागरिक चेतना पर बल दिया जाए, तो युवा पीढ़ी समझेगी कि अपराध केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं देता बल्कि पूरे समाज का नुकसान करता है। शिक्षा ही वह आधार है जिससे सही और गलत का भेद सिखाया जा सकता है। समाज की भूमिका भी उतनी ही आवश्यक है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

देश की **बात**

हंसराज चौरसिया

हरतालिका तीज : स्त्रियों की आस्था व संकल्प का पर्व

हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था का वह पर्व है, जो केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं करता, बल्कि नारी-शक्ति, आत्मबल और समर्पण की गहन अभिव्यक्ति भी है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह व्रत उत्तर भारत, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और नेपाल के अनेक हिस्सों में अत्यधिक श्रद्धा और उत्साह से संपन्न होता है। इस वर्ष यह तिथि 26 अगस्त 2025, मंगलवार को पड़ रही है। हरतालिका तीज को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। विवाहित महिलाएँ इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं और अपने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन की समृद्धि की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएँ भी यह व्रत करती हैं ताकि उन्हें योग्य वर की प्राप्ति हो। इस प्रकार यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अधिकारों और इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम भी बनता है। इस व्रत का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में देह त्यागने के बाद पर्वतराज हिमवान के घर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया। बचपन से ही उनका हृदय भगवान शिव को पति रूप में पाने की चाह से भरा हुआ था। किंतु हिमवान, जिन्हें हिमनरेश की उपाधि दी गई थी, अपनी पुत्री का विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे। नारद मुनि के परामर्श पर जब यह प्रस्ताव सामने आया, तो हिमवान सहर्ष तैयार हो गए। यह समाचार पार्वती को गहन पीड़ा देने वाला था। अपनी इच्छा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वे अपनी सखी के साथ वन की ओर चली गईं। जंगल में पार्वती ने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर कठोर तपस्या आरंभ कर दी। उनका यह संकल्प और तप असाधारण था। तपस्या के इस अदम्य बल से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन ही दोनों का पावन विवाह हुआ। तभी से यह तिथि हरतालिका तीज के रूप में मनाई जाने लगी। इस व्रत का नाम भी इसी कथा से जुड़ा है। 'हरि' का अर्थ है हरण करना और 'तालिका' का अर्थ है सखी। क्योंकि पार्वती की सखी ने उनका हरण कर उन्हें वन में ले जाकर अनचाहे विवाह से बचाया था। हरतालिका तीज के अवसर पर पूजा-विधान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रातः स्नान कर महिलाएँ स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। पारंपरिक रूप से हरे या लाल रंग की साड़ियाँ इस दिन शुभ मानी जाती हैं। पूजा स्थान पर चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर शिव-पार्वती और गणेश जी की प्रतिमाएँ या चित्र स्थापित किए जाते हैं। सबसे पहले गणेश जी की पूजा होती है और उसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, चंदन और जनेऊ अर्पित किए जाते हैं, वहीं पार्वती को श्रृंगार सामग्री-सिंदूर, चूड़ियाँ, बिंदी, महावर, इत्र और कंघी समर्पित की जाती हैं। महिलाएँ इस दिन व्रत कथा का पाठ या श्रवण करती हैं और अंत में आरती करके प्रसाद अर्पित करती हैं। व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद सात्विक भोजन के साथ किया जाता है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान का महत्व केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं होता। हरतालिका तीज का वास्तविक महत्व समाज और संस्कृति के गहरे आयामों से जुड़ा है। यह पर्व महिलाओं के सामूहिक उत्सव का दिन होता है। वे पारंपरिक श्रृंगार करती हैं, मेंहदी रचाती हैं, झूले झूलती हैं और एक-दूसरे के साथ लोकगीत गाती हैं। यह पर्व स्त्री-शक्ति और आत्मबल का प्रतीक भी है। माता पार्वती की कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि स्त्री-सशक्तिकरण के रूप में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी इच्छा के विरुद्ध होने वाले विवाह को अस्वीकार कर अपने संकल्प और तपस्या से जीवन की दिशा स्वयं तय की। यह नारी आत्मनिर्णय, आत्मसम्मान और दृढ़ निश्चय का ऐसा संदेश है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था। आज के वैज्ञानिक और आधुनिक युग में भी हरतालिका तीज का महत्व कम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखा जाए तो उपवास शरीर को डिटॉक्स करने का कार्य करता है, पाचन तंत्र को विश्राम देता है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। वर्षा ऋतु के अंतिम चरण में यह उपवास संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होता है।

आपकी **बात**

महेन्द्र तिवारी

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

बादल फिर होने लगे, इधर उधर एकत्र।
इतिहासी बौछार के, स्यात लगें फिर सत्र।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

अखंड सौभाग्य का पर्व : हरतालिका तीज

शिव-शक्ति को गृहस्थ जीवन का आदर्श माना गया है। शक्ति स्वरूपा माता पार्वती ने सदैव शिव के गुणों का वरण किया है। शिव जी ही माता पार्वती के पति होंगे उक्त बात नारद जी द्वारा माता पार्वती को बताई गई थी। शिवजी को वर रूप में प्राप्त करने के लिए जगत जननी माँ पार्वती ने अत्यधिक कठिन तपस्या की। सप्त ऋषि भी उनकी परीक्षा लेने आए एवं माता पार्वती को शिव शंकर की वेशभूषा तथा दैनिक दिनचर्या का वर्णन किया और उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए उकसाया, परन्तु माता पार्वती तो श्रृद्धा एवं विश्वास की प्रतिमूर्ति है। वे शिवजी के कल्याण स्वरुप को पहचानती थी। सत्यम शिवम् सुंदरम ही शिव का सत्य स्वरुप है। पार्वतीजी बाहरी आडम्बर के विरुद्ध भीतर की सच्चाई से परिचित थी।

शिव को करुणावतार कहा जाता है। शिव तो सच्चे हृदय के स्वामी है, तभी तो संसार की रक्षा के लिए विष को भी सहर्ष स्वीकार कर लेते है। भगवती तो अनंत शक्ति की प्रतिक है और माँ की कृपा तो जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। वास्तव में इस मनुष्ययोनि में महेश और भवानी तो हमारे माता-पिता का ही स्वरूप है जो सदैव भक्तो को आशीष प्रदान करते है। उनका गृहस्थ जीवन माया से नहीं बल्कि जीवन में आनंद से सुशोभित है। शिव सदैव आनंद की अवस्था में विद्यमान रहते है। शिव परिवार तो सर्वत्र पूजा जाता है। यहाँ तक कि भोलेनाथ के पौत्र शुभ-लाभ भी पूजन के अधिकारी है। उन्हीं शिव-पार्वती का वरदान यदि गृहस्थ को मिल जाए तो जीवन में और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता।
शिव-शक्ति की आराधना का है हरतालिका तीज का त्यौहार।
महेश-भवानी की जगत में महिमा है अपरम्पार।।
शिव-शक्ति का अर्द्धनारीश्वर रूप करता समता को प्रदर्शित।
उनकी कृपा से जीवन में आनंद होता दर्शित।।

इस व्रत में निर्जल रहकर शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा की जाती है। विधि-विधान से पूजन किया जाता है। सुहागिन के साथ-साथ कन्याएँ भी इस व्रत को करती है और सुन्दर श्रृंगार से सुशोभित होती है। यह तीज-त्यौहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है। हरतालिका तीज का व्रत एक बार प्रारम्भ करने के पश्चात् जीवनपर्यन्त खंडित नहीं किया जा सकता है। हरतालिका तीज के विधान में वर्णित है कि माता पार्वती ने शिवजी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसका पूजन-अर्चन किया तथा कठोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या को महादेव ने स्वीकार किया और जन्म-जन्मान्तर तक शक्ति का ही अर्धांगिनी के रूप में वरण किया। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरुप अत्यंत पूजनीय है, जिसमें शिव-शक्ति की समानता का दर्शन होता है। इस दिन शिव-पार्वती के नामों का उच्चारण एवं भजन-कीर्तन करना चाहिए। सोलह श्रृंगार का विधान इस पर्व में है। ईश्वर की भक्ति तो प्रत्येक परिस्थिति में कल्याण और कृपा का पात्र भक्त को बनाती है, बस हृदय में पवित्रता और श्रृद्धा-भक्ति होनी चाहिए। भक्ति में निर्मल भावों की प्रधानता होती है। भोलेनाथ और भवानी तो भक्तवत्सल है, जो गृहस्थ जीवन को सुखी एवं आनंदमय बनाने का आशीर्वाद प्रदान करते है।

पवित्र हृदय से करें शिव-पार्वती का ध्यान।
उनकी आराधना है जीवन के लिए वरदान।।
शक्ति ने सदैव किया शिव के गुणों का वरण।
डॉ. रीना कहती, हरतालिका तीज से होगा संताप का हरण।।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

डॉ. रीना रवि मालपानी

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

बिहार बन रहा पुलों का प्रदेश

गंगा-सोन-गंडक-कोसी पर पुलों का हो रहा तेजी से निर्माण

एजेंसी। पटना

बिहार अब पुलों का प्रदेश बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 2005 में सत्ता संभालने के बाद से पुल निर्माण में ऐतिहासिक तेजी आई है। पिछले दो दशकों में गंगा, सोन, गंडक और कोसी नदियों पर 15 बड़े पुल बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि 21 पुलों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा नदी पर बने 6 लेन वाले औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन किया। यह पुल देश का सबसे चौड़ा पुल है, जिसकी लंबाई 8.15 किलोमीटर है। इसके चालू हो जाने से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क और मजबूत हुआ है। राज्य के अधिकांश जिलों में नदियों के जाल के कारण आवागमन लंबे समय से चुनौती रहा है। तीन घंटे में पटना पहुंचने के मुख्यमंत्री के लक्ष्य को पूरा करने के लिए नदियों पर मजबूत पुलों का निर्माण

सोन नदी पर सातवां पुल

सोन नदी पर अब तक पांच पुल बन चुके हैं। एक का निर्माण जारी है और दो और पुलों की मंजूरी मिल चुकी है। नया सातवां पुल कोइलवर से 10 किलोमीटर दूर बिंदौल और कोशीहान के बीच बनेगा। वहीं, छठा पंडुका घाट पुल डेहरी ऑन सोन से अकबरपुर-सदुनाथपुर मार्ग को जोड़ेगा। इससे न केवल बिहार बल्कि उत्तर प्रदेश के लोगों को भी सीधा फायदा मिलेगा।

गंगा नदी पर पुलों का विस्तार

गंगा नदी पर फिलहाल 8 पुल चालू हैं। नौ पुलों का निर्माण चल रहा है, जबकि तीन और नए पुलों की योजना पर काम शुरू हो गया है। इनमें औंटा-सिमरिया पुल राज्य की जीवनरेखा बनकर उभरा है।

गंडक और कोसी पर लंबी छलांग

गंडक नदी पर सात पुल तैयार हैं। तीन और निर्माणाधीन हैं तथा चार नए प्रस्तावित हैं। दूसरी ओर कोसी नदी पर अब तक 4 पुल बन चुके हैं और 3 पुल निर्माणाधीन हैं। खासकर मधुबनी जिले के भेजा से सुपौल के बकौर तक बनने वाला पुल पूरे देश का सबसे लंबा पुल होगा। 10.02 किलोमीटर लंबे इस पुल का निर्माण भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 1200 करोड़ की लागत से हो रहा है।

इसके चालू होते ही मधुबनी और सुपौल की दूरी 30 किलोमीटर घट जाएगी और यातायात में क्रांतिकारी सुधार आएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी गिरफ्तार रिश्वत के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया

एजेंसी। बेतिया

बिहार के पश्चिमी चंपारण के जिला मुख्यालय बेतिया के मत्स्य पदाधिकारी पीयूष रंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी को विजिलेंस टीम ने कार्यालय में रंगेहाथ घूस लेते गिरफ्तार किया। जिला मत्स्य पदाधिकारी पीयूष रंजन कुमार को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए विजिलेंस टीम ने रंगेहाथ पकड़ा। यह गिरफ्तारी एक बड़ी अनुदान योजना में रिश्वतखोरी के मामले में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, जिले में 25 लाख रुपए की मत्स्य योजना लागू की गई थी, जिसमें मुराद अनवर नाम के एक व्यक्ति को 10 लाख रुपए का अनुदान दिया जाना था। लेकिन, इस अनुदान को दिलवाने के लिए जिला मत्स्य पदाधिकारी ने 10 प्रतिशत रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत मुराद अनवर ने विजिलेंस विभाग को दी, जिसके बाद टीम ने पीयूष रंजन कुमार को पकड़ने की तैयारी की। विजिलेंस की टीम ने मुराद अनवर के साथ जाल बिछाया और सोमवार को जब मुराद एक लाख रुपए रिश्वत लेकर जिला मत्स्य कार्यालय पहुंचे, तो पीयूष रंजन कुमार ने रिश्वत स्वीकार कर ली। इसी बीच विजिलेंस की टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

विजिलेंस डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि पीयूष रंजन कुमार अनुदान के कुल 10 लाख रुपए में से 10 प्रतिशत यानी एक लाख रुपए रिश्वत के रूप में मांग रहे थे। रिश्वत देने वाले मुराद अनवर ने भी विजिलेंस को पूरी जानकारी दी थी, जिसके बाद यह कार्रवाई संभव हो सकी। जिला मत्स्य पदाधिकारी के खिलाफ विजिलेंस विभाग ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है। आगे की जांच और कार्रवाई पर सभी की नजर टिकी है।

धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफ़े पर बढ़ा सियासी पारा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सोमवार को दिए गए बयान के बाद कि विपक्ष को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर हंगामा नहीं करना चाहिए, इस कहानी में और भी कुछ हो सकता है। कांग्रेस नेता ने धनखड़ की मानदंडों, शिष्टाचार और प्रोटोकॉल का पालन करने और किसानों के कल्याण तथा न्यायिक जवाबदेही के लिए निडर होकर बोलने के लिए प्रशंसा की। एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि आज गृह मंत्री ने और भी कुछ कहने की कोशिश की है। लेकिन उन्होंने केवल रहस्य को और बढ़ा दिया है। इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि किसानों के हितों की वकालत करने वाले अदम्य और उत्साही धनखड़ एक महीने से भी अधिक समय से पूरी तरह से संपर्क से बाहर क्यों हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया और विपक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि वह घर में नज़रबंद हैं। शाह ने कहा कि धनखड़ साहब का त्यागपत्र अपने आप में स्पष्ट है।

अमित शाह ने 130वें संशोधन विधेयक 2025 का बचाव किया, शराब घोटाने का हवाले देते हुए कहा-

यह कानून होता तो अरविंद केजरीवाल को देना पड़ता इस्तीफा

- जेपीसी अपना काम करेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सरकार के प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक का बचाव किया और पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया। समाचार के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, शाह ने इस कदम के पीछे राजनीतिक द्वेष के दावों को खारिज कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "धनखड़ जी एक संवैधानिक पद पर थे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संविधान के अनुसार अच्छा काम किया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या के कारण इस्तीफा दिया है। किसी को इसे ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए और कुछ न कुछ ढूंढ लेना चाहिए।"

130वें संशोधन विधेयक 2025 के अनुसार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री जो किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहे हैं, उन्हें अपना पद छोड़ना होगा। एएनआई पॉडकास्ट में बोलते हुए, गृह मंत्री शाह ने कहा कि इस संबंध में एक प्रावधान पहले से ही मौजूद है और किसी भी छोटे-मोटे आरोप में नए संशोधन लागू नहीं होंगे। उन्होंने कहा जहाँ 5 साल से ज़्यादा की सज़ा का प्रावधान है, वहाँ व्यक्ति को पद छोड़ना होगा। किसी भी छोटे-मोटे आरोप के लिए पद छोड़ने की ज़रूरत नहीं है... आज भी, भारत के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में यह प्रावधान है कि अगर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को दो साल या उससे ज़्यादा की सज़ा होती है, तो उसे संसद सदस्य के पद से मुक्त कर दिया जाएगा... कई लोगों की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी और सज़ा पर रोक लगने के तुरंत बाद उन्हें बहाल कर दिया गया था।

130वें संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों द्वारा जेपीसी का बहिष्कार करने पर, अमित शाह ने कहा कि मौजूदा लोग ज़रूरी काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया गया है और अगर वे इस मौके का फ़ायदा नहीं उठाना चाहते, तो यह उन पर निर्भर है।

शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले का ज़िक्र किया, जिन्होंने शराब नीति मामले में गिरफ़्तारी के बाद अपने पद से इस्तीफ़ा देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक लागू होता, तो केजरीवाल को इस्तीफ़ा देने के लिए मजबूर होना पड़ता। "अगर यह क़ानून लागू होता, तो उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ता। उनके बाहर आने के बाद जब जनता ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया, तो उन्होंने नैतिक आधार पर इस्तीफ़ा दे दिया और आतिशी जी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया, क्योंकि जैसे ही उन्होंने घूमना शुरू किया, जनता उनसे सवाल पूछने लगी।" उन्होंने कहा, "जेपीसी अपना काम करेगी। मौजूदा लोग काम करेंगे। कल, अगर विपक्ष अभी से लेकर चार साल तक किसी काम में सहयोग नहीं करेगा, तो क्या देश नहीं चलेगा? ऐसे नहीं चलता। हम बस इतना कर सकते हैं कि उन्हें अपनी बात रखने का मौका दें। अगर वे अपनी बात नहीं रखना चाहते, अगर वे बोलना नहीं चाहते, तो देश की जनता भी ये सब देख रही है।"

बाइक और कार में जोरदार टक्कर, चार युवकों की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें चार युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुलेसरा पुस्ता रोड पर हुआ, जहां बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई और मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर लगभग 16 से 18 वर्ष की आयु के चार युवक, सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर, टीवीएस राइडर बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी बीच, सामने से आ रही वैगनआर कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और चारों युवक सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने काफी प्रयास किए, लेकिन गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान चारों युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सुप्रीम कोर्ट की खबरें

दिव्यांगों का मजाक उड़ाना सहीं नहीं, ऐसा करने वालों को मांगनी पड़ेगी माफी: सुप्रीम कोर्ट

- कोर्ट ने साफ कहा है कि कॉमेडी के नाम पर किसी की तकलीफ का मजाक नहीं उड़ाया जा सकता
- सोशल मीडिया के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस बनाए
- सोशल मीडिया कमाई का एक जरिया बन चुका है

नई दिल्ली। दिव्यांगों और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों का मजाक उड़ाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बेहद अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने स्टैंडअप कमीडियन्स समय रैना, विपुल गोयल, बलराज घई, सोनाली ठक्कर और निशांत तंवर को अपने यूट्यूब चैनल पर माफी मांगने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि कॉमेडी के नाम पर किसी की तकलीफ का मजाक नहीं उड़ाया जा सकता। यह न तो सामाजिक रूप से सही है और न ही कानूनी रूप से। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह माफी सिर्फ दिखावे की न हो, बल्कि सच्चे मन से होनी चाहिए ताकि इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि हम किसी की शारीरिक कमजोरी या बीमारी का मजाक उड़ाएं। इस मामले की सुनवाई के दौरान सभी कॉमेडियन्स कोर्ट में मौजूद रहे। वहीं सोनाली ठक्कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुईं, जबकि बाकी कलाकार व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जब इन कलाकारों के खिलाफ शिकायत हुई तो पहले उन्होंने अपना बचाव करने की कोशिश की, न कि तुरंत माफी मांगी। अदालत ने यह रवैया गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि जब किसी की भावनाएं आहत हों, तो सबसे पहला कदम सच्चे मन से माफी मांगना होना चाहिए। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह सोशल मीडिया के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस बनाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसी नीतियां बननी चाहिए जो सिर्फ एक घटना से निपटने के लिए नहीं, बल्कि आने वाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। इसके लिए सभी स्टेकहोल्डर्स यानी कंटेंट क्रिएटर्स, प्लेटफॉर्म्स, सरकारी एजेंसियां और आम लोगों की राय ली जानी चाहिए ताकि एक मजबूत कानून बन सके। अदालत ने यह भी कहा कि जब सोशल मीडिया कमाई का एक जरिया बन चुका है, तो इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरों की भावनाओं को चोट पहुंचाकर कंटेंट बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को कहा कि वे एक हलफनामा दाखिल करें, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि वे अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग दिव्यांगजनों के अधिकारों और सम्मान के लिए कैसे करेंगे। बता दें कि स्टैंडअप कमीडियन समय रैना और अन्य कमीडियन्स के कुछ वीडियो सामने आए थे, जिनमें उन्होंने 'स्पाइनल मस्क्युलर एट्रोफी' के पीड़ितों और नेत्रहीनों का मजाक उड़ाया था। एक फाउंडेशन ने इस पर आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की और कहा कि इस तरह का मजाक दिव्यांगजनों के सम्मान के खिलाफ है। यह सिर्फ कुछ वीडियोज की बात नहीं है, बल्कि एक गलत प्रवृत्ति बनती जा रही है जिसमें समाज के कमजोर वर्गों को हंसी का पात्र बनाया जा रहा है।

आरोपी रिहा हुआ तो पीड़ित या कानूनी वारिस भी कर सकते हैं अपील

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए आपराधिक न्याय व्यवस्था में बदलाव किया है। दशकों से भारतीय न्यायव्यवस्था आरोपी को सही केस चलाने और आगे अपील करने का आधिकार देती है। अब कोर्ट ने पीड़ितों और उनके आधिकारिक उत्तराधिकारियों को भी आरोपी के बरी होने की स्थिति में अपील करने का अधिकार दे दिया है। अभी तक यह अधिकार केवल राज्य सरकार या फिर शिकायतकर्ता के पास ही था। पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह ऐतिहासिक फैसला दिया। पीठ ने कहा कि जैसे किसी आरोपी को दोषी मान लिया जाता है, तो उसे आगे अपील करने का आधिकार है, ठीक वैसे ही अपराध के पीड़ित व्यक्ति को भी आरोपी के रिहा होने, मुआवजे के कम मिलने की स्थिति में आगे अपील करने का अधिकार होने चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको काम को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी और आपके पिताजी भी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसमें आप ढील बिल्कुल ना दें। आप अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज ना करें और आपको काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे।

वृष : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको पुराने शेयरों से अच्छा लाभ मिलेगा। आपको कोई रोग लंबे समय से परेशान कर रहा था, तो उससे भी काफी हद तक राहत मिलेगी। आपके घर किसी अतिथि के आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा, इससे आपके बेवजह के वाद-विवाद खड़े हो सकते हैं। आप बाहर की खाने पीने से बचें,नहीं तो उससे आपको पेट में इन्फेक्शन आदि होने की संभावना है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से सामान्य रहने वाला है। आपको अपने बॉस से काम को लेकर शाबाशी मिल सकती है जिससे आपको खुशी होगी। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी।

सिंह : आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। दोस्तों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आज आपके मन सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलेगा, लेकिन आप जरूरतों के कामों पर पूरा ध्यान दें। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आप अपने धन से संबंधित मामलों को मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें।

तुला : आज के दिन आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। किसी नए घर आदि का सपना पूरा होगा। आप छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। आपको कोई मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको बड़ों की बातों पर ध्यान देना होगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आपका संपत्ति को लेकर विवाद सुलझेगा, जो आपको खुशी देगा। जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देगी। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपका रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

धनु : आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उन्हें किसी सरकारी कोर्स में दाखिला मिल सकता है। आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, लेकिन आपको अपने पेट का भी खास ख्याल रखना होगा। किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को दूर करने के लिए आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं।

मकर : आज का दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आज आप कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड न रहें और अपने रहन सहन के स्तर में सुधार लाएंगे। आपका कोई पुराना साथी आपके जीवन में वापस आ सकता है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी काम को लेकर समस्या थी, तो वह भी आसानी से दूर होंगी। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें और जीवनसाथी से चल रही अनबन को दूर करने की कोशिश करें।

मीन : आज का दिन आपके लिए सेहत में समस्याएं लेकर आएगा, इसलिए आप थोड़ा सतर्कता बरतें। आपका कोई पुराना साथी वापस आ सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। परिवार में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले शुभांशु शुक्ला

परिवार संग साझा किया गौरव का पल

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जिन्होंने हाल ही में एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ऐतिहासिक मिशन को पूरा किया। X पर एक पोस्ट में, यूपी मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखा कि आज, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित आधिकारिक आवास पर, राष्ट्र के सपूत, अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जी ने ऐतिहासिक एक्सिओम 4 मिशन के सफल संचालन और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उनकी सुरक्षित वापसी के बाद शिष्टाचार भेंट की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि आप अपनी सफल यात्रा के बाद अब लखनऊ वापस आ गए हैं। उत्तर प्रदेश इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगा। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैंने इस तरह के उत्साह की उम्मीद नहीं की थी। मैं सचमुच अभिभूत हूँ। घर वापस आकर अच्छा लग रहा है।

ग्रेटर नोएडा में दहेज के लिए निक्की को जिंदा जलाया चार गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में हुई निक्की की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। दहेज को लेकर हुए विवाद में 26 वर्षीय निक्की की कथित तौर पर उसके पति विपिन भाटी ने बेरहमी से हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निक्की के पति, सास, ससुर और जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, निक्की की बहन कंचन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उसने आरोप लगाया कि विपिन और उसके परिवार के सदस्य 36 लाख रुपये की दहेज मांग को लेकर निक्की को प्रताड़ित कर रहे थे। दोनों बहनें एक ही परिवार में विवाहित थीं। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें निक्की को बुरी तरह से घायल अवस्था में देखा जा सकता है। पुलिस ने आरोपी विपिन भाटी को गिरफ्तार किया, लेकिन हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान उसके पैर में गोली लगी। बाद में पुलिस ने उसकी मां, ससुर और जेठ को भी गिरफ्तार कर लिया।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर बोले राजनाथ सिंह

भारतीय सेनाओं ने कायराना हमलों का दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादियों ने लोगों के नाम और धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। राजस्थान के जोधपुर में बोलते हुए, वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। राजनाथ ने यह भी कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' (सारी दुनिया एक परिवार है) की अवधारणा में विश्वास करता है और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और तय किए गए ठिकानों पर सटीक हमला किया। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी समूहों से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किए गए। वह एक रक्षा और खेल अकादमी का उद्घाटन करने और सैनिकों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए जोधपुर में थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं जब भी, हमारे किशोरों और युवाओं से मिलता हूँ, और उनकी आँखों में चमक और संकल्प देखता हूँ, उससे मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। यही ऊर्जा, हमारे आने वाले भारत की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा और उनका संकल्प, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखा। जिस प्रकार हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान,हमारी सेनाओं को सभी सीमावर्ती क्षेत्रों से भी पूरा समर्थन मिला। यह हमें सिखाता है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, हर नागरिक और हर युवा, अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहेंगे,तभी हम हर मुश्किल का सामना कर पाएँगे।

5 साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा सफल संपन्न

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण पाँच साल के अंतराल के बाद 30 जून को शुरू हुई कैलाश मानसरोवर में 237 श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिन्हें 50-50 लोगों की पाँच टीमों में विभाजित किया गया था। सिक्किम में नाथू ला दर्रे के रास्ते 48 तीर्थयात्रियों के दसवें जत्थे की वापसी के साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा संपन्न हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के अधिकारियों ने 48 तीर्थयात्रियों की रविवार को वापसी पर, उनका स्वागत किया और कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 के सफल समापन पर एक समारोह का आयोजन किया गया। एसटीडीसी के अध्यक्ष लुकेन्द्र रसैली ने कहा कि अधिकारियों के समर्पित कार्य के कारण ही करीब 500 तीर्थयात्रियों यात्रा सुगम हो सकी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने अर्धसैनिक बलों और अन्य एजेंसियों के सहयोग से तीर्थयात्रियों के लिए विभिन्न प्रबंध किये और यह सुनिश्चित किया कि यात्रा निर्बाध रूप से संपन्न हो सके।

यूएस ओपन

शानदार जीत के साथ दूसरे दौर में पेगुला पाओलिनी और अजारेंका

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मिस्त्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से शिकस्त देकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। यह मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। अब जेसिका पेगुला का सामना एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से हराया। ऐश स्टेडियम में जेसिका पेगुला और मेयर शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहला सेट 6-0 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में, शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत दर्ज की। इस बीच, सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को हराने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

विमेंस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की कमान संभालेंगी फातिमा सना

लाहौर (आईएएनएस)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के लिए सोमवार को पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हो गया।

पाकिस्तानी टीम की कमान फातिमा सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी उप-कप्तान हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बताया कि यही टीम 16-22 सितंबर तक लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज में हिस्सा लेगी। बोर्ड की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया, "ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-साउथ अफ्रीका सीरीज कैंप में हिस्सा लेंगी। मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के खिलाड़ी अभ्यास सत्रों के साथ-साथ 50 ओवर के अभ्यास मैचों में भी हिस्सा लेंगी। दाएं हाथ की बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में मौका दिया गया है, जिन्होंने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया था।

ड्रीम-11 ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप छोड़ी, 358 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा

बीसीसीआई बोला- अब किसी ऑनलाइन गेमिंग कंपनी के साथ कभी नहीं जुड़ेंगे

एजेंसी । मुंबई

एशिया कप 2025 से पहले ड्रीम-11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर से हटने का फैसला किया है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने सोमवार (25 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने वाला बिल पास हो गया है। लिहाजा बीसीसीआई और ड्रीम-11 अब साथ नहीं रहेंगे। बीसीसीआई भविष्य में ऐसी किसी भी (ऑनलाइन गेमिंग) कंपनी के साथ नहीं जुड़ेगा। बिल में ड्रीम-11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन किया गया है। ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था।

स्पेशल क्लॉज के कारण डील तोड़ने पर भी जुर्माना नहीं लगेगा : ड्रीम 11 को बीसीसीआई के साथ अपने स्पॉन्सरशिप करार को समय से पहले खत्म करने के लिए जुर्माना नहीं देना होगा। इसका कारण यह है कि करार में एक स्पेशल क्लॉज शामिल है। ये कहता है कि यदि सरकार का कोई कानून स्पॉन्सर के मुख्य बिजनेस को प्रभावित करता है, तो उन्हें कोई जुर्माना नहीं देना पड़ेगा। सरकार के नए कानून ने रियल-मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो ड्रीम11 के कोर बिजनेस को प्रभावित करता है। इस वजह से ड्रीम 11 स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर सकता है।

2026 में खत्म होना था कॉन्ट्रैक्ट

तीन बड़ी बातें

- ड्रीम 11 इस डील के तहत बीसीसीआई को हर घरेलू मैच के लिए 3 करोड़ रुपए देता था।
- विदेशों में खेले गए हर मैच के लिए बीसीसीआई को 1 करोड़ रुपए मिलते थे।
- कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद बीसीसीआई अब नए स्पॉन्सर के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

टाटा-रिलायंस जैसी कंपनी बन सकती है **नई स्पॉन्सर**

टाटा ग्रुप, रिलायंस और अडाणी ग्रुप जैसी पुरानी कंपनियां मजबूत दावेदार के रूप में उभर रही हैं। टाटा पहले से ही आईपीएल का ऑफिशियल स्पॉन्सर है। रिलायंस जियो स्पोर्ट्स स्पॉन्सरशिप और प्रसारण अधिकारों में शामिल है। अडाणी ग्रुप ने भी स्पोर्ट वेंचर्स में निवेश किया है।

ड्रीम 11 की 67% कमाई रियल मनी सेगमेंट से होती थी

ड्रीम 11 का रियल मनी गेमिंग सेगमेंट कंपनी की कुल कमाई का 67% हिस्सा है। यानी, कंपनी की ज्यादातर कमाई फैंटेसी क्रिकेट जैसे गेम्स से आती थी। यहां यूजर्स पैसे लगाकर अपनी टीमें बनाते थे और जीतने पर कैश प्राइज पाते थे। नए बिल के तहत ये गेम्स अब गैरकानूनी हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के सीईओ हर्ष जैन ने कर्मचारियों को बताया कि नए कानून के तहत रियल मनी गेमिंग को जारी रखने का कोई कानूनी रास्ता नहीं है। इस वजह से ड्रीम 11 ने अपने इस कोर बिजनेस को बंद करने का फैसला किया। कंपनी अब अपने नॉन-रियल मनी गेमिंग वेंचर्स पर फोकस करेगी।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह को उम्मीद, हॉकी एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करेगा भारत

पटना (आईएएनएस)

बिहार का राजगीर हीरो एशिया कप 2025 के आयोजन को तैयार है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया सोमवार को ट्रॉफी का अनारण कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर के बीच खेला जाएगा, जिसे लेकर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह काफी उत्सुक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करेगी।

हरमनप्रीत सिंह ने पत्रकारों से कहा, "हमारी तैयारी शानदार रही है। पिछले डेढ़ महीने से हम कैंप में भी थे। हमारा टूर भी था। उम्मीद है कि पहले मैच में उतकर अच्छा परफॉर्म करेंगे। हॉकी में दोनों 'डी' महत्वपूर्ण हैं। आपको जो भी चांस मिल रहे हैं, उस पर अच्छा खेलना होगा। कप्तान ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलियाई टूर पर हमने अच्छा प्रदर्शन किया। 24 खिलाड़ियों की टीम थी, सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

आईएलटी20 सीजन 4

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के गल्फ जायंट्स ने जोनाथन ट्रॉट को हेड कोच नियुक्त किया

दुबई (आईएएनएस)

इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे सीजन की तैयारियों के बीच अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गल्फ जायंट्स ने लीग की पहली नीलामी से पूर्व एक मजबूत कोचिंग टीम की घोषणा की है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट को हेड कोच नियुक्त किया गया, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। बतौर कोच जोनाथन ट्रॉट अफगानिस्तान को आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल तक पहुंचा चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में टीम ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में शानदार प्रदर्शन किया था। बतौर खिलाड़ी, ट्रॉट ने 52 टेस्ट मैचों में 3,835 रन बनाए, जबकि 68 वनडे मुकाबलों में उनके नाम 51 की औसत से 2,819 रन दर्ज हैं, जिसमें चार शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। नए हेड कोच के रूप में गल्फ जायंट्स से जुड़ने पर खुशी जाहिर करते हुए ट्रॉट ने कहा, "गल्फ जायंट्स तेजी से आईएलटी20 की सबसे सफल टीमों में से एक बन गई है।

खिलाड़ी के लिए अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी : रोहित शर्मा

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा के मुताबिक एक खिलाड़ी के लिए अभ्यास, तैयारी, अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने एकाग्रता के महत्व पर भी प्रकाश डाला है। सोमवार को एक कार्यक्रम में रोहित शर्मा ने कहा, "जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो अपने सीनियर्स को अनुशासन में देखकर प्रभावित हुआ। किसी भी खेल को खेलने के लिए अभ्यास और तैयारी सबसे जरूरी है। हमें मैदान पर पांच दिन खेलना होता है। इसलिए तैयारी बहुत जरूरी है। आप जिंदगी में कुछ भी करें, तैयारी बेहद जरूरी है। लंबे फॉर्मेट में खेलने के लिए अभ्यास और धैर्य की जरूरत होती है। इसके लिए खेल में एकाग्रता की आवश्यकता है। भारत को विश्व कप खिताब जिताने वाले चुनिंदा कप्तानों में शुमार रोहित शर्मा अपने टेस्ट करियर में 67 मुकाबले खेल चुके हैं, जिसकी 116 पारियों में 40.57 की औसत के साथ 4,301 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 12 शतक और 18 अर्धशतक निकले। वहीं, 273 वनडे मुकाबले में इस दिग्गज खिलाड़ी ने 48.76 की औसत के साथ 11,168 रन जुटाए। यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस फॉर्मेट में तीन दोहरे शतक जड़ चुका है। रोहित शर्मा के टी20 करियर को देखें, तो उन्होंने भारत की ओर से 159 मुकाबले खेले। इस दौरान रोहित शर्मा ने 32.05 की औसत के साथ 4,231 रन अपने नाम किए, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा बतौर कप्तान मुंबई इंडियंस को पांच आईपीएल खिताब जिता चुके हैं। उन्होंने इस लीग में कुल 272 मुकाबले खेलते हुए 29.73 की औसत के साथ 272 रन जुटाए, जिसमें दो शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 129 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 29 शतक और 38 अर्धशत के साथ 9,318 रन अपने नाम किए हैं। रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड उनके अभ्यास, अनुशासन और धैर्य का ही परिणाम है।

सीएएफए नेशंस कप : भारत की 23 सदस्यीय टीम का ऐलान, गुरप्रीत संधू की वापसी...

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय सीनियर मेंस नेशनल टीम 29 अगस्त से शुरू होने वाले सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग ले रही है। इसके लिए सोमवार को 23 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया। इस टीम में गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू की वापसी हुई है। खालिद जमील की कोचिंग में गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह और ऋतिक तिवारी को गोलकीपर के तौर पर चुना गया है, जबकि इस टीम में राहुल भेके, नाओरेम रोशन सिंह, अनवर अली, संदेश झिंगन, चिंगलेनसाना सिंह, हिंगथनमाविया राल्टे और मोहम्मद उवैस डिफेंडर के रूप में शामिल किए गए हैं। मिडफील्डर के तौर पर इस टीम में निखिल प्रभु, सुरेश सिंह वांगजाम, दानिश फारूक भट, जेकसन सिंह, बोरिस सिंह, आशिक कुरुनियान, उदांता सिंह और नाओरेम महेश सिंह को टीम में शामिल किया गया है, जबकि फॉरवर्ड पंक्ति में इरफान यदवाड, मनवीर सिंह जूनियर, जितिन एमएस, लल्लियानजुआला चांगटे और विक्रम प्रताप सिंह को शामिल किया गया है।

सीएएफए नेशंस कप 2025 के लिए भारतीय टीम

- **गोलकीपर:** गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, ऋतिक तिवारी।
- **डिफेंडर:** राहुल भेके, नाओरेम रोशन सिंह, अनवर अली, संदेश झिंगन, चिंगलेनसाना सिंह, हिंगथनमाविया राल्टे, मुहम्मद उवैस।
- **मिडफील्डर:** निखिल प्रभु, सुरेश सिंह वांगजाम, दानिश फारूक भट, जेकसन सिंह, बोरिस सिंह, आशिक कुरुनियान, उदांता सिंह, नाओरेम महेश सिंह।
- **फॉरवर्ड:** इरफान यदवाड, मनवीर सिंह (जूनियर), जितिन एमएस, लल्लियानजुआला चांगटे, विक्रम प्रताप सिंह।

डीपीएल में बिखेरी चमक, अब आईपीएल में जाना चाहते हैं सार्थक रंजन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 (डीपीएल) में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की तरफ से खेलने वाले सार्थक रंजन सांसद पप्पू यादव के बेटे हैं। राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद सार्थक का सपना एक क्रिकेटर बनना है। वह भारत के लिए खेलना चाहते हैं। सार्थक रंजन डीपीएल 2025 में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। उन्होंने 8 मुकाबलों में 49.86 की औसत के साथ 349 रन बनाए, जिसमें 14 छक्के और 37 चौके शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज सार्थक ने डीपीएल को युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मौका बताया है। उन्होंने कहा, "मेरे साथ, बहुत खिलाड़ियों के लिए यह शानदार मौका है। डीपीएल जैसे मंच के लिए मैं डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा।

कैंसर और आवश्यक दवाओं पर जीएसटी में कटौती का जीएसटी परिषद का फैसला सराहनीय: आईएमए

नई दिल्ली (आईएएनएस)

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा कैंसर से संबंधित और अन्य आवश्यक दवाओं पर जीएसटी में कटौती का फैसला एक सराहनीय कदम है। एक बयान में, आईएमए ने कहा कि इस कदम से देश भर के लाखों मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा अधिक किफायती और सुलभ हो जाएगी। आईएमए ने कहा, "महत्वपूर्ण दवाओं पर जीएसटी में कमी, सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और कैंसर, पुरानी बीमारियों और जानलेवा संक्रमण जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों से जूझ रहे लोगों की सहायता करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार अपने व्यापक कर सुधारों के तहत कई आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी कम करने पर काम कर रही है। कैंसर की दवाओं और अन्य महत्वपूर्ण उपचारों के लिए, प्रस्तावित बदलावों में जीएसटी दरों को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना और कुछ मामलों में उन्हें शून्य तक लाना शामिल है। दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर भी छूट देने पर विचार किया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महंगी चिकित्सा अधिक किफायती और व्यापक रूप से सुलभ हो।

विशेष रूप से, एसोसिएशन ने सरकार और जीएसटी परिषद से आग्रह किया है कि वे जीवनरक्षक और आवश्यक दवाओं, जिनमें कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और लक्षित चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली दवाएं; मधुमेह के लिए इस्तेमाल होने वाले इंसुलिन और ओरल एजेंट शामिल हैं, पर जीएसटी छूट प्रदान कर मरीजों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर बोझ को और कम करें। एसोसिएशन ने उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी दवाओं; क्रोनिक किडनी रोग, कोलेजन संवहनी रोग, थायरॉइड विकार, अस्थमा, सीओपीडी, ऑस्टियोपोरोसिस और गंभीर संक्रमणों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं; अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन और हीमोफिलिया और मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम जैसी रक्त संबंधी स्थितियों में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं पर भी जीएसटी छूट देने का आग्रह किया। इसके अलावा, आईएमए ने चिकित्सा उपकरणों पर जीएसटी में कमी का आह्वान किया, जिससे अस्पतालों और क्लीनिकों की परिचालन लागत में कमी आएगी और इलाज अधिक किफायती हो जाएगा।

आईएमए ने अस्पताल में भर्ती होने की अफोर्डिबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल बेड पर जीएसटी को पूरी तरह से हटाने और विशेष रूप से आपात स्थिति के समय व्यक्तियों और परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी छूट की भी सिफारिश की।

अमेरिकी फेड से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद

मुंबई । अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के बीच सोमवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

आईटी क्षेत्र के दिग्गज शेयरों में खरीदारी इस तेजी का मुख्य कारण रही। सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,635.91 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में भारी गिरावट के बाद, 30 शेयरों वाला यह सूचकांक पिछले सत्र के 81,306.85 के बंद स्तर के मुकाबले 81,501.06 पर अच्छी बढ़त के साथ खुला। सूचकांक ने अपनी गति को बढ़ाते हुए 81,799.06 के उच्च स्तर को छुआ, लेकिन सीमित दायरे में ही रहा। निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद यूएस 10-ईयर यील्ड में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई।

उबर के लिए भारत एक जरूरी मोबिलिटी बाजार : सीईओ

नई दिल्ली (आईएएनएस)

उबर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दारा खोसरोशाही ने कहा है कि भारत कंपनी का तीसरा सबसे बड़ा मोबिलिटी बाजार है, जहां 14 लाख से अधिक चालक हैं और यह कंपनी के लिए "जरूरी जीत" है। ज़ेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में, उबर के सीईओ ने कहा कि भारतीय बाज़ार में वृद्धि 'शानदार' है। उन्होंने आगे कहा, "भारत उबर के लिए एक ज़रूरी जीत है, न सिर्फ़ कल, बल्कि अगले 10 सालों के लिए भी। खोसरोशाही ने कहा कि ओला पहले उबर की मुख्य प्रतिस्पर्धी हुआ करती थी, लेकिन रैपिडो वर्तमान में भारत में ज़्यादा मज़बूत प्रतिद्वंद्वी है। उन्होंने आगे कहा, "किसी व्यवसाय की असली परीक्षा यह नहीं है कि आप खर्च करते हुए कितनी तेज़ी से विकास कर सकते हैं। बल्कि यह है कि आप मुनाफ़े में रहते हुए कितनी तेज़ी से विकास कर सकते हैं। और मुझे लगता है कि रैपिडो अभी इससे बहुत दूर है। लेकिन वे नए-नए प्रयोग करते रहे हैं। उन्होंने भारत के मोबिलिटी भविष्य के लिए विद्युतीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा, "अगर हमें लंबे समय तक यहां नेतृत्व करना है, तो इलेक्ट्रिक वाहनों को केंद्रीय भूमिका में रखना होगा। स्वचालित और इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी में बदलाव लाएंगे, लेकिन नवाचार में समय लगता है। विस्तार से पहले, खोसरोशाही ने सुझाव दिया कि स्टार्टअप विशिष्ट बाज़ारों पर ध्यान केंद्रित करें ताकि उत्पाद-बाज़ार में सामंजस्य सुनिश्चित हो और दीर्घकालिक निवेशक मूल्य के लिए सतत विकास के साथ तालमेल बिठाया जा सके।

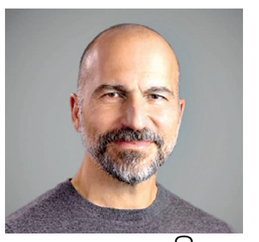

व्यवसाय की असली परीक्षा

- खर्च करते हुए तेज़ी से विकास करना असली पैमाना नहीं है।
- **असली चुनौती मुनाफ़े में रहते हुए तेज़ी से विकास करना है।**
- रैपिडो अभी इस स्तर से काफ़ी दूर है।

भारत के टियर-2 शहरों में एफएमसीजी सेक्टर नौकरियों में तेजी से बढ़ोतरी : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (एफएमसीडी) क्षेत्र में नए अवसर महानगरों से आगे भी उभर रहे हैं।

सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, टियर-2 शहरों में कुल एफएमसीडी नौकरियों में 22 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। सीआईईएल एचआर की रिपोर्ट में महानगरों से आगे नए उपभोक्ता बाजारों के उभरने को दर्शाया गया है। इसमें मई 2023 से मई 2025 तक कुल 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निरंतर भर्ती गति भी प्रदर्शित की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, "यह बदलाव गैर-महानगरीय बाज़ारों में कूलिंग अप्लायंसेज, इन्वर्टर और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी वस्तुओं में बढ़ती उपभोक्ता रुचि के कारण है।

चालू वित्त वर्ष में भारत के टायर उद्योग में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा

नई दिल्ली (आईएएनएस) । क्षमता विस्तार में निरंतर निवेश, बेहतर विनिर्माण दक्षता

और आरएंडडी क्षमताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किए जाने के बीच भारत के टायर उद्योग में चालू वित्त वर्ष में मजबूत वृद्धि का अनुमान है। उद्योग के आंकड़ों का हवाला देते हुए टायर सेक्टर के लीडर्स के अनुसार, घरेलू टायर उद्योग में मूल उपकरण की कम मांग के बावजूद, मजबूत घरेलू प्रतिस्थापन मांग के बल पर मजबूत वृद्धि हासिल करने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार, शहरी मांग कम होने के बावजूद, प्रतिस्थापन मांग को अनुकूल ग्रामीण रुझान, त्योहारी मांग और उपभोग पर अपेक्षित ब्याज दरों में कटौती जैसे कारकों से समर्थन मिलने की संभावना है।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु राज्य कार्य योजना पर पलामू में प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला

कार्य योजना में जमीनी स्तर पर कमियों को समझने का प्रयास जारी : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार बाल श्रम को समाप्त करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और बाल कल्याण संघ के संयुक्त तत्वावधान में पलामू जिला समाहरणालय भवन में प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन राज्य कार्य योजना 2025-2030 को जिलों के अनुभवों और जमीनी हकीकत के आधार पर और अधिक व्यावहारिक एवं प्रभावी बनाना है। कार्यक्रम में पलामू प्रमंडल के विभिन्न जिलों से आए अधिकारी, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं और बाल अधिकारों से जुड़े विशेषज्ञों सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में बाल श्रम और बाल तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं, उनके कारणों और ठोस समाधान पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पलामू की उपायुक्त समीरा एस ने कहा कि सरकार बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में कई अनोखी पहल कर रही है। इसके लिए पलायन परिवार को यहीं पर रोजगार के साधन उपलब्ध कराने या अगर वे बाहर जा भी रहे हैं तो उनके लिए कई प्रकार के योजनाओं का लाभ उन्हें मिल पाए। इसके लिए पोर्टल पर पंजीयन करा कर उन्हें लाभ हेतु प्रेरित किया जा रहा है। उसी कड़ी में यह कार्ययोजना बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में बेहद कारगर साबित होगी, क्योंकि इसमें हर जिले के अधिकारियों और विशेषज्ञों की राय ली जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य योजना में जमीनी स्तर पर कमियों को समझने का प्रयास हो रहा है और इस दिशा में आप सभी के बहुमूल्य सुझाव बेहद महत्वपूर्ण हैं।

समाज के लोगों को आगे आना होगा : पुनीत

कार्यक्रम की शुरुआत श्रम अधीक्षक पुनीत कुमार मिंज के स्वागत भाषण से हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाल श्रम उन्मूलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसी का परिणाम है कि झारखंड में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रवासी परिवारों को पंचायत और प्रज्ञा केंद्रों पर पंजीकरण कराने के बाद रोजगार के लिए बाहर जाने पर सरकार हर कदम पर उनका साथ दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है कि बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिले और उन्हें बाल श्रम से मुक्त वातावरण प्राप्त हो। कार्यक्रम में सभी जिलों से आय हुए पदाधिकारियों से सुझाव प्राप्त किए गए और इनके सुझाव को राज्य कार्य योजना में शामिल किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के एसी कुंदन कुमार, डीएसपी यशोधरा सहित कई लोगों ने भी अपनी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सभी के सहयोग से बाल श्रम खत्म होगा

मेदिनीनगर सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने कहा कि बाल श्रम को खत्म करना झारखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित माहौल और शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए प्रशासन, पुलिस, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक संस्थाओं और सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने यह भरोसा भी दिलाया कि जिला प्रशासन इस विषय पर पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर इस योजना को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

राज्य बाल श्रम मुक्त की दिशा में बढ़ रही है : संजय

बाल कल्याण संघ के संस्थापक एवं एटीएसइसी इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि बाल श्रम को समाप्त करने के लिए केवल कानून और नीतियां काफी नहीं हैं। इसके लिए समुदाय को जागरूक करना, परिवारों को स्थायी आजीविका से जोड़ना और बच्चों को पढ़ाई से जोड़ना बेहद जरूरी है। यह योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि हर स्तर पर जवाबदेही तय करने का ठोस माध्यम बनेगी। हमारा लक्ष्य है कि झारखंड का हर बच्चा सुरक्षित वातावरण में पढ़े और सम्मानजनक जीवन जी सके। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए गंभीर और ठोस पहल कर रही है। उन्होंने झारखंड सरकार की सक्रियता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल राज्य को बाल श्रम मुक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव लाएगी।

रामगढ़ सड़क हादसे में चंदवा के युवक की मौत

चंदवा। रामगढ़ के चुट्टू पाली घाटी स्थित गढ़के मोड़ के पास शनिवार की रात हुए सड़क हादसे में चंदवा निवासी लव कुमार (26) की मौत हो गई। मृतक के पिता अरविंद कुमार ने रामगढ़ थाना में आवेदन देकर बस चालक पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि बस चालक घाटी में अत्यधिक तेज गति से वाहन चला रहा था, इसी दौरान गढ़के मोड़ के समीप बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में लव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना अस्पताल से परिजनों को दी गई।

पेज एक के शेष

सूर्या हांसदा एनकाउंटर...

इस लिहाज से देखें तो गुरुजी शिबू सोरेन पर भी कई आरोप लगे थे। मैं बस इतना आग्रह करता हूं कि सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच के आदेश दे दिए जाएं। इस पर लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि भाजपा आदिवासी कार्ड खेलना चाह रही है। अपराधी किसी समुदाय का नहीं होता है। हेमलाल ने कहा कि सूर्या अंडरग्राउंड भी रहे हैं। अपनी बात रखते हुए रिम्स 2 की जमीन और जमीन रजिस्ट्री के मामले को भी उठाया।

26 अगस्त को अतिवृष्टि पर चर्चा : राज्य में हाल की भारी बारिश ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसी मुद्दे पर 26 अगस्त को विधानसभा में विशेष चर्चा होगी। सरकार किसानों के नुकसान की भरपाई और राहत योजनाओं की घोषणा कर सकती है। विपक्ष ने पहले ही संकेत दिए हैं कि वह इस विषय पर भी सरकार से तीखे सवाल पूछेगा। सत्ता पक्ष का कहना है कि राहत और पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहता है।

भाजपा विधायकों ने...

बीजेपी ने सदन से वॉकआउट कर दिया। वहीं, चालू वित्तिय वर्ष के लिए 4296 करोड़ रुपए का पहला अनुपूरक बजट सदन से पारित हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

दबाव कितना भी...

यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मानसून में गुजरात में कई इलाकों में भारी बारिश हुई। देश में भी एक के बाद एक आपदाएं आ रही हैं। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रकृति का यह प्रकोप पूरे देश, विश्व के लिए चुनौती बना है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ राहत, बचाव कार्य में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की धरती दो मोहन की धरती है एक सुदर्शन चक्र धारी द्वारिकाधीश और दूसरे चरखाधारी मोहन, हमारे महात्मा गांधी। भारत इन दोनों के दिखाए रास्ते पर चलकर सशक्त होता जा रहा है। श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि देश समाज की रक्षा कैसे करें। उन्होंने सुदर्शन चक्र को न्याय व सुरक्षा का कवच बनाया, जो दुश्मन को ढूंढकर उसे दंड देता है। यही भाव आज भारत के फैसलों में देश-दुनिया अनुभव कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि आज आतंकवादी और उनके आकाओं को हम छोड़ते नहीं हैं। चाहे वे कहीं भी छिपे हैं। पहलगाम का हमले का बदला हमने कैसे लिया दुनिया ने देखा है। 22 मिनट में सब साफ कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य और सुदर्शन चक्र धारी मोहन की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि चरखाधारी मोहन महात्मा गांधी ने भारत की समृद्धि का रास्ता स्वदेशी में बताया था। साबरमती आश्रम इसका साक्षी है। जिस पार्टी ने उनका नाम लेकर दशकों तक सत्ता सुख भोगा, उसने बापू की आत्मा को कुचल दिया। गांधी के नाम पर गाड़ी चलाने वालों ने एक बार भी न तो स्वच्छता को बढ़ावा दिया और न स्वदेशी को बढ़ाया। पीएम मोदी ने कहा कि देश समझ नहीं पा रहा है कि कांग्रेस की समझ को क्या हुआ है। 60-65 साल देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा ताकि वो सरकार में बैठे-बैठे आयात में भी घोटाले कर सके। आज भारत ने आत्मनिर्भरता को विकसित भारत के निर्माण का आधार बना दिया है। किसानों, मछुआरों, पशुपालकों, उद्यमियों के दम पर भारत तेजी से विकास के रास्ते पर चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गांधी की धरती से कहता हूं कि मोदी के लिए जनता ही सर्वोपरि है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को गुजरात से ऊर्जा मिल रही है। नौजवान पीढ़ी ने वो दिन नहीं देखे जो यहां आए दिन अशांति रहती थी। आज अहमदाबाद देश का सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। गुजरात में शांति और सुरक्षा वातावरण के परिणाम हम देख रहे हैं। गुजरात आगे बढ़ रहा है।

स्वदेशी खरीदने और अपनाने पर दिया जोर : पीएम मोदी ने कहा कि सरकार जीएसटी में कमी करने जा रही है। इससे लघु उद्यमियों को मदद मिलेगी। कई चीजों पर टैक्स कम होगा। दिवाली पर सबको खुशियों का डबल बोनस मिलेगा। आज स्वच्छता के मामले में अहमदाबाद नाम कमा रहा है। स्वच्छता को स्वभाव और सोच बनाइये, बेहतर परिणाम मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि त्योहार हमारी संस्कृति के उत्सव के साथ आत्मनिर्भरता के उत्सव होने चाहिए। हमें जीवन में मंत्र बनाना है कि हम जो भी खरीदेंगे वो स्वदेशी होगा। सभी सामान मेड इन इंडिया होगा। उपहार वही जो भारत में बना हो। व्यापारी वर्ग देश को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहा है। वे विदेशी माल नहीं बेचें और बोर्ड लगाएं कि हमारे यहां स्वदेशी बिकता है।

झारखंड में 31...

और उत्तर-पूर्वी (साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और दुमका) भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है. इतना ही नहीं, कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ वर्षा और वज्रपात होने की भी संभावना है. इस दौरान हवा की अधिकतम गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है.

30, 31 अगस्त के लिए येलो अलर्ट : 30 और 31 अगस्त के लिए भी मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी हुआ है. इसमें कहा है कि राज्य के पूर्वी और उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होगी. इस दौरान अगले चार दिन में अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री की वृद्धि होने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है.

25 घंटे में झारखंड में हुई 6.1 मिलीमीटर वर्षा : पिछले 24 घंटे की बात करें, तो झारखंड में सामान्य वर्षा 6.9 मिलीमीटर की बजाय 6.1 मिलीमीटर बारिश हुई. यह सामान्य से 12 फीसदी कम वर्षा है. इस दौरान चितरपुर में 38.4 मिलीमीटर सबसे अधिक वर्षा हुई. सबसे अधिक उच्चतम तापमान गोड्डा जिले में 35 डिग्री सेंटीग्रेड और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया. इस दौरान खूंटी में 20 मिलीमीटर वर्षा हुई.

रांची में 29 अगस्त तक होगी बारिश, वज्रपात की भी आशंका : अब बात राजधानी रांची के मौसम की. 26, 27, 28 और 29 अगस्त को रांची में आसमान में बादल छाये रहेंगे. 26 अगस्त को एक-दो बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी. 27 और 28 अगस्त को गर्जन अथवा वर्षा हो सकती है. 29 अगस्त को एक या दो बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री के बीच रहने की संभावना है.

झारखंड विधानसभा में...

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने जमशेदपुर के धालभूमगढ़ में 50 बिस्तरों वाला अस्पताल 1.55 करोड़ रुपए खर्च कर बना दिया, पर तीन साल बाद भी बंद पड़ा है। रिपोर्ट में कुल मिलाकर करीब 41.10 करोड़ की ऐसी योजनाओं की स्थिति उजागर की गई है, जिनसे आम जनता को कोई लाभ नहीं मिला।

राहुल गांधी से...

लेकिन फिर कुछ समय अंतराल के बाद इस केस को चाईबासा कोर्ट में ही ट्रांसफर कर दिया गया है. प्रताप कुमार की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता विनोद कुमार साहू ने अदालत में पक्ष रखा.वहीं राहुल गांधी की तरफ से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और दीपांकर राय ने पक्ष रखा.

10 लाख का इनामी माओवादी मनोहर गंझू के घर इश्तेहार चिपकाया

- एक महीने में न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर होगी कुर्की-जब्ती

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। थाना क्षेत्र के टेमराबर ग्राम निवासी 10 लाख का इनामी माओवादी मनोहर गंझू पिता बृहस्पति गंझू के घर पर चतरा जिला के कुंदा थाना पुलिस ने बालूमाथ थाना पुलिस के सहयोग से न्यायालय द्वारा जारी इश्तिहार चस्पा किया। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि मनोहर गंझू के खिलाफ चतरा जिला के कुंदा थाना सहित लातेहार, चतरा आदि जिलों के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह वर्षों से फरार है। चतरा न्यायालय के आदेश पर अभियुक्त के घर इश्तिहार चस्पा किया गया है। यदि अभियुक्त एक महीने के भीतर न्यायालय में हाजिर नहीं होता है तो उसके घर की कुर्की-जब्ती कर ली जाएगी। बता दें कि इससे पूर्व भी कई बार मनोहर के घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जा चुकी है और न्यायालय के आदेश पर वारंट एवं इश्तिहार जारी हुए हैं। नक्सलियों की मौजूदा स्थिति पर नजर डालें तो बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के नक्सली मुक्त होने, कई बड़े नक्सली नेताओं के मारे जाने, गिरफ्तार होने और आत्मसमर्पण करने के बाद इलाके में माओवादियों की पकड़ कमजोर हो चुकी है।

लगातार बारिश से छिपादोहर में तबाही

पुल बहा, कई गांव मुख्यालय से कटे लोग जोखिम उठाकर कर रहे नदी पार

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड के छिपादोहर क्षेत्र में लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बाढ़ से छिपादोहर-गारू मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है, वहीं उक्कामाड़ नदी के उफान से छिपादोहर-बरवाडीह मार्ग पर यातायात ठप हो गया। सबसे गंभीर स्थिति गम्हरिया टोला में देखने को मिली, जहां पुल बह जाने से करीब 50 घरों के लोग मुख्यालय से कट गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अब लोग जीवन जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं, खासकर छात्र-छात्राएं। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई है, जिससे पानी, राशन और दवा की कमी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक पुल या नाव की व्यवस्था की मांग की है।

लगातार बारिश से ढहा मकान, मुआवजे की मांग

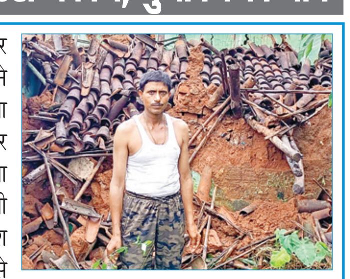

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई सड़के, कलवर्ट और मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कामता पंचायत के दामोदर गांव निवासी प्रेम गिरी का कच्चा मकान बारिश के कारण ढह गया। इस वजह से उनका परिवार बेघर हो गया है और गंभीर संकट में है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने की मांग की है।

बारिश में मिट्टी-खपरेल का घर ढहा, परिवार बेघर, सरकारी आवास योजना की मांग

बारियातू। शिबला पंचायत के कुशमाहा गांव में सुनैना देवी का मिट्टी-खपरेल घर बारिश के दौरान ढह गया। इस हादसे में मोटरसाइकिल और घरेलू सामान दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। पीड़ित महिला ने बताया कि अब तक उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिला है और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

आदि कर्म योगी अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन

आदिवासियों को मुख्य धारा में लाना कर्मयोगी का उद्देश्य : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जनजातीय विकास और परिवर्तन के लिये व्यक्तियों और संस्थानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को समाहरणालय सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपायुक्त समीरा एस, उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आदिवासियों को मुख्य धारा में लाने व उन्हें सभी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से यह देशव्यापी आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में हम सभी स्टेक होल्डर हैं। आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में विकास पहल को बढ़ावा देना और शासन को अधिक प्रभावी बनाना है। जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक जब शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वन होगा तभी अभियान सफल हो सकेगा। इस अभियान को सफल बनाने हेतु किस विभाग को क्या करना है, इसी विषय से संबंधित यह कार्यशाला आयोजित की गयी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लेकर कई स्तर पर ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जाना है। इसके पूर्व में छह जिले के प्रतिनिधियों को मेदिनीनगर में प्रशिक्षण दिया गया है। इस अभियान के तहत जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनरों 28,29 एवं 30 सितंबर को तीन दिवसीय का प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा जो आगे चलकर प्रखंड स्तर पर ब्लॉक लेवल ट्रेनर को प्रशिक्षित करेंगे और जनजातीय समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने सभी विभागों को इस अभियान में अपना शत-प्रतिशत देने की अपील की। उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि 28,29 एवं 30 सितंबर को पोलपोल में तीन दिनों का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमें कुल 65 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर भाग लेंगे।उन्होंने कहा कि जिले में 91 आदिवसी बहुल गांव है जहां यह अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जायेगा।उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से सरकारी कर्मियों में कार्य संस्कृति सुधारने,उत्तरदायित्व बढ़ाने और नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने की परिकल्पना है।

रजवाडीह मध्य विद्यालय में ‘मुखर वाचन एवं सहपठन’ गतिविधि आयोजित

मेदिनीनगर। रजवाडीह मध्य विद्यालय में सोमवार को मुखर वाचन एवं सहपठन गतिविधि का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ₹मेरा विद्यालय निपुण, मैं भी निपुण₹ अभियान के अंतर्गत पुस्तक पठन–मेरी किताब, मेरी कहानी कैंपेन का हिस्सा है, जो 15 अगस्त से शुरू होकर 10 सितम्बर 2025 तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में शुद्ध उच्चारण, आरोह-अवरोह, हाव-भाव और समझ के साथ पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करना है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी, शिक्षिका श्रीमती निशा, गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

‘स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन : क्या, क्यों और कैसे’ विषय पर रखे गए विचार, सुधाकर रेड्डी को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) द्वारा संचालित सांस्कृतिक पाठशाला की 81वीं कड़ी में रविवार को ‘स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) : क्या, क्यों और कैसे’ विषय पर संवाद आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व महासचिव कामरेड एस. सुधाकर रेड्डी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

संवाद की शुरुआत प्रेम प्रकाश ने विषय-प्रवेश के साथ की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता गोपाल सिंह और इप्टा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश सिंह ने संयुक्त रूप से की।

इस अवसर पर इप्टा के राष्ट्रीय सचिव शैलेंद्र कुमार ने कहा कि एस.आई.आर. प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया निरंतर चलनी चाहिए, लेकिन इसे जल्दबाजी में पूरा करना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सवाल उठाता है।

वक्ता शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता आवश्यक है, लेकिन वर्तमान प्रक्रिया पारदर्शी नहीं लग रही है। कुलदीप राम ने कहा कि पुनरीक्षण होना चाहिए, किंतु इसमें कमियों को दूर करना जरूरी है। अध्यक्षता कर रहे गोपाल सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग से निष्पक्षता की अपेक्षा की जाती है, पर उठ रहे सवाल भरोसा कमज़ोर कर रहे हैं।

संवाद का संचालन सुरेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि कामरेड सुधाकर रेड्डी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लोकप्रिय नेता थे, जिनका व्यवहार शालीन और सोच वैज्ञानिक थी। वे जनसंगठनों के विस्तार और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण के लिए हमेशा सक्रिय रहे।

कार्यक्रम के अंत में सुधाकर रेड्डी को श्रद्धांजलि स्वरूप 2 मिनट का मौन रखा गया। शिक्षक गोविंद प्रसाद ने झारखंड से संबंधित एक पुस्तक भेंट कर सांस्कृतिक पाठशाला के पुस्तकालय को समृद्ध करने का संकल्प जताया।

इस अवसर पर कृष्ण देव ओझा, गोविंद प्रसाद, फिरोज अख्तर, रवि शंकर, गौतम कुमार, प्रेम कुमार, अमित कुमार, भोला, संजीव कुमार संजू, अजीत ठाकुर, शाहिद समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा पर चर्चा

केंद्रीय मंत्री से डीआईजी नौशाद आलम ने की शिष्टाचार भेंट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. अन्नपूर्णा देवी से पलामू के डीआईजी नौशाद आलम ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर डीआईजी ने महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मंत्री से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इसी संदर्भ में उन्होंने मंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा महिला सशक्तिकरण और बाल संरक्षण के लिए मिलकर ठोस कदम उठाने पर विचार किया।

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने सीआईसी के आदेश पर रोक लगा दी

'पीएम मोदी की बीए की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी'

ब्यूरो

सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि महज जिज्ञासा को आरटीआई के जरिए सूचना मांगने का आधार नहीं माना जाना चाहिए

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने सीआईसी का आदेश पलटते हुए फ़ैसला दिया- 'पीएम मोदी की बीए की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी'। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद अब दिल्ली यूनिवर्सिटी को प्रधानमंत्री की डिग्री नहीं दिखानी होगी। जस्टिस सचिन दत्ता ने सोमवार को दिल्ली विवि की याचिका पर सुनवाई की। मालूम हो कि केन्द्रीय सूचना आयुक्त ने एक आरटीआई कार्यकर्ता की याचिका पर दिल्ली विवि को 1978 में बीए की परीक्षा पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का आदेश दिया था।प्रधान मंत्री नरेन्द्र दास मोदी ने भी 1978 में दिल्ली विवि से बीए की परीक्षा पास की थी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की तरफ से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि महज जिज्ञासा को आरटीआई के जरिए सूचना मांगने का आधार नहीं मान सकते हैं।उनका तर्क था कि अदालत को डिग्री दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन विवि का यह रिकॉर्ड किसी बाहरी व्यक्ति को जांच के लिए नहीं दे सकती । दिल्ली विवि ने सीआईसी के आदेश को 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी , जिसमें कहा कि छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी "फिड्युशियरी कैपेसिटी" (भरोसे में रखी गई गोपनीय जानकारी) के तहत आती है, जिसे किसी अजनबी को नहीं दिया जा सकता। दिल्ली विश्वविद्यालय ने यह भी कहा था कि कोर्ट को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

वहीं, हाईकोर्ट ने सुनवाई की पहली ही तारीख, को सीआईसी के आदेश पर रोक लगा दी थी। गुजरात हाईकोर्ट के जज जस्टिस बीरेन वैष्णव ने 31 मार्च 2023 को मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) के आदेश को रद्द कर इस मामले में आप नेता व दिल्ली के तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था, जिन्होंने नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के डिग्री प्रमाण की डिटेल मांगी थी।

पीएम मोदी के जापान दौरे से पहले भारत ने की रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा

टोक्यो (आईएएनएस)

जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने सोमवार को जापानी संसद के निचले सदन के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद जापान स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, ''राजदूत सिबी जॉर्ज ने फुकुशिरो नुकागा के साथ भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों और मानव संसाधन के आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इससे पहले राजदूत जॉर्ज ने सुमितोमो मित्सुई ट्रस्ट समूह के समूह अध्यक्ष तोरु ताकाकुरा से मुलाकात की और भारत और जापान के बीच वित्तीय संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। जापान स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, "राजदूत सिबी जॉर्ज ने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में सुमितोमो मित्सुई ट्रस्ट समूह के अध्यक्ष तोरु ताकाकुरा का स्वागत किया और भारत-जापान वित्तीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर उपयोगी चर्चा की।

12 महीनों में दो बार कैंसर का सामना कर चुकीं एमिली थॉम्पसन

ये बातें हैं जो डाक्टरी पर्चों में नहीं बताई जातीं

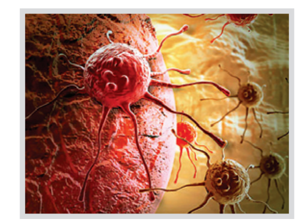

मैं 45 साल की हूँ और कैंसर से जूझ रही हूँ। कुछ हफ़्ते पहले मुझे काम पर इतनी ज़ोर से उल्टी हुई कि मैं पेशाब कर बैठी। यह मेरे लिए एक बड़ा झटका था: मैं 44 साल की थी और इतने सालों में इतनी स्वस्थ नहीं थी। शुरुआत में, मुझे बहुत अच्छा बताया गया था, और शुरुआती झटके के बाद, मैं पहले से कहीं ज़्यादा स्वस्थ हो गई। मैंने तय किया कि मैं सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर, इसका डटकर सामना करूँगा। लेकिन सर्जरी और पैथोलॉजी के बाद, भाषा बदल गई। उन्होंने "उत्कृष्ट" की जगह "अच्छा" शब्द इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, और हमें एहसास हुआ कि यह एक संघर्ष से ज़्यादा होने वाला है। मैंने हर संभव जानकारी इकट्ठा की, साथ ही हर उपलब्ध संसाधन का इस्तेमाल किया, और पूरी तैयारी के साथ काम किया। लेकिन किसी ने मुझे उन गड़बड़ियों के बारे में नहीं बताया।कुछ साथी कैंसर से जूझने वालों से बात करने के बाद, मैंने उन सलाहों की एक सूची तैयार की है जो काश मुझे शुरुआत में दी जातीं। आपको कैंसर काउंसिल से ढेर सारी जानकारी दी जाएगी आपको हर वो चीज़ करने की ज़रूरत नहीं है जो सुझाई गई है। इसे अपने तरीके से करना ठीक है। मैंने सब कुछ सार्वजनिक रूप से साझा करके शुरुआत की और मुझे अद्भुत समर्थन मिला। नौ महीने हो गए हैं और मैं अपने आप में सिमट गई हूँ और इस बारे में किसी से बात नहीं करना चाहती। दोनों ही ठीक हैं। मेरे ऑन्कोलॉजी काउंसलर ने मुझे सलाह दी थी कि जितना हो सके अपने सामान्य शेड्यूल पर ही रहूँ और कैंसर को पहले से ज़्यादा ताकत न दूँ। हाल ही में जब मुझे काम के घंटे कम करने पड़े, तब तक यह ठीक था। हालांकि, मैं कैंसर को ताकत नहीं दे रही हूँ - मैं अपने शरीर को जरूरी आराम दे रही हूँ।इस समय मुझे आराम, पौष्टिक भोजन, धूप और गतिविधि की ज़रूरत है। एक नए शोध से पता चलता है कि व्यायाम कैंसर के इलाज में अहम भूमिका निभाता है, और जहाँ तक हो सके इसे प्रोत्साहित किया जाता है। उल्टी करते समय आपको पेशाब भी आ जाए ख़ास तौर पर कीमोथेरेपी आपके पाचन तंत्र को बिगाड़ देगी और आप जिस भी सार्वजनिक जगह पर होंगे, वहाँ के शौचालयों को तुरंत भूल जाएँगे। आपके बाल झड़ सकते हैं - हर जगह। नाक के बाल झड़ने का मतलब है कि आपकी नाक लगातार बहेगी। बाल झड़ने से आपको बहुत तेज गैस निकलेगी। स्टेरॉयड से आपका वज़न बढ़ता है; दूसरी दवाएँ इसे बहुत तेज़ी से कम कर देंगी।कैंसर दर्द देता है, और उस दर्द का कुछ हिस्सा आर्थिक भी होता है- पर उतना भारी-भरकम बिल नहीं है जितना आप उम्मीद कर रहे होंगे । चिकित्सा लागत तेज़ी से बढ़ती है।आपको एक जानकार मेडिकल टीम ढूंढनी चाहिए जो आपके हित में सोचे, लेकिन आप अपने शरीर को सबसे अच्छी तरह जानते हैं। दूसरी दवा आज़माना और इलाज के विकल्पों पर चर्चा करना ठीक है। आप मुश्किल नहीं हैं। आप समाधान के हकदार हैं।आप दोस्त खोएँगे और अनपेक्षित दोस्त पाएंगे जो लोग आपके साथ रहेंगे, वे आपको ऐसे तरीक़े से सहारा देंगे जिनकी आपको कभी ज़रूरत नहीं होगी, और आप नए दोस्त भी बनाएंगे।- एमिली थॉम्पसन मध्य पश्चिमी न्यू साउथ वेल्स में रहने वाली एक लेखिका हैं।

(द गार्जियन से साभार)

पाकिस्तान में हर साल 1,000 लड़कियों का अपहरण और जबरन धर्मांतरण

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की दुर्दशा लगातार दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। यहां ईसाई और हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण के नए मामले उस स्थिति को उजागर करते हैं, जिसे 'व्यवस्थित संकट' कहा जाता है। मूवमेंट फॉर सॉलिडैरिटी एंड पीस के अनुसार, पाकिस्तान में हर साल लगभग 1,000 ईसाई और हिंदू लड़कियों (उम्र 12 से 25 वर्ष) का अपहरण किया जाता है। आलम ये है कि पुलिस अक्सर कार्रवाई करने से बचती है। जुबली कैंपेन और ओपन डोर्स जैसी मानवाधिकार संस्थाओं ने चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अकेले 2024 में ही 10 साल तक की उम्र की पीड़िताएं सामने आई हैं। कई पीड़ित आजीवन आघात और सामाजिक कलंक झेलती हैं।

नरसंहार पर डार के दावों पर अवामी लीग ने यूनुस की आलोचना की

ढाका (आईएएनएस)। बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुहम्मद

यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश को "पाकिस्तानी सोच" की ओर ले जाने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने इस सरकार पर "मुक्ति संग्राम विरोधी" और "राष्ट्र विरोधी" रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया है। यह मामला तब सामने आया है जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बांग्लादेश का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अंतरिम सरकार के शीर्ष नेताओं और देश के प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात की।

इजरायल ने गाजा पर आक्रमण जारी रखने का लिया संकल्प

यरूशलम (आईएएनएस)। इजरायल ने गाजा शहर पर आक्रमण जारी रखने का संकल्प लिया।

वहीं निवासियों ने भारी हवाई और जमीनी हमलों की सूचना दी है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि अकाल से मरने वालों की संख्या में वृद्धि जारी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि शहर पर हमला जारी रहेगा। इसके बाद से अंतर्राष्ट्रीय चिंता पैदा हुई है और विदेशों के साथ-साथ इजरायल में भी इसकी आलोचना हुई है। उन्होंने कहा, "आईडीएफ (इजरायल रक्षा बल) हमास को हराने, सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और इजरायल द्वारा निर्धारित शर्तों के तहत युद्ध को समाप्त करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहा है और करता रहेगा। शुक्रवार को काट्ज ने कहा कि हमले की योजना को मंजूरी दे दी गई है।

अब गांव वालों से पोस्ट ऑफिस के मार्फत म्यूचुअल फंड में कराया जाएगा निवेश

एक लाख पोस्टमैन को दिया जाएगा प्रशिक्षण

पोस्ट ऑफिस पर गांव वालों के भरोसे का फायदा उठा उनका पैसा शेयर बाजार व कंपनियों में निवेश किया जाएगा

● यह अभी 4 राज्यों में शुरू होगा

ब्यूरो

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने भारत के डाक विभाग के साथ मिलकर अब गांव वालों से म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगवाएगा। डूबेगा तो क्या होगा, इसका कोई इंतजाम स्पष्ट नहीं है। जो भी हो, इसके लिए लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड्स वितरक के तौर पर में प्रशिक्षित किया जाए। कहा जा रहा है कि इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। डाक विभाग व एएमएफआई ने पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने का भी समझौता किया है। ताकि गाँव व छोटे जगहों तक भी इस धंधे को फैलाया जा सके। यह समझौता फिलहाल 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। बाद में सरकार व अफ़सर चाहेंगे तो बढ़ाया भी जाएगा। संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है।यानी पोस्ट ऑफिस पर गांव वालों के भरोसे का फ़ायदा उठाना है। इस तरह से गाँव के आम लोगों का पैसा म्यूचुअल फंड के मार्फत कहां लगाना है , वित्त के जानकार अच्छी तरह समझ सकते हैं। एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा व मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं। इसके लिए तर्क दिया जा रहा है कि हर वर्ष लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। आन लाइन प्लेट फार्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान(सिप) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड में धन लगवाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

	शेयरों	म्यूचुअल फंड्स
निवेश का स्वरूप	**प्रत्यक्ष निवेश**	**अप्रत्यक्ष निवेश**
विविधता	एक समय में आप केवल एक विशेष शेयर ही खरीद सकते हैं।	आप एकमुश्त निवेश से विविधीकृत पोर्टफोलियो बना सकते हैं।
उद्देश्य	कंपनी की विकास रणनीति का हिस्सा।	एक व्यक्ति के लिए निवेश विकल्प.
निवेश पर नियंत्रण	स्टॉक के चयन के लिए आप सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।	शेयरों का पूर्वनिर्धारित पोर्टफोलियो। निवेश पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है
निश्चित निवेश	स्थिर निवेश का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि कीमतें नियमित रूप से उतार-चढ़ाव करती रहती हैं।	आप एक निश्चित मासिक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) में निवेश कर सकते हैं
शुल्क और प्रभार	ब्रोकरेज शुल्क और अन्य लेनदेन शुल्क।	आपको फंड प्रबंधन शुल्क, फ्रंट-एंड लोड/बैक-एंड लोड शुल्क, शीघ्र मोचन शुल्क आदि का भुगतान करना होगा।
विकास पथ	त्वरित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं	केवल दीर्घावधि में ही अच्छा रिटर्न दे सकता है; आमतौर पर 5 वर्षों के बाद
रिटर्न	दीर्घकालिक रिटर्न 14-16% तक हो सकता है	औसत रिटर्न 8% तक
निवेशक प्रकार	शेयर बाजारों में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों के लिए सबसे उपयुक्त।	कोई भी व्यक्ति म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकता है
जोखिम आकलन	उच्च बाजार अस्थिरता के अधीन	कम बाजार जोखिम.

पाकिस्तान में सोने के खनन के दौरान खरबों का घोटाला

एनएबी का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद (आईएएनएस)

पाकिस्तान की भ्रष्टाचार निरोधक निकाय राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सोने के खनन के दौरान हुई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा किया है। एनएबी ने सिंधु और काबुल नदियों के किनारे प्रांत में गोल्ड ब्लॉकों की नीलामी के लिए निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर गहरी चिंता जताई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक एनएबी ने कहा है कि इन अनियमितताओं के कारण प्रांत को खरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने प्रांतीय सरकार के आधिकारिक दस्तावेज पर प्रकाश डालते हुए खुलासा किया कि पट्टाधारक खुलेआम उप-पट्टे दे रहे हैं और प्रति उत्खननकर्ता प्रति सप्ताह 5,00,000 से 7,00,000 पाकिस्तानी रुपए वसूल रहे हैं। एनएबी का कहना है कि इससे उनकी साप्ताहिक कमाई 75 करोड़ रुपए से एक अरब रुपए के बीच होने का अनुमान है, जबकि प्रांतीय सरकार को इसका केवल एक मामूली हिस्सा मिलता है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने जियो न्यूज को बताया कि उनकी सरकार ने सोने के ब्लॉकों की नीलामी ऊंची कीमतों पर की। उन्होंने दावा किया कि जहां पहले एक ब्लॉक की नीलामी कीमत 650 मिलियन (65 करोड़) रुपए थी, वहीं उनकी सरकार ने न्यूनतम कीमत बढ़ाकर 1.10 बिलियन कर दी और 10 वर्षों के लिए चार ब्लॉक लगभग 4.6 बिलियन (अरब) में बेच दिए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 20 वर्षों में ऐसी कोई नीलामी नहीं हुई, जिससे लोगों को अवैध रूप से सोना निकालने की अनुमति मिली हो।

खामेनेई ने वाशिंगटन के साथ सीधी बातचीत को किया खारिज

कहा- ईरान झुकेगा नहीं

तेहरान (आईएएनएस)

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि अमेरिका इसलिए ईरान का विरोध करता है क्योंकि वह चाहता है कि ईरान उसकी बात माने। उन्होंने इस मांग को अपमानजनक बताया और कहा कि ईरान कभी झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना के हवाले से बताया कि तेहरान में रविवार को दिए भाषण में खामनेई ने साफ कहा कि अमेरिका से सीधी बातचीत की कोई जरूरत नहीं है। उनके अनुसार 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से अमेरिका की शत्रुता लगातार बनी हुई है। उन्होंने 13 जून को ईरान पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका से जुड़े समूह अगले दिन एक यूरोपीय राजधानी में "इस्लामी गणराज्य के बाद" व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए मिले थे, यहां तक कि राजशाही का सुझाव भी दिया गया। खामेनेई के अनुसार, ईरानी जनता और संस्थाओं की मजबूती ने इन कोशिशों को नाकाम कर दिया। खामेनेई ने जून में इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि इन हमलों का मकसद ईरान को अस्थिर करना था, लेकिन ईरान ने इसका जवाब दिया। खामेनेई ने घरेलू एकता और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के लिए समर्थन का आग्रह किया और चेतावनी दी।

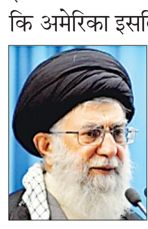

बॉम्बे हाईकोर्ट ने योगी पर बनी फिल्म को दी मंजूरी

सीबीएफसी को बिना किसी कट के रिलीज करने का दिया निर्देश

कहानी फिल्म जगत की

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी को बॉम्बे हाई कोर्ट से रिलीज की परमिशन मिल गई है। कोर्ट ने सोमवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को निर्देश दिया है कि वह फिल्म को बिना किसी कट या बदलाव के रिलीज के लिए पास करे। दरअसल, सीबीएफसी की ओर से सर्टिफिकेट देने से इनकार करने के बाद फिल्म के मेकर्स ने कोर्ट का रुख किया था। ऐसे में कोर्ट ने खुद 21 अगस्त को फिल्म देखी और कहा कि फिल्म में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे उसे सर्टिफिकेट देने से रोका जाए।

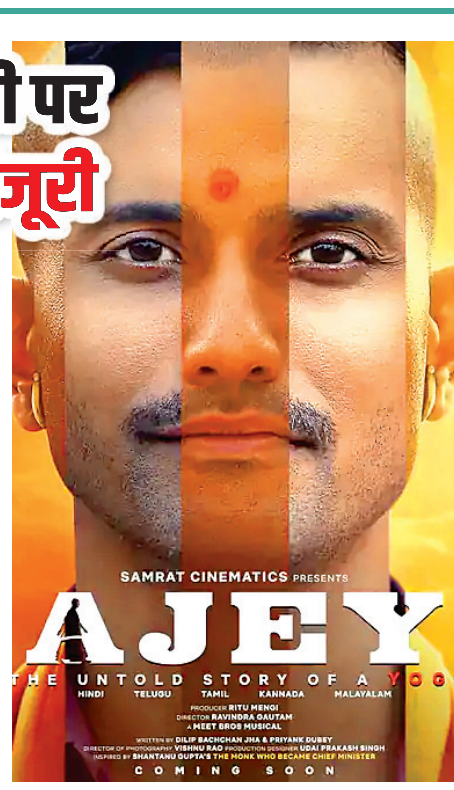

बुक पर आधारित है फिल्म : *बता दें कि यह फिल्म शांतुन गुप्ता की बुक 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित है। जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म में योगी आदित्यनाथ के बचपन से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक के संघर्षों को दिखाया जाएगा। फिल्म में ड्रामा, इमोशन, एक्शन और बलिदान का शानदार मिश्रण होगा। यह बायोपिक दर्शकों को राजनीति, धर्म और समाज के बदलते समीकरणों से भी परिचित कराएगी।*